



संख्या 7
संवारी 14, 1978

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 14, 1978 (पौष 24, 1899)

No. 2]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 14, 1978 (PAUSA 24, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 दिसम्बर 1977

सं० ए० 12019/4/77-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबंधिक अधिसूचना दिनांक 19-8-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्रीमती सुधा भार्गव को 1-12-1977 से तीन मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आवेदन तक जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

प्रभात नाथ मुखर्जी

अवर सचिव

कृते सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

सं० ए० 12025(ii)/1/76-प्रशा० III—संयुक्त सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1976 के आधार

608/1977

पर उनके नामित हो जाने के परिणामस्वरूप तथा कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० श० सं० 5/53/77-सी० एस० I दिनांक 16-11-1977 के अनुसरण में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री हाकम मिह को, राष्ट्रपति द्वारा 1-12-1977 से, आगामी आवेदनों तक, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्रभात नाथ मुखर्जी

अवर सचिव

(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० ए० 19014/1/76-प्रशासन-5—श्री पी० एस० निगम ने दिनांक 21 नवम्बर, 1977 के पूर्वाल्क में प्रशासन

(145)

अधिकारी (स्थापना), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया और दिनांक 21 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्नि) से उनकी सेवायें राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय को सौंप दी गई।

राजेन्द्र प्रकाश गुप्ता
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1977

सं० ए०-19035/2/77-प्रशासन-5—श्री पूरुष चन्द्र, अपराध सहायक, जोन-3, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 1/12/1977 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रोफेशन कर कार्यालय अधीक्षक रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० ए०-19036/11/76-प्रशासन-5—निवृत्ति की शायु प्राप्त कर लेनेपर, श्री बी० पी० राय चौधरी ने दिनांक 1-11-1977 के पूर्वाह्नि में पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आर्थिक अपराध संघ, कलकत्ता शाखा के पद का कार्यभार त्याग दिया है। श्री बी० पी० रायचौधरी अब दिनांक 1-11-77 (पूर्वाह्नि) से 120 विन की सेवा-निवृत्ति पूर्व-अस्वीकृत छह्मी पर चले गए हैं।

सं० ए०-19036/11/77-प्रशा० 5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० य० (II) शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री डी० पी० सिंह को विनांक 24/11/77 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19036/13/77-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी एवं केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो बस्तवी शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री बी० टी० सावन्त को दिनांक 23/11/77 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

विजय पाल पाण्डे
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

मसूरी, दिनांक 7 सितम्बर 1977

सं० 2/46/75-ई० एस० टी०—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 2/46/75-ई० एस० टी० दिनांक 23-4-77

के संबंध में निदेशक महोदय, श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता के निधन से रिक्त हुए स्थान पर श्री कैलाशचन्द्र मकमेना पी पुस्तकाध्यक्ष के पद पर दिनांक 15-7-77 से आगामी तीन मास के लिए सहर्ष तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 दिसम्बर 1977

सं० 2/46/75-ई० एस० टी०—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 2/46/75-ई० एस० टी० दिनांक 7-9-77 के संबंध में निदेशक महोदय, श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता के निधन से रिक्त हुए स्थान पर श्री कैलाशचन्द्र सक्सेना को पुस्तकाध्यक्ष के पद पर दिनांक 15-10-1977 से आगामी तीन मास के लिए सहर्ष तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

स० पा० सिंह
उप प्रशासन अधिकारी।

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-24, दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० ई०-16013(2)/4/77-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर श्री बी० के० अग्निहोत्री आई० पी० एस० (मध्य प्रदेश-72) ने 2 नवम्बर, 1977 के अपराह्नि से के० औ० सु० ब० द्रेनेंग रिजर्व के कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय एच० ए० एस० पिंपरी में होगा।

सं० ई०-38013/3/17/77-कार्मिक—नागारेन्ड से स्थानान्तरित होने पर श्री एच० सी० बंवर ने 25 नवम्बर 1977 के अपराह्नि से के० औ० सु० ब० यूनिट पल्प और पेपर कम्पनी मोकोकचंग नागारेन्ड में सहायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० ई० 38013/3/17/77-कार्मिक—पटना से स्नामांतरित होने पर श्री एस० के० अृषि ने 26 नवम्बर 1977 के अपराह्नि से के० औ० सु० ब० यूनिट पल्प और पेपर कम्पनी मोकोकचंग नागारेन्ड में सहायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ली० सी० बिष्ट
महानिरीक्षक के० औ० सु० ब०

वित्त शायोग

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1977

सं० एप०सी० 2 (22)-ए०/77—सी० एस० एस० के सेलेक्शन एंड के स्थायी अधिकारी श्री एस० के० दास गुप्ता को बत्तमूत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) से उनका तबाषला होने पर 15 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्नि से अगला

आदेश जारी होने तक 200-125/2-2250 रुपए के बेतममान में सातवें वित्त आयोग में निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं० 7 एफ०सी० 2(19)-ए०/77/इण्डियन इकानामिक सर्विस के ग्रेड IV अधिकारी श्री आर० डी० गुप्ता की नियुक्ति सातवें वित्त आयोग में प्रतिनियुक्ति के आधार पर बरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर 26 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक की गई है।

पी० एल० सकरमाल
अवर सचिव

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 दिसम्बर 1977

सं० 1188-सी० ए० 1/15-71—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश-11, हैदराबाद के कार्यालय में कार्यरत श्री सी० लक्ष्मीनारायण, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) इनपनी अधिविष्टा की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30 नवम्बर 1977 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए।

सुशील देव भट्टाचार्य,
संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल
तिक्कनन्तपुरम, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० स्थापना प्र० 7/9-86 जिल्द 2/158—निम्न-सूचित अनुभाग अधिकारियों को (लेखा और लेखापरीक्षा) प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से अगले आदेशों तक इनी कार्यालय में लेखा अधिकारियों के पद में स्थानापन्न होने हेतु पदोन्नत करने को महालेखाकार, केरल सम्मुट हुए हैं।

1. श्री पी० वालसुन्नामण्ड अध्यर 7-12-1977 (पूर्वाह्न)
2. श्री पी० पी० कुट्टरप्पन 7-12-1977 (पूर्वाह्न)

एस० जयरामन,
उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक,
नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं०-18279/प्रशा०-II—राष्ट्रपति, श्री ए० के० मित्तल रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, पश्चिमी कमान, के दिनांक 4 दिसम्बर 1977 को हुए निधन को खेद के साथ आम्लापित करते हैं। तदनुसार उनका नाम दिनांक 4-12-77 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग की नफरी से निकाल दिया गया।

बी० एस० भीर
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

श्रम संकालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

सं० 2 ए (2) 77-प्रशासन 1/17267—श्री धीरेन्द्र कुमार श्रीबास्तव; सहायक निदेशक, खान सुरक्षा महानिदेशालय का स्थागपत्र 14 अक्टूबर 1977 के अपराह्न से मंजूर किया गया।

एस० डी० प्रसाद
खान सुरक्षा महानिदेशक

श्रम ब्लूरो

शिमला-171004, दिनांक 11 जनवरी 1978

नं० 23/3/77-सी० पी० आई०—नवम्बर, 77 में औ-दोषिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उष्मभोजना मूल्य सूचकांक आधार 1960-100, अक्टूबर 1977 के स्तर 330 (तीन सौ तीस) पर स्थिर रहा। नवम्बर, 1977 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 401 (चार सौ एक) आता है।

आननद स्वरूप भारद्वाज
संयुक्त निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/482/57-प्रशासन (राज०)/8602—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में नियंत्रक अयात-निर्यात के रूप में कार्य कर रहे केन्द्रीय सचिवालय के अनुभागधिकारी के वर्ग के स्थायों अधिकारी, श्री डी० एल० सिन्हा, का 31-10-1977 को वेहान्न हो गया।

का० ब० ब० शेषांत्रि

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

श्रीद्वारिगिक विकास विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० 5(2)/77-सी० एल० बी० II—कुलिम रेशमी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खंड 3 के उपर्युक्त (3) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एलद्वारा कताई कारखाना रखने वाले प्रत्येक उत्पादक को उसके उपक्रम में लगे तकुम्हों पर स्वदेशी पोलिएस्टर फाइबर और स्वदेशी एक्रिलिक फाइबर से सूत बनाने की अनुमति देता हूँ।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना म “उत्पाद” इस उक्ति का बहुत अर्थ होगा जो सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 19-18 मे इसके लिये दिया गया है।

सं० सी० ई० आर०/2/77—सूती वस्त्र (नियन्त्रण) आदेश, 1948 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/2/77, दिनांक 15 अप्रैल 1977 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं, अर्थात्:

उक्त अधिसूचना में, पेराग्राफ 6 के नीचे की टिप्पणी पुनरांकित होकर टिप्पणी (1) के रूप में रहेगी और निम्नलिखित टिप्पणी (2) के रूप में जोड़ दी जाएगी, अर्थात् :—

“टिप्पणी (2): किसी भी वस्त्र के ताने में कृतिम रेशम (आर्टसिल्क) के उपयोग पर लगा प्रतिबंध वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 5 (2)/77 सी० ई० एस० बी० II, दिनांक 20 दिसम्बर 1977 के अनुसरण में विनिमत्ता द्वारा उत्पादित सूत पर लागू नहीं होगा।”

दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं० सी० ई० आर०/3/77—सूती वस्त्र (नियन्त्रण) आदेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर० 3/69 दिनांक 19 सितम्बर 1969 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में :—

एक. पेराग्राफ सात म मद (5) के बाद निम्नलिखित जोड़ दिया जाएगा, अर्थात् :—

(6) “संमिश्र सूत” ये शब्द ऐसे सूत के लिये जो अंशतः रुई से और अंशतः कृतिम रेशम (आर्ट सिल्क) से या अंशतः रुई से और अंशतः ऊन से निर्मित हो।

और विनिमत्ता “संमिश्र सूत” इन शब्दों के बाद सूत में इस्तेमाल किये गये विभिन्न प्रकार के तंतुओं की वास्तविक प्रतिशत मात्रा की मोहर लगाएगा, उदाहरणार्थ :—

“संमिश्र सूत—60% रुई 40% पोलिएस्टर”

और यदि किसी तंतु की प्रतिशत मात्रा सूत म लगे सभी तंतुओं की सम्पूर्ण मात्रा के दो प्रतिशत से कम हो तो ऐसे तंतु की प्रतिशत मात्रा की मोहर लगाने की आवश्यकता नहीं।

टिप्पणी : उपर्युक्त उदाहरण केवल निर्देशन के लिये है। विनिमत्ता रुई के अंश या आर्ट सिल्क या ऊन के अंश की वास्तविक प्रतिशत मात्रा की मोहर लगाएगा जो संमिश्र सूत में इस्तेमाल किये गये तंतुओं की संपूर्ण मात्रा के, भार के आधार पर, प्रतिशत के रूप में होगी। यदि आर्ट सिल्क का उपयोग संमिश्र सूत के एक संघटक के रूप में किया गया हो तो उसके प्रजाति-नाम, जैसे नाइलोन, पोलिएस्टर, एक्रिलिक,

विस्कोज आदि जो भी हों, को मोहर उपर्युक्त उदाहरण के अनुसार लगाई जाएगी।

गौरी शंकर भार्गव
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० ई० 11/7—इस विभाग की दिनांक 11 जुलाई, 1969 की अधिसूचना सं० ई० 11/7 में वर्ग-2 “नाइट्रेट मिश्रण” के अधीन निम्नलिखित जोड़ा जायें, अर्थात्

(1) “नोबेलाइट” प्रविटि के पश्चात् विनिर्दिष्ट स्थलों पर 31 मार्च, 1979 पर्यन्त अभिप्रयोग विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु पी० ई० 1-ए० ई०” जोड़ा जाये।

इंगुव नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० प्र० 1/1 (1106)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री सुधीर रंजन दास को दिनांक 28 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री सुधीर रंजन दास के सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और दिल्ली उच्च न्यायालय में श्री एस० कुपुस्त्रामी द्वारा दायर वीकानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 22 दिसम्बर 1977

सं० प्र० 1/1 (1109)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक श्री आर० पी० भट्टाचार्य को दिनांक 6 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से श्री आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 1/1 (1108)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर में अधीक्षक श्री एस० के० मुखर्जी को दिनांक 12 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से श्री आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में स्थानीय तदर्थ आधार पर सहायक

निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मुख्यमंत्री की सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर होगी और उन्हें उस पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक नहीं होगा।

दिनांक 24 दिसम्बर 1977

सं. प्र०-1/1(1101)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में अधीक्षक श्री जादू प्रसाद को दिनांक 30-7-1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक उत्तरी निरीक्षण मंडल के कार्यालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं. प्र०-1/1(1104)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री विप्र दास को दिनांक 28-10-77 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2 श्री विप्र दास की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई और श्री एम० कुम्भुस्वामी द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दीवानी याचिका सं. 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

सूर्य प्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)
हते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

सं. प्र०-6/247 (323)/61—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री आर० सी० भट्टाचार्य को दिनांक 16 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड III को धातुकर्म भाषा में सहायक निदेशक (धातुकर्म) के रूप में पूर्णतः अस्थाई तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री भट्टाचार्य ने दिनांक 15-11-77 (अपराह्न) को बर्नपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 16-11-77 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक (धातु), टाटानगर के कार्यालय

में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 15 दिसम्बर 1977

सं. ए० 17011/(127)/77-प्र०-6—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री डी० कें० गुप्त को दिनांक 16-11-1977 से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड-III की धातुकर्म भाषा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्त ने दिनांक 16-11-1977 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक (धातु), टाटानगर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं. ए० 17011/133/77-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने स्थायी भंडार परीक्षक (धातु) और पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न अवर श्रेणी अधिकारी श्री ए० कें० मित्र को दिनांक 14-11-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन जमशेदपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

श्री मित्र दिनांक 14-11-1977 से 2 वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

सूर्य प्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)
हते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इत्यात श्रीर खान मंत्रालय

(खान बिभाग)

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 22 दिसम्बर 1977

सं. ए०-19011 (222)/27-स्था० ए०—भारतीय खान व्यूरो में श्री व्ही० वीकम, भारतीय सांस्कृतिक सेवा, ग्रेड III अधिकारी का ग्रेड II सेवा में खनिज अर्थशास्त्री (सांस्कृतिक) के रूप में दिनांक 14 नवम्बर 1977 के पूर्वाह्न से नियुक्ति की गई है।

एल० सी० रणधीर,
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं. 6415/बी०/40/59/सी०/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के केन्द्रीय क्षेत्र के सहायक प्रणासनिक

अधिकारी श्री ए० आर० विश्वास, जो सुटी पर गए हैं, उसके स्थान पर भारतीय भूदीकारी सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री बी० के० चटर्जी को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-80-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, पदोन्नित पर, आगामी आदेश होने तक 10-10-1977 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० के० एस० वरदन,
महा निदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० स्था०-5316/724-एस० आ० एस०--श्री विजय प्रकाश मितल को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भण्डार अधिकारी, सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'बी' (राजपत्रित) के अस्थाई पद पर 550-25-750-द० रो०-30-900 रु० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 13 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 24 दिसम्बर 1977

सं० सी० 5320/718-ए--श्री य० एस० श्रीबास्तव, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय को मानविक प्रकाशन निदेशालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में, श्री एम० पी० जैन, स्थापना एवं लेखाधिकारी (के० सि० से० श्रेणी 'बी') के पद पर 840 रु० प्रतिमाह वेतन पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में दिनांक 14 नवम्बर 1977 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला,
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1977

सं० 2/43/60-स्टाफ-द०--महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री बी० के० मितर, प्रशासन अधिकारी, विदेश प्रसारण सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली को समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली में दिनांक 5-8-77 से, अगले आदेश होने तक, स्थानापन्न रूप से, पदोन्नित पर, प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

(इस अधिसूचना से इस निदेशालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना सं० 2/43/60-स्टाफ-II, दिनांक 21-9-77 को रद्द समझा जाए।)

दिनांक 19 दिसम्बर 1977

सं० 19/6/77-स्टाफ-द०--महानिदेशक, आकाशवाणी, समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली में काम कर रहे निम्नलिखित वरिष्ठ ग्रेड आकाशवाणिकों को समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली में उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से पूर्णतः तदर्थ आधार पर रिपोर्टर (अनु-श्रवण) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं :

1. श्री डी० पी० कश्यप	3-11-77
2. श्री आर० बी० नीलकंठन	7-12-77

दिनांक 22 दिसम्बर 1977

सं० 2/1/62-एस० दो०--श्री पी० के० दस गुप्ता, प्रशासन अधिकारी, आकाशवाणी, कोहिमा वादूर्धक्य आयु प्राप्त हो जाने पर दिनांक 30-11-77 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

एस० बी० सेषाद्री,
प्रशासन उपनिदेशक,
हाले महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

सं० 4 (57)/77-एस० I--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री प्रह्लाद कुमार पटेल को आकाशवाणी, राज्य में 9-11-1977 से अप्रेतर आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 दिसम्बर 1977

सं० 4 (32)/77-एम-1--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री श्याम विलार्थी को आकाशवाणी, इलाहाबाद में 29-11-77 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं० 4 (42)/75-स्टाफ-I-वाल्य०II--भारतीय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में परिवीक्षार्थी के रूप में चुनाव पर, श्री राकेश कुमार जैन ने आकाशवाणी, अहमदाबाद से, कार्यक्रम निष्पादक के पद से, दिनांक 9-11-1976 (अपराह्न) से ह्यागपत्र दे दिया है।

सं० 4/16/77-एस०-I--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जश करण गोस्वामी को आकाशवाणी, जयपुर में 26-11-1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (41)/77-एस०-I--महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती अल्पा उपाध्याय को आकाशवाणी, रोहतक में 1-12-1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 दिसम्बर 1977

सं० 4(69)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती नजमा रिजवी को विभाग सेवा विभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली में 18-8-1977 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1977

सं० ए० 19019/31/77-के० स० स्वा० घो०-I—
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) जे० डी० पूषा को 10 अगस्त 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद म आयुर्वेदिक फिजीशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एस० भाटिया,
उप निदेशक प्रशासन
(केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना)

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय
(ग्राम विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० फाइल 4-6 (59)/77-प्र० III—विषयन एवं
निरीक्षण निदेशालय, नई दिल्ली में सहायक विषयन अधिकारी
श्री बी० एस० भारद्वाज का दिनांक 2 नवम्बर, 1977 को
निधन हो गया है।

बी० पी० चावला
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु उर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400 001, दिनांक 6 दिसम्बर 1977

सं० डी० पी० एस०/23 (6)/77-प्रशासन/36055—
परमाणु उर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा के भंडार यूनिट (क्रय एवं भंडार निदेशालय) के भंडारी श्री बी० एस० शर्मा को उस निदेशालय में 21-11-1977 (पूर्वाह्न) से 18-1-1978 (पूर्वाह्न) तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रुपये के बेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी

नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री बी० डी० कंडपाल, सहायक भंडार अधिकारी के स्थान पर की जा रही है, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।

सं० डी० पी० एस०/23/4/77-स्थापना/36073—
परमाणु उर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के अस्थायी क्रय सहायक श्री आर० कृष्ण अव्यर को उसी निदेशालय में 28-10-1977 से 30-11-1977 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रुपये के बेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री एस० जी० कडूलकर, सहायक क्रय अधिकारी के स्थान पर की जा रही है, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।

दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० डी० पी० एस०/23/2/77/स्था०-36644—इस निदेशालय की दिनांक 26 अक्टूबर, 1977 की समसंचयक अधिसूचना के क्रम में परमाणु उर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के केन्द्रीय भंडार एकक के भंडारपाल श्री एम० ए० शेख को, उसी निदेशालय में 10 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, तदर्थ आधार पर, सहायक भंडार अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 दिसम्बर 1977

सं० डी० पी० एस०/23/3/77-स्था०/36650—निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु उर्जा विभाग, निदेशालय के अस्थायी भण्डारी श्री के० पी० सिंह को उसी निदेशालय में 7 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से 9 दिसम्बर 1977 के अपराह्न तक के लिए 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के बेतनमान में तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री के० चन्द्रशेखरन, सहायक भंडार अधिकारी (एस०-3), द्राम्बे विलेज स्टोर्स, के स्थान पर की गई है, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी।

सं० डी० पी० एस०/23/4/77-स्थापना/36656—
परमाणु उर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के क्रय सहायक श्री के० टी० परमेश्वरन को उसी निदेशालय में 5-12-1977 से 7-1-1978 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के बेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री पी० बी० रामनाथन, सहायक क्रय अधिकारी के स्थान पर की जा रही है जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

मुम्बई-400001, दिनांक 8 दिसम्बर 1977

सं० ढी० पी० एस०/2/1(25)/77-प्रश्ना०/36106—
निरेशक, क्रथ एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, महालेखाकार के
कार्यालय, डाक एवं तार विभाग (लेखा परीक्षा कार्यालय, कलकत्ता)
के अनुभाग अधिकारी श्री दिलीप कुमार राय को इस निदेशालय
में 26 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए
रुपए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के बेतन-
मान में प्रतिनियुक्ति की शर्तें पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त
करते हैं।

के० पी जोसेफ
कृते प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

मुम्बई-400 008, दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० 05052/77/6646—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री प्रभाकर सूर्यभान शेळके, अस्थायी पर्यवेक्षक (वास्तु), भारी पानी परियोजना (कोटा) को, उसी परियोजना में स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) एक अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिये अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/77/6647—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री बलदेव कृष्ण कपिल, अस्थाई फोरमैन, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को, उसी परियोजना में एक अगस्त, 1977, पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) में अस्थाई तौर पर नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/77/6648—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री अस्तुदास अरुलानन्दराज, अस्थाई फोरमैन, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) 1 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/77/6649—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री पी०ए० श्रेमेन वेद्यान, अस्थाई वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में अस्थाई रूप से स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) एक अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक लिये अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/77/6650—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री हर्षवदन आनन्दलाल मंडल, अस्थाई वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना, (बड़ौदा) को उसी परियोजना में स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) अस्थाई रूप से एक अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/77/6651—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष कार्य अधिकारी, श्री सन्तोष कुमार जैन, अस्थाई वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को उसी परियोजना में स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) अस्थाई रूप से एक अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिये नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीधर

धाना, दिनांक 6 दिसम्बर 1977

सं० ढी० ए० पी० एस०/1/18(2)/77-आर०—श्री बी० पी० पाल द्वारा प्रशासन अधिकारी-II के पद का कार्यभार 14 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से ग्रहण कर लिया जाने पर श्री पी० पिल्लै ने, जिनकी पदोन्नति अधिसूचना सं० टी ए पी० एस०/1/18(3)/77-आर० दिनांक 1 नवम्बर, 1977 द्वारा सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर 21 जुलाई, 1977 से स्थानापन्थ रूप से की गई थी, 14 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 10 दिसम्बर 1977

सं० ढी० ए० पी० एस०/1/19(3)/76-आर०—मुख्य पर्यावरणक, तारापुर परमाणु बिजलीधर परमाणु ऊर्जा विभाग, बड़ौदा स्थित पश्चिमी रेलवे के कार्यपालक इंजीनियर (निर्माण) के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी(लेखा) श्री जी०डी० बाबिस्कर को उनके पश्चिमी रेलवे से आकर रिपोर्ट करने पर, तारापुर परमाणु बिजलीधर में 14-11-1977 (पूर्वाह्न) से लेकर अगले आदेश तक एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति की शर्तें पर अस्थाई रूप से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमनन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32014/2/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० के० गोस्वामी, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी को 29-10-77 (प्रपराह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक, नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

दिनांक 19 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32014/4/76-ई०सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने शी गई तारीख से तथा अन्य आदेश होने तक तदर्थे आधार पर

सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड से नियुक्त किया है और उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशनों पर तारीख किया है :—

क्रम सं.	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4	5
सर्वेश्वी				
1. फिरन राय	.	वै० स० स्टेशन, कलकत्ता	वै० स० स्टेशन, कलकत्ता	4-11-77 (पूर्वी)
2. बी० एस० बकारी	.	वै० स० स्टेशन, पालम	वै० स० स्टेशन, सफदरजंग	6-11-77 (पूर्वी)
3. ए० के० सक्सेना	.	मी० ए० टी० सी०, इलाहाबाद	सी० ए० टी० सी०, इलाहाबाद	2-11-77 (पूर्वी)
4. के० ए० भूषीन	.	आर० सी० डी० य० नई दिल्ली ।।	आर० सी० डी० य० नई दिल्ली	28-10-77 (पूर्वी)
5. एन० ए० सपरे	.	वै० स० स्टेशन, बम्बई	वै० स० स्टेशन, बम्बई	15-11-77 (पूर्वी)

दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32013/5/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो अधिकारियों को 5 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से तवर्य आधार पर रिक्तियां उपलब्ध रहने की तारीख तक, प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	पदनाम और नया तैनाती स्टेशन
1	2	3	4
1.	श्री पी० ए० धुम्मा, डी० जी० सी० ए० सहायक वरिष्ठ तकनीकी (मुख्यालय) अधिकारी	संचार (योजना)	संचार (योजना)
2.	श्री आर० पी० शर्मा, —वही— वरिष्ठ संचार अधिकारी	सहायक विदेशक संचार (स्टाफ)	संचार (स्टाफ)

सं० ए०-38012/1/77-ई० सी०—श्री एन० सी० नाथ, क्षेत्रीय नियंत्रक, संचार दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप मरकारी सेवा से नियुक्त होने पर 30-11-77 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सत्य देव शर्मा
उप-विदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32013/8/77-ई० I—महानियेशक नागर विमानन वे इस विभाग की 10 जून, 1977 की अधिसूचना सं० ए० 32013/2—416GI/77

8/77-ई० I के क्रम में इस विभाग के श्री ए० आर० भाटिया, स्थायी लेखापाल को 26-11-1977 अपराह्न के बाद 6 मास की अवधि के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इस में से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 15 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32013/8/76-ई० I—राष्ट्रपति ने इस विभाग की दिनांक 6 अप्रैल, 1977 की अधिसूचना सं० ए० 32013/8/76-ई० I, के क्रम में श्री बी० हाजरा को 2 मितम्बर, 1977 के बाद 31-12-1978 तक की अवधि के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इस में से जो भी पहले हो, तवर्य आधार पर, क्षेत्रीय नियेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/19/77-ई० I—महानियेशक नागर विमानन ने इस विभाग की 28-6-77 की अधिसूचना सं० ए० 3213-10-77-ई० I, के क्रम में इस विभाग के श्री ए० के० चक्रवर्ती, स्थानापाश वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष (स्थायी पुस्तकाध्यक्ष) को 14-12-1977 के बाद 6 महीने की अवधि के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इस में से जो भी पहले हो, रुपए-650-30-740-35-810-द० गो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनान में मुख्य पुस्तकाध्यक्ष (ग्रुप 'बी' राज पत्रिक) पद पर नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द्र जैन
महानियेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1977

सं० 12/4/75-स्थापना—निम्नलिखित स्थानापाश/ग्रस्थायी सहायक अधिकारियों को उनके नाम के आगे लिखे दिनांक से महानियेशक

अभियंता के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

क्रमांक	नाम	स्थायी नियुक्ति की दिनांक
1	2	3

सर्वश्री

1. आर० एन० शुक्ल	.	5-3-1968
2. एस० सी० पधी	.	6-3-1968
3. टी० वी० दक्षिणामूर्ति	.	15-6-1968
4. राम सुभाष कृष्णन	.	16-6-1968
5. एस० एल० भार्गव	.	17-6-1968
6. के० वी० वासुदेवन	.	18-6-1968
7. एम० के० जैन	.	19-6-1968
8. टी० पी० सी० नायर	.	31-7-1968
9. एस० पी० अग्रवाल	.	4-8-1968
10. वी० वेवीदास	.	5-8-1968
11. एन० आर० विश्वास	.	2-3-1969
12. सुभाष जैन	.	27-7-1970
13. वी० जी० परांजपे	.	28-7-1970
14. टी० एस० शीनिवासन	.	29-7-1970
15. एम० एल० चोद्री	.	30-7-1970
16. पी० वी० हयग्रीवन	.	31-7-1970
17. एन० आर० सोंदूर	.	1-8-1970
18. सी० पी० सुद्धमनियन	.	2-8-1970
19. वी० वी० आयार	.	3-8-1970
20. ए० के० राजगोपालन	.	4-8-1970
21. एम० एस० कृष्णमूर्ति	.	1-9-1970
22. एस० एन० चान्द्रकर	.	5-9-1970
23. डी० बैकटरामन	.	12-3-1971
24. आर० नरसिंहन	.	6-1-1972
25. के० के० खेतरपाल	.	17-7-1972
26. के० आर० कौरा	.	1-3-1973
27. एस० वी० कामथ	.	2-3-1973
28. एम० सी० जैन	.	3-3-1973
29. पी० डी० गुप्ता	.	4-3-1973
30. पी० के० राजारामन	.	5-3-1973
31. सुरेश बाला	.	6-3-1973
32. आर० एन० गर्ग	.	7-3-1973
33. एस० एस० बंसल	.	8-3-1973
34. ए० सुरेन्द्रन	.	6-4-1973

1	2	3
35. अनिल कुमार	.	1-3-1974
36. एम० एम० घोष	.	2-3-1974
37. एस० एस० शेखावत	.	3-3-1974
38. के० सदाशिवन	.	4-3-1974
39. ए० चन्द्रभोलि	.	5-3-1974

दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० 1/434/77-स्था०—मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थानापन्न सहायक अभियंता श्री क्षी० एन० ए० उमीदवर का सेवा से त्यागपत्र 28 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से स्वीकार किया गया है।

सं० 1/442/77-स्था०—श्री टी० शुरेश कुमार को 26 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से श्री आगामी आदेशों तक आर्वी शाखा में अस्थायी तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/444/77-स्था०—श्री कृष्ण बलदेव गुलाती को 7 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से श्री आगामी आदेशों तक विदेश संचार भवन, नई दिल्ली में अस्थायी तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० वामले
महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 24 दिसम्बर 1977

सं० 16/286/77-स्थापना I—वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री इन्द्र देव, अनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग को दिनांक 8 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में 'पाचबीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत' लट्ठों श्री लकड़ी के टुकड़ों को सड़ने और कीड़े लगाने से बचाने के सस्ते तरीकों का विकास नामक योजना में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० 16/280/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री विजय कुमार श्रीवास्तव को दिनांक 13-12-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में पाचबीं पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत वन उत्पादकता, देहरादून स्कीम में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भटनागर
कुल सचिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहरणिय

दलाहालाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० 28/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, सीतापुर में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के रूप में तैनात श्री पी० एन० खन्ना, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' दिनांक 31-10-77 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से सेवामुक्त हो गए।

ए० एल० नन्दा
समाहर्ता

इन्दौर, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० 11(3) 7-गोप/77/2046—श्री प्र० व्य० ठाकरे परीक्षक (लेखा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नत होने पर परीक्षक (लेखा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, इन्दौर का कार्यभार दिनांक 13-12-1977 के पूर्वाल्क से संभाल रहे हैं।

मनजीत सिंह बिंद्रा
समाहर्ता

संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय
सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 दिसम्बर 1977

सं० 16/17—श्री एस० पी० कुन्डु ने जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क बोर्ड में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय नई दिल्ली में जूनियर विश्लेषक (जूनियर एनेलिस्ट) के पद पर प्रतिनियुक्ति किए जाने पर दिनांक 30-11-77 को दोपहर बाद उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दयासागर,
निदेशक, संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं

नौवहन श्रीर परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक दिसम्बर 1977

सं० 23 टी० आर० (4) 75—लालबहादुर शास्त्री नावीय श्रीर इंजीनियरी महाविद्यालय, बम्बई के नौचालन श्रीर नौ-कौशल के प्राध्यापक श्री शिव प्रसाद पंडा ने उनके त्यागपत्र की स्वीकृति के परिणाम स्वरूप अपने पद का कार्यभार तारीख 1-11-1976 (पूर्वाल्क) से छोड़ दिया है।

एम० बाला,
नौवहन उप-महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1977

सं० ए० 19012/1/77-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री सी० हरी दास को पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ रूप में स्थानापन्न के अधार पर बेतनमात्र 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में दिनांक 20-9-76 पूर्वाल्क से अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

श्री सी० हरी दास ने सहायक अभियंता का पद भार पश्चात्ती गेजिंग उप-प्रभाग में दिनांक 20-9-76 पूर्वाल्क से ग्रहण कर लिया है।

सं० ए० 19012/14/77-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री ए० के० वालसलान को पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ रूप में स्थानापन्न के अधार पर बेतनमात्र 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में दिनांक 5-11-77 पूर्वाल्क से अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० वालसलान ने सहायक अभियंता का पद भार भोपाल गेजिंग उप-प्रभाग भोपाल में दिनांक 5-11-77 (पूर्वाल्क) से ग्रहण कर लिया है।

जितेंद्र कुमार साहा,
अबर सचिव

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1977

सं० 12/2/76-हिन्दी—राष्ट्रपति निम्नलिखित स्थानापन्न उप वास्तुकों को जो सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "ए" में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में उपवास्तुक के ग्रेड में कार्य कर रहे थे, इनके नाम के आगे दी हुई तिथि से स्थायी धोषित करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	स्थायीत्वता की तिथि	विवरण
सर्वश्री			
1. एस० सी० भाटिया		18-5-73	
2. एस० शेषगिरी राव		9-6-73	
3. के० पी० सतवेक (अनुजाति)		1-7-73	
4. एस० एफ० वी० जेसउद्दीन		28-2-74	
5. एस० आर० सिक्का		1-5-74	

डी० पी० ओहरी,
प्रशासन उप-निदेशक-2

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० 75/ई० बी०/1503—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा अधिकारी किया जाता है कि कांटाबांजी (छोड़कर) रायपुर (छोड़कर) खण्ड को वापस 1 सितम्बर, 1977 से दक्षिण-पूर्व रेलवे के बालतेह मंडल में स्थानान्तरित कर दिया गया है। इससे इस खण्ड के बिलासपुर मंडल में स्थानान्तरण के संबंध में दिनांक 30-3-1976 की अधिसूचना सं० 75 ई० बी०/1503 का अधिकरण हो जाता है।

बी० मोहन्ती सचिव, रेलवे बोर्ड,
एवं भारत सरकार पदेन संयुक्त सचिव

पू० सी० रेलवे

मालीगांव, दिनांक 5/7 सितम्बर, 1977

सं० ई०/55/III/197 (ओ)---(अ) निम्नलिखित आई० आर० ए० एस० अधिकारी को प्रबंध वेतन मान में उसके नाम के सामने दी गई तिथि से स्थायी किया जाता है:—

नाम	दिनांक जिस से पुष्टि की गयी
श्री ए० के० सन्धाल	10-3-76

(अ) निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दो मरी तिथियों से II-ओरी सेवा में सहायक लेखा अधिकारी के रूप में स्थायी किया जाता है:—

नाम	दिनांक जिससे पुष्टि की गयी
1. श्री बी० एन० भट्टाचार्जी	8-7-76
2. श्री एस० एन० प्रसाद	27-4-77

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

सं० 22—भारतीय रेल अधिकारियों की विभाग के श्री जे० बी० श्रीकास्तव स्थानापन्न प्रबंध अधिकारी (आर० ई०) एनाहाबाद 3-11-1977 अरराह से आयु अधीन सेवा निवृत्त हो गये हैं।

जी० एच० केशवानी,
महाप्रबंधक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एग्रो कॉपन्ट (ग्लोबल)

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० 992/77-783—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी

जाती है कि एग्रो कॉपन्ट (ग्लोबल) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

एस० बनर्जी,
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मर्सर्स शिवानंद गार्डन एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर के विषय में

जयपुर, दिनांक 22 दिसम्बर 1977

सं० सांख्यिकी/1366—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मर्सर्स शिवानंद गार्डन एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

रामदयाल कुरील
कम्पनियों का रजिस्ट्रार राजस्थान,
जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कपूर ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

चण्डीगढ़ दिनांक 2 दिसम्बर 1977

सं० जी०/स्टेट०/560/259—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुभरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कपूर ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
प०, हि० प० ब चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विजय प्रस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं० ए० 628/77-4575(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 का उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दीजा ती है कि विजय प्रस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कें. डायमन्ड स्टील
इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कलकत्ता, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं० ०० ६२३/७७—४५७६(२)---कम्पनी अधिनियम 1956
की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा
सूचना दी जाती है कि डायमन्ड स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है
और उक्त कम्पनी विवरित हो गई है।

डिं के० पाल
कम्पनियों का रजिस्टर, उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 और ज्वानठारस गाईड एन्ड
संलाई कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 23 दिसम्बर 77

सं० १०४६८/५६०(३)---कम्पनी अधिनियम 1956
की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
श्रवसर पर ज्वानठारस गाईड एन्ड संलाई कं० प्राइवेट
लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल दर्शित न किया गया तो
रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित
कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मास्ति एजेंसीज प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 23 दिसम्बर 77

सं० २५६९९/५६० (३) कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
श्रवसर पर मास्ति एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से
काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जली केमी० पलास्टिक्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं० २८७७/५६०(३)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
श्रवसर पर जली केमी० पलास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड
का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर
से काट दिया जायगा और उस नामकी विवरित कर दी
जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईस्टमैन प्रिटरस प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में
कलकत्ता, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं० २८९६५/५६०(३)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर ईस्टमैन प्रिटरस
प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया
तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित
कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और चन्द्रनगर टी कं० लिमिटेड के
विषय में

कलकत्ता, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० ५३३९/५६० (५)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि चन्द्रनगर टी कं० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर
में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवरित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और विचोद्धुरी
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० ११३५०/५६०(५)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि विचोद्धुरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर
में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवरित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सुर्यकुमार सिंह एन्ड सन्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० १९८४६/५६०(५)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि सुर्यकुमार सी० एन्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड
का नाम आज रजिस्टर के काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विवरित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रामधनु पिक्चर्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० २४१०२/५६०(५)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि रामधनु पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज
रजिस्टर से काट दिया गया हो गया और उस नामकी विवरित हो
गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इंडिया केरो मेंगानीज

मैन्यूफैक्चरिंग कं० लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० 25557/560(5) — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इंडिया केरो मेंगानीज मैन्यूफैक्चरिंग कं० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और निस्टोन इंजीनिय-

रिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० 29292/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि निस्टोन इंजीनियरिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर के काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

एस० सि० नाथ,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल।

कम्पनी अधिनियम 1956 और युनिमार्सल
कमर्शियल एजेन्सी प्रा० लि० के विषय में

यह युनिमार्सल कमर्शियल एजेन्सी प्रा० लि० जिसका रजिस्ट्री-
कृत कार्यालय 11/सि० गोपाल क्रास लेन कलकत्ता-8 में है, का
समापन किया जा रहा है।

और यह: अधोहस्ताक्षिरत यह विश्वास करने का युक्तियुक्त है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है।*

कम्पनी के कामकाज का पूरी तौर से समापन कर दिया गया है, और यह कि स्टेटमेंट आफ एकायन्ट्स (विवरणियों)** जो समापक द्वारा किये जाने के लिए अपेक्षित है, छह अमर्त्य मास के लिये नहीं की गई है।

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर युनिमार्सल कमर्शियल एजेन्सी प्रा० लि० का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्पण नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाजागा और कम्पनी विधित कर दी जायेगी।

*जो दाग आवश्यक न हो उसे काट दीजिए।

**विवरणी (विवरणियों) की प्रकृति विनिर्दिष्ट की जानी चाहिए।

तारीख

19

एन० एन० मैलिक

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार।

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-4

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

फ० सं० : जुरि-दिल्ली/4/77-78/32363—इस कार्यालय के दिनांक 30-8-77 को अधिसूचना एफ० सं० जुरि-दिल्ली 4/77-78/23051 में अधिक संशोधन करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों तथा 3 (1) संश्लेषण में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दो गई अनुसूची के कालम (1) में निर्दिष्ट निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त, उसी अनुसूची के कालम (2) में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/संकालों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों में बारे में उक्त अधिनियम के अंतर्गत निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे:—

अनुसूची

रेज	आयकर डिस्ट्रिक्स/संकिल
रेज-3-डी, नई दिल्ली,	1. डिं०-३ (3), 3, (14), 3 (15), 3 (28), 3 (29) तथा 3 (35) नई दिल्ली।
	2. तीसरा अतिरिक्त सर्वे संकिल-3, नई दिल्ली।
	3. चौथा अतिरिक्त सर्वे संकिल-3, नई दिल्ली।

प्र० प्रोट्र० त्रा 19-12-77 से लागू होगी।

मं० जुरि-दिल्ली/4/77-78/32261—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिल्ली-4 प्रभार नई दिल्ली में 19-12-77 से निम्नित डिस्ट्रिक्ट/संकिल बनाए जायें।

1. चौथा अतिरिक्त सर्वे संकिल-3, नई दिल्ली।

फ० सं० जुरि-दिल्ली/4/77-78/32566—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उपधारा 1 तथा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस क्षेत्र पर पहने जारी की गई अधिसूचनाओं में अधिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त-4, नटू दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, चौथा सत्रिक्षण सर्वे संकिल-3, नई दिल्ली का आयकर अधिकारी सर्वे संकिल-3, पहला अतिरिक्त सर्वे संकिल-3 द्वारा तीसरा अतिरिक्त सर्वे संकिल-3 के साथ उसके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के बारे में अनवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा। किन्तु इनमें वे मामले शामिल

नहीं होंगे जो धारा 127 के अंतर्गत सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

कार्यों के निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त दिल्ली-4 निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेज-3-ए 3-बी उसी तथा 3-डी को यह प्राधिकार भी देते हैं कि वे जैसा कि आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा 2 में अपेक्षित है आदेशों के भी पास करें।

यह अधिसूचना 19-12-1977 से लागू होगी।

ह०/
ए० ज० राणा
आयकर आयुक्त दिल्ली-4 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

क० सं० जुरि-दिल्ली/5/77-78/31946—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-5, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि दिनांक 19-12-77 से निम्नलिखित आयकर संकिल बनाया जायेगा।

डिस्ट्रिक्ट-7, नई दिल्ली।

क० सं० जुरि-दिल्ली/5/77-78/12067—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा 1 तथा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आणिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त-5 नई दिल्ली निवेश देते हैं कि आयकर अधिकारी डिं०-7 (7) का आयकर अधिकारी 7(3) 7(4) तथा 7(5) के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों के बारे में समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा। किन्तु इनमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो धारा 127 के अंतर्गत सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

कार्यों के निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त दिल्ली-5 निरीक्षीय को सहायक आयकर आयुक्त रेज-5-बी/यह प्राधिकार भी देते हैं कि वे जैसाकि आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा में अपेक्षित है, आदेशों को भी पास करें।

यह अधिसूचना 19-12-77 से लागू होगी।

ह०/
क० आर० राधवन
आयकर आयुक्त दिल्ली-5
नई दिल्ली

प्रृष्ठ प्राइंटी० टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 16 दिसंबर 1977

निवेदन सं० एल० सी० 159/77-78—अतः मुझे,
सी० पी० ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है, जो छेपुकाव
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिच्चूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 25-4-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती सारा जोसफ

(अन्तरक)

(2) श्री आरुपाड पोती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयित करता हूँ।

वह उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि
माद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

20½ Cents of land with buildings in sy. No. 205/3 in Chem-
pukavu in Trichur.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

प्रतः धब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित वाचितयों, पर्याप्त:—

तारीख : 16-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास
मद्रास, दिनांक 24 दिसम्बर 1977

निदेश सं० 4273/अप्रैल/77--यतः मुझे के० पोषन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कोयम्बतूर तालुका, वेल्लूर गांव एस० एफ० सं० 819/1, 820/1, 820/2, 823/1, 824/1 और 28 4/2 में है (प्रौर इससे उपाहार अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिगनल्लूर ('डाकुमेण्ट 134/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुनिश्चि के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्यात्:—
3-416G177

(1) श्रीमती हविर्लक्ष्मिसा

(अन्तरक)

(2) श्री वी० मुतुसार्मि

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालुका, वेल्लूर गांव में 3.87½ एकड़ जिसका एस० एफ० सं० 819/1, 820/1, 820/2, 823/1, 824/1, और 824/2।

के० पोषन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 24-12-77

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती हरिहरनिसा

(अन्तरक)

(2) श्री कमलपप्पन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 दिसम्बर 1977

निदेश सं० 4273/अप्रैल/77—यतः मुझे, के० पौष्ट्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब्ब के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोयम्बतूर तालुका, वेल्लूर, एस० एफ० 820/2, 823/1, 824/1, 819/1, 820/1, 824/2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिगनलूर (डाकुमेंट 135/77) म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1977 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दून या अन्य धास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या दूनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालुका, वेल्लूर गांव में 3.87½ एकड़ जिसका एस० एफ० सं० 819/1, 820/1, 820/2, 823/1; 824/1 और 824/2।

के० पौष्ट्रन
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 24-12-1977

मोहर :

प्रलुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड-4, दिनांक 24 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 200/77-78/अर्जन—यतः मुझे, डी० सी० राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 673 है, जो एस० जोस डियारेल सालकेट (गोवा) गांव का पंचायत का हाथ में है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारगाव अंडर डॉकूमेंट नं० 538 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) 1. श्रीमती ओलिण्डा क्यूटेडिया डो कोसारियो डाकोस्टा, पुद्रीलेट अन्टोनियो पेड्रो कोस्टा करटोरियम 2. फादर जोस फांसिस्को लिनार्डो डो रोसारियो कोस्टा आलियास जोसिको डा कोस्टा कैथोलिक प्रिस्ट, सिलोन का वासि, पावर आफ अटार्नी होल्डर आफ सिरियल नं० 1 3. श्रीमती मारिया फोस्टा डा पियाडाडे रोड्रिग्स नोरोनहा ईकोस्टा पावर आफ अटार्नी होल्डर सिं० नं० 1, 4. मिस अस्ता मारिया डा कोस्टा, क्यूपेहम का वासि (गोवा)

(अन्तरक)

- (2) मसर्स टिम्बलो इंजीनियरिंग रिप्रेसेंटेड प्रा० लि० वाई डायरेक्टर श्री पंडुरंगा टिम्बलो मारगाव (गोवा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनडिवायड़ एक तिहाई या अनडिवायड़ एक तिहाई भाग दक्षिण दिशा जमीन सारा नाम से "पोडेराचम मौल्ला" जानता है। एस० जोस डिएरला सब-डिस्ट्रिक्ट का सालकेट गांव यहाँ है। जमीन रजिस्ट्रेशन संख्या 673।

पूर्व:—प्राप्रेटी कुएक्वो का अस्ति है।

पश्चिम: बाकी बचा अस्ति "पोडेराचम मौल्ला" का है।

उत्तर: पविलक रोड़

दक्षिण: एनियो पिमटा का जमीन है।

डी० सी० राजगोपालन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक: 24 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 24 दिसम्बर 1977

निदेश सं० 198/77-78/अर्जन—यतः, मुझे, डी० सी०
राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एल० आर० नं० 673, है, जो एस०
जोस डी-अरेल, विदिन गांव पंचायत सब डिस्ट्रिक्ट आफ
सालकेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मारगाव अंडर डाकुमेंट नं० 536 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 21-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
गा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्रीमती ओलिङा क्याटेरिया डो रोसारिओ डा
कोस्टा लेट अंटोनियो पेड्रो डा कोस्टा कुर्टोरिम
की पुत्री ।

2. फादर जोस फान्सस्को लिनार्डो डो, रोसारियो
कोस्टा अलियास जोसीकों डा कोस्टा कैथोलिक
प्रिस्ट सिलोन का वासी है। पावर आफ श्रार्टार्नी
होल्डर आफ सिरियल नं० 11

3. श्रीमती मारिया फोस्टा डा पियाडाडे
रोड्रिग्स नोरान्हा इ कोस्टा, पावर आफ श्रार्टार्नी
होल्डर आफ सिं० नं० 11

4. मिस० अशा मारिया डा कोस्टा क्यूपैहम
(गोवा) का वासी । (अन्तरक)

(2) मेरसं टिम्बलो हंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
रिप्रेसेंटेड बाय डायरेक्टर श्री पांडुरंगा टिम्बलो
मारगाव (गोवा) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनडिवायड़ एक तिहाई भाग या एक तिहाई भाग दक्षिण
का हिस्सा का जमीन नोन ऐस “पोडेराचेम मौल्ला” ऐस०
जोस डिअरेल सब-डिस्ट्रिक्ट आफ सालकेट के यहां है । जमीन
रजिस्ट्रेशन संख्या 673 ।

पूर्व : बाइ प्रोपर्टी आफ क्यूकसो सिनाडी कुंडे,
पश्चिम : बाकि का जमीन “पोडेराचेम मौल्ला”

उत्तर : पब्लिक रोड

दक्षिण : आस्ति एनियो पिमेंटा का है ।

डी० सी० राजागोपालन,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, धारवाड़ ।

दिनांक : 24 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 अ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड 580004, दिनांक 24 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 199/77-78/अर्जन— यतः, मुझे डी० सी० राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० एल० आर० न० 673 एस० जोसे डिरेला, गांव के पंचायत की हड में है, जो गांव सालकेद में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारगाव अंडर डाकुमेंट न० 537 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती ओलिडा क्यूटेरिया डो रोसटियो डा कोस्टा, लेट अनन्तियो पेर्डो कोस्टा क्यूटोरियम की पुत्री,

(2) फादर जोस फास्नस्को लिनार्ड डो रोसारियो कोस्टा अलियास जोसिको डा कोस्टा, व्यातालेक प्रेस्ट, सिलोन का वासि, पावर आफ अटार्नी होल्डर आफीस न० 1,

(3) श्रीमती मारिया फोस्टा डा पियाडेड रोडिगोस नोरोन्हा ई० कोस्टा, पावर आफ अटार्नी होल्डर सि० न० 1,

(4) मिस अना भारीया डा कोस्टा, क्यूपेम का वासि (गोवा)। (अन्तरक)

(2) मैसर्स टिम्बलो इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, रिप्रेसेटेड ब्रांच, डायरेक्टर, श्री पंडुरंगा टिम्बले, मारगाव (गोवा)। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरंगी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

द्यस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के प्रधायाय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

अनडिवाइंडेड एक तीहाई या अनडिवाइंडेड एक तीहाई भाग दक्षिण दिसां जमीन नाम से "पोडेराचम मौल्ला" जाना जाता है। एस० जोस डिएरला, सब डिस्ट्रिक्ट का सालसेद गांव यहाँ है। जमीन रजिस्ट्रेशन संख्या 673।

पूर्व: प्राप्टी कुएवो का स्थित है।

परिवार: बाकि बचा अस्ति "पोडेराचम मौल्ला" का है।

उत्तर: पब्लिक रोड।

दक्षिण: एनियो पिमेंटा का जमीन है।

डी० सी० राजगोपालन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

दिनांक 24 दिसम्बर 1977

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

निवेश नं० ए० पी० 65/भट्टिंडा/77-78—यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में भी और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को जिस्ते भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री निरंजन सिंह पुत्र कर्म सिंह बी-57 मान गली सतनामपुरा, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री देव राज पुत्र श्री मोहबत राय

2. श्रीमती लीलावती पत्नी देल राज, बी-36 सतनामपुरा, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसाकि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५र सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सतनामपुरा फगवाड़ा में सम्पत्ति नं० बी-46 जैसा कि रजिस्ट्री नं० 5 तारीख 1-4-77 उप-रजिस्ट्रार फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिंडा

दिनांक : 23-12-1977

मोहर :

प्रॅलप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

निदेश नं० ए० पी० 66/भटिंडा/77-78 यतः मुझे पी०
एस० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा
में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में श्रौतपूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपयाया (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सीता देवी विधवा जसवंत राय पुत्र
रामदास, कृष्ण गली मुख्य बाजार, मोगा।

(अन्तरक)

(2) विद्या वती पत्नी रूपलाल पुत्र भगत राम 48-
सरदार नगर, मोगा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी
जातना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जो कि पुरानी अनाज मंडी मोगा में है और
नं० 25 है जैसा कि रजिस्ट्री नं० 271 तारीख 20-4-77
उप रजिस्ट्रार मोगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 23-12-1977

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिंडा

दिनांक 27 दिसंबर 1977

निदेश नं० ए० पी० नं० 67/भट्टिंडा/ 77-78—यतः मुझे
पी० एन० मलिकआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा
जो हरीपुरा में स्थित है। (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908
16 के अधीन दिनांक जुलाई 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
मा अनुसरण कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्री कृष्ण पुत्र श्री खरां पुत्र हरदास वासी हरी-
पुरा तहसील फजिलका। (अन्तरक)2. श्री राजिन्द्र सिंह, नरिन्द्र सिंह, पुत्रान बलदेव सिंह पुत्र
हाकम सिंह, (ii) गुरमीत मिह अमरदीप सिंह पुत्रान गुर-
प्रीत सिंह, (iii) गुरदीप मिह पुत्र हाकम सिंह पुत्र भोला
सिंह वासी दानेवाला, सतकोसी तहसील फजिलका।
(अन्तरिती)3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यवितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

39 कनाल, 19 मरले जमीन गांव हरीपुरा तहसील
फजिलका में है जैसा कि रजिस्ट्री नं० 766 जून 1977
सब रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भट्टिंडा

तारीख : 27-12-1977

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टा

दिनांक 27 दिसम्बर 1977

निवेदन नं० ए० पी० नं० 68/भट्टा/77-78 —यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हरीपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-416GI/77

(1) श्री सिरिकृष्ण कृष्ण पुत्र खराज पुत्र हरदाम वासी हरीपुरा तहसील फाजिल्का।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती जंगीर कौर पुत्री हाकिम सिंह पुत्र श्री भोला सिंह वासी दानेवाला सतकीसी तहसील फाजिल्का।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रधाराय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथे होंगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची
41 कनाल 19 मरले जमीन गांव हरीपुरा तहसील फाजिल्का
जैसा कि रजिस्ट्री नं० 602 जून 1977 सब रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टा

तारीख : 27-12-1977

मोहर :

प्रह्लप आई०टी०एम एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. भट्टिंग

दिनांक 27 दिसम्बर 1977

निदेश सं० ए पी नं० 69/भट्टिंग/77-78—यह मुझे, पी०

एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हरीपुरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रति उक्त अधिनियम की ओरा 269 अ के अनुसूचना में, उक्त अधिनियम की ओरा 269 अ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्री सिरी कृष्ण पुत्र श्री खंगराज पुत्र हरदास वासी
हरीपुरा तहसील फाजिल्का।

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्द्र सिंह नरिन्द्र सिंह पुत्रान बलदेव सिंह
(ii) गुरमीत सिंह, अमरदीप सिंह पुत्र गुरप्रीत
सिंह

(iii) गुरदीप पुत्र हाकम सिंह वासी हरीपुरा तहसील
फाजिल्का।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के सिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्थना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

38 कनाल 5 मरले जमीन गांव हरीपुरा तहसील फाजिल्का
में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 540 जून 1977 उप रजिस्ट्रार
अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिंग

तारीख: 27-12-77

मोहर :

प्रूप प्राइंट ई. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 27 दिसम्बर 1977

निदेश नं. ए० पी० नं० 70/भट्टिडा/77-78—यतः मुझे
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हरीपुरा
में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्भह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आकर उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री सिरीहुण पुल खराज पुल हरवास बासी गांव
हरीपुरा, तहसील फाजिल्का।

(अन्तरक)

2. (i) श्री राजिन्द्र सिंह, नरिन्द्र सिंह पुनान बलदेव सिंह
(ii) अमरदीप सिंह, गुरमीत सिंह पुनान गुरप्रीत सिंह
(iii) गुरदीप सिंह पुल हाकिम सिंह बासी गांव
दानेवाला सतकौसी, तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृति रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हृतबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
शाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हृतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ल्याक्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, बहुत पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

गांव हरीपुरा तहसील फाजिल्का में 48 कनाल जमीन जैसा
कि रजिस्ट्री नं० 481, जून 1977 उप रजिस्ट्रार अबोहर में
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिडा

दिनांक : 27-12-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 27 दिसम्बर 1977

निवेश सं० ए०पी० नं० 71/वी०पी०/77-78—यतः मुझे पी० एन० मसिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हरीपुरा में स्थित है (और इससे उपाबूझ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय पर किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रमाणित:—

(1) श्री सिरी कृष्ण पुत्र खराज पुत्र हरदानवासी गांव हरीपुरा तहसील फाजिल्का

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्द्र सिंह, नरिन्द्र सिंह, पुत्रान बलदेव सिंह (ii) गुरमीत सिंह, अमर दीप सिंह पुत्रान गुर-प्रीत सिंह पुत्र हाकम सिंह (iii) गुरदीप सिंह पुत्र हाकम सिंह पुत्र भोला सिंह वासी दानेवाला सतकौसी तहसील फाजिल्का

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (अन्तरिती) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भाय व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राप्ताय 20-क में पर्याप्त व्याख्या दी गयी है वही अर्थ होगा, जो उस प्रथाय में दिया गया है।

अनुसूची

हरीपुरा गांव में 48 कनाल जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 428 तारीख 26/5/77 उप रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मसिक

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 27 दिसम्बर, 1977

मोहर :

प्रख्यात शार्दूल टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

निवेश सं० आई० ए० सी० एसवी/भोपाल-77-78/908 —
अतः मुझे रा० क० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीक्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 मई 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

(1) श्री हारून पुल हाजी अब्दुल सत्तार द्वारा हारून टायर रिडिंग कं०, स्टेशन रोड, छोटी खाल टोली, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती द्वारका बाई पत्नि श्री चतुर्भुज सराफ, गांधी चौक, हरदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवाल किसी भी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 30, स्थित जावरा कम्पाउन्ड, मेन रोड, इन्दौर

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, भोपालतारीख : 26-12-77
मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 77-78/909—
अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इसे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 4 मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित
नहीं किया गया है:—

(क) अनुसरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधृत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तात्:—

(1) श्री धननजय सी० पंड्या निवासी द्वारा मेसर्स चम्बु
लाल पंड्या, रंगबाला, 98, सिमागन्ज, इन्दौर
(अन्तरक)

(2) श्री रिटायर्ड मेंजर श्री धर जी० खोत निवासी 24-
यशवंत कालोनी, यशवंत क्लब के सामने, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रन्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं०, 24, स्थित यशवंत कालोनी, इन्दौर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 26-12-77

मोहर :

प्रत्येक ग्राही ३० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 दिसंबर 1977

निवेश सं० आई० ए० मी० एक्वी/भोपाल 77-78/910--
अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो भुडवाड़ा में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय भुडवाड़ा में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 908 (1908 का 16) के अधीन 9 मई 1977 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वाँ के अनुसूचना में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, प्रथातः:—

(1) 1. श्री मूला सैफदीन पुत्र श्री ताहिर अल
2. श्री फिदा हुसैन 3. श्री फकीरुद्दीन
4. श्री जुबार हुसैन 5. श्री तसदुक हुसैन पुत्र
हाजी युसुफ अली सभी निवासी भीमगंज मंडी, कोटा
(अन्तरक)
(2) 1. जोधामल पुत्र श्री बुधर मल सिंधी निवासी
रावर्ट लाइन, कटनी कैम्प, कतनी ।
2. श्री प्रसाद पुत्र श्री ज्वाला प्रसाद जयसवाल
निवासी गुरुनानक थार्ड, कटनी, तह मुडवाड़ा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

ल्पव्याप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्थितिस्थित नम्बर 159/4, 159/3, 159/5, 159/6, 159/1 व 159/10 व अन्य सभी स्थित सुभाष मार्ग, मुडवाड़ा, जबलपुर ।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 26-12-77

मोहर :

प्रकृपा प्राइंटी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 23 दिसंबर 1977

निर्देश सं० सीआर 62/9766/77-78/एस्यू(बी)--- यतः
मुझे जे० एस० रावआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 2338ए, II मेन रोड, है, तथा जो नया मंडिपेट
टुमकुर टाउन टुमकुर में स्थित है (और इससे उपावश्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
टुमकुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 23 अप्रैल 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उपधारा (1) के
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—(1) श्री टिं बिं सिद्धालिङ्गपा
2. टिं बी० कुमारस्वामि
3. टिं बिं महालिंगमा, }
विनायका नगर टुमकुर टाउन, टुमकुर
(अन्तरक)(2) श्री चिक्कगोडण्णा पुत्र बोमयेगोडा, गंजालगंटे,
कलंमहाबलिल होबलिल, तरुर जजरे, शिरा तालुक
टुमकुर जिला ।(3) मैसर्स संगमशब्दरा ट्रेडर्स
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 425/77-78 ता० 23 अप्रैल 1977)
न० 2338 ए, II मेन रोड, नया मंडिपेट, टुमकुर टाउन, टुमकुर
बाध :पू० : श्री टि शिवशा का जगह या अस्ति
प० : श्रीमती वनिजाम्मा का जगह या अस्ति
उ० : रोड
द० : रोडजे० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूरु ।

दिनांक : 23 दिसंबर 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु दिनांक 24 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० सि० आर० 62/9548/77-78 ग्रन्जन (बि)।—
यतः मुझे जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 17, (पुराना 88) है, तथा जो 4 क्रास, न्यू कलासिपालयम् ले आउट, बंगलूरु में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वसवन गुडि/ द० वा० न० 74/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रनारण विविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती तारा प्रकट नहीं हिया गया था या किसां जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तातः :—

5—416 GI/77

(1) श्री सी० एम० खलीमुल्ला खान उर्फ अफताब अहमद सि० एम० हविबुल्ला खान के पुत्र/ प्रोप्राइटर : के० के० एन० सी० सी न० 79/1, न्यू बैंबू बजार बैंगलोर (अन्तरक)

(2) श्रीमती फोदेवी केवलचंद केवलचंद की पत्नी के अप्राप्त श्री शहा लाल औ दद मदन राज ए४४ कम्पनी 7/28 ए० पी० लैन। चिक्कपेट क्रास बैंगलोर-53 (अन्तरिती)

(3) मै० पाटिल रोड बैंज प्राइवेट लिमिटेड (वह अवित्त, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए कार्यवानियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वप्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[बस्तावेज सं० 74/77-78 दिनांक 11 अप्रैल 77]

स्वप्रीकरण, सीमाएं और स्थिति : जैसे द० वा० न० 74/77-78 में दिखाया गया है, और जो वसवन गुडि रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री हो गया है।

जे० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेंज, बंगलूरु

दिनांक : 24 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 24 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० सि० आर० 9527/77-78 अर्जन (बी)---
यतः मुझे जे० एस० रावग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में प्रधिक हैऔर जिसकी सं० नं० खाली जमीन नं० 45/4, है, तथा जो
रेस कोर्स रास्ता, बैंगलोर-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय, गांधीनगर /बैंगलोर व० वा० नं० 43/77-78 में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 6 अप्रैल 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वाचत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुविद्या के लिये;
और/या(ख) ऐसी हिसो ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रामिया
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1952
(1922 का 11), या उक्त प्रधिनियम, या घनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिगाने में मुविद्या के लिए ।अत अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुमति
में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणतः—(1) श्री संजय मोर्दि, नं० 44/11, रेस कोर्स रास्ता
बैंगलोर

(अन्तरक)

(2) श्री राम साबू
2. विजय कुमार साबू } रामनिवास साबू के बेटे
नं०० 215, वसवराजा मार्केट बैंगलोर
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।प्रधानकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 43/77-78 दिनांक 6 अप्रैल 77)

खाली जमीन/-रापेरिशन नं० 45/4, रेसकोर्स रास्ता/
बैंगलोर विवरण और सीमाएँ: जैसे दस्तावेज में दिख या गया है।
द० वा० नं० 43/77-78 र० क० गांधीनगर बैंगलोर ।

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्राम्यक, (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 24 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस०

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निदेश सं० घंडीगढ़/42/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसवा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है, और जितकी सं० मकान नं० 185, सैकटर 21-ए है तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में प्रौरु पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीड अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रजिस्ट्रीशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरा से दुई किसी पाय को बाबा उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

(1) श्री संज्ञराम, शब्दनम पुत्र श्री कगा राम 2428, दी माल नाहन (हिं प्र०) (अन्तरक)

(2) श्री लाल मिह पुत्र श्री दया सिंह मकान नं० 185/21-ए चंडीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से फिरी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सके।

सिद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, वे अध्याय 20-क में यथार्थभावपत हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रिहायशी मकान नं० 185, सैकटर 21-ए, घंडीगढ़ और जिसका रज्वा 243-8 वर्ग गज है।
(सम्पत्ति जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय में क्रमांक 465 मास जुलाई, 1977 पर दर्ज है।)

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 20 दिसम्बर, 1977

मोहर :

संघ सेवा आयोग

नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, मई, 1978

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1978

सं० फा० 7/3/77-२० । (ब) — राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौ सेना तथा वायु सेना संबंधों में प्रवेश हेतु जनवरी 1978 ते 1978 तीर्त्ती 1978 ते 61 में तत्र के लिये संघ लोन सेवा आयोग द्वारा 16 मई, 1978 ते 16 दिसंबर प्रायोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर मरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या थल सेना के लिये 212, नौ सेना के लिये 33 और वायु सेना के लिये 55 होंगी।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा वयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आयोजित बौद्धिक और अक्षितत्व परीक्षा के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली, स्तर और पाठ्यक्रमों (ख) अकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेवा अकादमी, नौ सेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के संबंध में अध्ययन: परिषिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट: परीक्षा के सभी विषयों में प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिये कृपया परिषिष्ट V में उम्मीदवारों के लिए सूचना पुस्तिका देखें।

2. परीक्षा के केन्द्र: अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बैंबई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पण्डी (गोवा), पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, दिवन्द्रम और वाराणसी।

3. साक्षाता की शर्तें।

(क) राष्ट्रिकता:

उम्मीदवार या तो

- भारत का नागरिक हो या
- भूटान की प्रजा हो या
- नेपाल की प्रजा हो या
- भारत में स्थायी रूप से रहने के द्वारा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिथ्यती शरणार्थी हो।
- भारतीय मूल का अवित हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कि कीन्या, उगाडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य

या जाम्बिया, मलायी, जेरे तथा इथियोपिया और वियतनाम से प्रवृत्त कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (III), (IV) और (V) के अंतर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता-प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

परन्तु उम्मीदवारों के लिये यह पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक नहीं होता।

जिस उम्मीदवार के लिये यह पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार से वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करे।

(ख) आयु सीमाएं, स्त्री या पुरुष और वैदाहिक स्थिति: केवल वे ही अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1930 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1963 के बाद न हुआ हो।
नोट:—जन्म की तारीख वही मान्य होगी जो मैट्रीकुलेशन हायर सेकेन्डरी या समक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में लिखी गई हो।

(ग) शाश्वत योग्यताएं:—राज्य शिक्षा बोर्ड या मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की हायर सेकेन्डरी परीक्षा या समक्ष का उम्मीदवार भी पात्र हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा का 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार जिन्हें स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत अभी हायर सेकेन्डरी या समक्ष परीक्षा या ग्राहकी कक्षा परीक्षा पास करनी है वे भी आवेदन कर सकते हैं परन्तु उपर्युक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण आयोग के कार्यालय में 26 दिसंबर, 1978 तक भेजना होगा और ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

आपवाद की परिस्थितियों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हो जिनका स्तर, आयोग के विचार से, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

नोट:—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवृत्ति है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश के विषय गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क:—रु 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिये रु 7.00)। जन आवेदन पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भजा जाएगा, उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट:—(1) आयोग, यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस आत का आश्वासन हो कि

आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः स्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच मारा गया व्यक्ति है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्ति कर गया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते से प्रत्यावर्तित 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्ति हो गया है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

यह सेवा के जूनियर कमीशन्ड अफसरों, नान-कमीशन्ड अफसरों तथा अन्य रैकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैकों के बच्चों और अन्य लल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशन्ड अफसरों, भूतपूर्व नान-कमीशन्ड अफसरों तथा भूतपूर्व अन्य रैकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जल्दत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्तें पूरी कर देते हैं, अर्थात्

- (i) विमलिंगरी स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से जाता)/सैनिक स्कूल सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और
- (ii) उनके आवेदन मन्त्रालय स्कूल के प्रिसिपल द्वारा इस अनुशासा के साथ प्रयोगित कर दिए जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्रों में कुल अंकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

6. आवेदन कसे किया जाए : केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा मई, 1978 के लिये निर्धारित प्रपत्र में छोड़े हुए आवेदन पत्र हो, नई जारी जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं :—

- (i) संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को दो रुपए मनीआर्डर या नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहाँ से डाक द्वारा।
- (ii) दो रुपए नहद देनेर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।
- (iii) निहाय मर्टी कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब एरिया मुख्यालय, वायु सत्रिय चयन केन्द्रों, एन० सी० सी० एकक तथा नौ सेना प्रतिष्ठानों के यहाँ से निःशुल्क।

नोट :—आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण डाक द्वारा मांगने के लिये भेजे जाने वाले अनुरोध आयोग के कार्यालय में 20 फरवरी, 1978 के पहले पहुंच जाने चाहिए। परन्तु ये प्रपत्र आयोग के कार्यालय में काउंटर पर स्वयं जाकर मांगने वालों ने 27 फरवरी, 1978 तक मिन सकते हैं।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, जिनमें सशस्त्र सेना में सेवारत कर्मचारी भी शामिल हैं, या सरकारी स्वामित्व वाले आयोगिक उपकरणों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में केवल से पहुंचे तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आधिकारी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, जिसमें सशस्त्र सेना भी शामिल है, स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां निकालकर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र की कार्यालय में निर्विट तारीख से पहले भेज दी जाए।

नोट :—भारतीय नौसेना के नाविक (बाल तथा कारीगर प्रशिक्षु सहित) पहली तरजीह भारतीय नौसेना को दें। उनके आवेदनों पर तभी विचार होगा जब वे कमान अफसर द्वारा विधिवत् अनुशासित कर दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालिज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से जाता), देहरादून के कैडटों, मिलिटरी स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से जाता) तथा सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कालिज/स्कूल के प्रिसिपल के माध्यम से अपने आवेदन-पत्र भेजने चाहिए।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की प्रतिम तारीख :—

- (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 27 फरवरी, 1978।
- (ii) विदेश में या अडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्यद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 13 मार्च, 1978।

8. प्रलेख जो आवेदन के साथ प्रस्तुत हों।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :

(i) रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आईंडर के जरिये या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के जरिये।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें जिससे वह “051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा गूल्क” के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन पत्र के साथ भेज दें।

(ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लंगभग 5 सें० मी०×७ सें० मी०), के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके कारी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा :—

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण पत्र के नीचे उल्लिखित) से परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) गूल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :—

(i) किसी जिवा प्रशिक्षारी या राजवित्रि अधिकारी या संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :—

(i) इंडिकारप्प यांत्रिकीय परियोजना के ट्रान्जिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर कमांडेंट।

अथवा

(ii) उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी बुनवासिन का प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट

अथवा

(iv) सब डिवीजनल अफसर अपने अधीनस्थ सभ-द्वियांशन की सीमा तक।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनवासिन उपायुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनवासि), कलकत्ता।

(ख) श्री लंका से प्रत्यावर्तित :—

श्री लंका में भारत का उच्चायोग।

(ग) वर्मा से प्रत्यावर्तित :—

भारतीय राज दूतावास, रंगून या उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां पर वह रह रहा हो।

9. शुल्क की वापसी : आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता :—

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क के दिया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्थीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

(ii) जो उम्मीदवार दिसम्बर, 1977 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए उसका नाम अनुसंचित हुआ हो तो उनके मामले में रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 4.00) का शुल्क वापस दिया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि मई, 1978 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1978 को या उससे पहले पहुंच जाए।

10. आवेदन प्राप्ति की सूचना : इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिल सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जायेगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की अंतिम तारीख से एक महीने के अंदर न मिले तो उसको प्राप्ति की सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम : अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा गुरु होने की सारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई हो तो उसे परिणाम को जारीकरी के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार नहीं जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश : निसी उम्मीदवार की पालता या अपालता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश-प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के स्वेच्छी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्यवाही : उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा पत्र किसी भी रूप से उत्तराधीन विवरण न दिया जाएगा। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा पत्र किसी भी रूप से उत्तराधीन विवरण न दिया जाएगा। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा पत्र किसी भी रूप से उत्तराधीन विवरण न दिया जाएगा। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा पत्र किसी भी रूप से उत्तराधीन विवरण न दिया जाएगा।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो सकता है—

- (i) किसी भी विवरण का अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत कराना, या
- (iv) जालों प्रलेख या फेर बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (v) अगुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना, या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अतियधिक या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना, या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों, या
- (viii) उत्तर-नुस्तिना (ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लोल भाषा या अभद्र आशय को हों, या
- (ix) परीक्षा में और किसी प्रकार का दुर्घटनाक होना ; या
- (x) परीक्षा चराने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को उत्तराधीन प्रकार की शारीरिक अति वर्द्धित होना ; या

वह अपने दंड—अमियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त (ii) वह जिपरीक्षा हो उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा अवैध घृणा जा सकता है।

अथवा

(ब) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या स्थान के लिए,

(ii) केंद्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है और

(ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक बारंबाई वा पाहा होगा।

14. मूल प्रमाण-पत्र-प्रस्तुतिकरण : जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्ष त्वार के लिए योग्यता प्राप्त करते हैं, उसको, लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता आदि के समर्थन में मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने को कहा जायेगा। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः जुलाई, 1978 में घोषित किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को रोड चयन बोर्ड के साक्षात्कार के समय भी इन मूल प्रमाण पत्रों को प्रस्तुत करना पड़ सकता है।

15. आवेदन के संबंध में पत्र व्यवहार : आवेदन पत्र के संबंध में रामी पत्र व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण अवश्य होना चाहिए।

- (1) परीक्षा का नाम ।
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना ।
- (3) रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर रोल नम्बर नहीं मिला हो) ।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पुरा और साफ लिखा हुआ) ।
- (5) पत्र व्यवहार का पता, जैसा आवेदन पत्र में दिया है ।

ध्यान दें—जिन पत्रों में ऊपर का व्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कारंबाई नहीं।

16. पते में परिवर्तन : उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में दिए गए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उसके नए पते पर भिजाया दिए जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के सिये आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिये आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तस्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० आंतरिक्टिक्टिंग 6 (एस० पी०) (ए) वैसट ब्लाक 3 विंग 1 रामकृष्णपुरम् नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मत पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के बावें से अंचित हो जायेगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस संबंध में वे अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में ग्रीष्म उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में पूछाग़ाः—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये अनुशंसित हैं उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछाग़ा और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय ए० जी० आच रिकूटिंग 6 (एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लाक 3 विंग 1 राम-कृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए ।

जिन उम्मीदवारों को किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठना हो, उनको चाहिए कि वे लिखित परीक्षा के परिणाम निरूपित ही अपनी उस परीक्षा की तारीखें सूचित करते हुए मेना मुख्यालय को लिखें ताकि श्रगर संबंध हो तो साक्षात्कार को तारीखें तथ करते समय वे इस बात को ध्यान में रख सकें ।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई प्रतिम योग्यता—सूची में है यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचना सेना मुख्यालय, ए० जी० आंच रिकूटिंग 6 (एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम् नई दिल्ली-110022 को दे देनी चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्य भार संभालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सकें । यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्य-भार संभालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी ।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश संबंध लोक सेवा आयोग लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा । ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहाँ थल सेना/नौसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायुसेना के उम्मीदवारों का पाइलट इंस्ट्रीकूट परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा । इस परीक्षण में अधिक से-अधिक 900 अंक प्राप्त किये जा सकते हैं ।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ के परीक्षकों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप आपर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिये सरकार की ओर से कोई अतिरूपित या सहायता पाने के बे हक्कवार नहीं होंगे, जाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या कुसरे किसी कारण से हो, उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इस आशय के एक प्रभाणन्त्र पर हस्ताक्षर करने होंगे ।

स्वीकृति हेतु, थल सेना/नौसेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) अधिकारी-क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किए जायेंगे और वायु सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा, (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षण तथा (iii) पाइलट इंस्ट्रीकूट परीक्षण में अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किए जायेंगे । इन शर्तों पर अर्हता प्राप्त उम्मीद-

वारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अंतिम रूप में दो अलग-अलग सूचियों में—एक थल सेना तथा नौसेना के लिये और दूसरी वायु-सेना के लिए—रखा जायेगा । जो उम्मीदवार सेना के सभी अंकों के लिये अर्हता प्राप्त कर सकते हैं उनका नाम दोनों योग्यता-सूचियों में होगा । राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना तथा नौसेना के विंगों में प्रवेश के लिये अंतिम चयन थल सेना तथा नौसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के रूप से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा । जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके वरीयता अंक को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अंतिम रूप से चुन लिए जाने पर दूसरी सूची से उनका नाम रद्द किया जाएगा ।

ध्यानदें—वायुसेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पाइलट एंटीचूड परीक्षण केवल एक बार किया जाता है । असः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायुसेना चयन बोर्ड के सामने बाद में होने वाले प्रत्यक्ष साक्षात्कार में स्वीकार किया जायेगा । जो उम्मीदवार पाइलट एंटीचूड के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वायुसेना विंग या जनरल ड्यूटीज (पाइलट) बांध या नेवल एग्रर ए० शार० एम० में प्रवेश के लिये आवेदन नहीं कर सकता ।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा० रा० अकादमी कोर्स में पाइलट एंटीचूड परीक्षण हो गया हो और उन्हें उसमें अर्हता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायुसेना विंग के लिये ही अपना आवेदन करना चाहिए ।

अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किए जाए, इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई प्रदान-व्यवहार नहीं करेगा ।

परीक्षा में सफल होने मात्र से अकादमी/में प्रवेश का कोई अधिकारी नहीं मिलेगा । उम्मीदवार को नियुक्ति प्राप्तिकारी को संतुष्ट करना होगा कि वह अकादमी/में प्रवेश के लिये सभी तरह से उपयुक्त है ।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अर्हता एः—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा कादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा क्यों थे पर अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण या अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिए गए थे उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने अपनी हच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सकता है वशर्ते कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्तें पूरी करते हों ।

20 राष्ट्रीय रक्षा श्राद्धमी मे प्रशिक्षण के दौरान शिवाह पर प्रतिवन्ध उम्मीदवारों का इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं तरेंगे। जो उम्मीदवार ग्रन्ते श्रावेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा, चाहे वह इन परीक्षा मे या अगली फिसी तारीख मे भने दो भक्त हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण-काल मे शादी कर लेगा, उसे बाप्त भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे बसूल किया जाएगा।

21 नियमावली तथा प्रश्न-पत्रों से सम्बद्ध पैम्फलेट पिछले पांच परीक्षाओं के नियम तथा प्रश्न पत्रों से सम्बद्ध पैम्फलेट को प्रतिनिधि प्रशासन नियति, मिशन लाइन्स, दिल्ली-110054 के पास विशी पर मिलती है जो उसमे सीधे मेल प्राईर ड्राग या नक्द भुगतान पर प्राप्त की जा सकती है। नक्द पैगा देहर इन्हे (1) किताब महल, रिक्वोली मिनेमा के सम्मुख, एम्पारिया बिल्डिंग 'सी' ब्लाक, बाबा खड्ग मिह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का विशी काउटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा मध्य लोक मेवा आयोग, नई दिल्ली-110011 के कार्यालय के विशी काउटर, और (iii) गवर्नरमेन्ट आफ इंडिया बुक डिपो, केंद्र प्राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी प्राप्त किया जा सकता है। विभिन्न मुर्फस्मिल नगरों मे मार्ग सरकार के प्रशासन प्राजेटों से भी पैम्फलेट प्राप्त है।

22 बौद्धिक परीक्षण सबधी सूचना रक्षा मदालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने 'सेवा चयन बोर्डों मे उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन' (एस्ट्री आफ इंटेलिजेन्स ट्रेट स्कार्स आफ कैटिडेटर प्रॅट सर्विसेज सेलेक्शन बोर्ड्स) शीर्षक वाली पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार मेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के रवरूप और स्वभाव से परिचित हो जाए।

यह पुस्तक समूल्य प्रकाशन है और उपर्युक्त पैरा 21 मे बनाए गए स्थानों से मिल सकती है।

आर० प्र० गोप्यल
उप-सचिव

परिशिष्ट 1

(परीक्षा की योजना और पाठ्य-विवरण)

क परीक्षा की योजना

1 निखित परीक्षा के विषय, नियत ममय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अक्ष निम्नलिखित होंगे —

विषय	रामग	अधिकतम
	अक्ष	
1 अग्रेजी	2 घटे	250
2 गणित प्रश्नपत्र I	2 घटे	125
प्रश्न-पत्र II	2 घटे	125
3. सामान्य ज्ञान—प्रश्न-पत्र I (विज्ञान)	2 घटे	200
प्रश्न-पत्र 2 (सामार्जिक अध्ययन, भूमोल तथा सामायिक मामले)	2 घटे	200
		900

2 रामी विषयों के प्रश्न-पत्रों मे बैंगल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों महिल अन्य विवरण के लिए छठपत्र परिशिष्ट V मे उम्मीदवारों के लिए सूचना मुस्तिका देखें।

2 प्रश्न-पत्रों मे जहा भी ग्रावर्षक होगा, बैंगल तौल और माप की भौटिकी पड़ति म सबधित प्रश्नों ता ही पूछा जाएगा।

4 राम प्रश्नों के उत्तर अग्रेजी मे दिए जाए जब तक कि प्रश्न-पत्र मे विशेष रूप मे अन्यथा न बहा जाए।

5 उम्मीदवारों का प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ स लिखने चाहिए। फिसी भी दणा मे उन्हे प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने के लिए वाले की स्हायता मुलभ नहीं की जाएगी।

6 परीक्षा के एफ या सभी विषयों के ग्रहक अको वा निर्वारण आयोग की विवक्षा पर है।

7 केवल उपरी ज्ञान दे लिए अन नहीं दिए जाएंगे।

8 निखित विषयों मे अपार्ट्य हरतलेल होने पर अधिकतम 5 प्रतिशत नक्द अक काट दिए जाएंगे।

ख परीक्षा का पाठ्य-विवरण

अग्रेजी

प्रश्न-पत्र इस प्रकार से बनाया जाएगा कि जिससे उम्मीदवार की अग्रेजी भाषा को समझने तथा उसे सही और मुहावरेदार ब्रूग से लिखने की योग्यता की जाच की जा सके। इसमे उम्मीदवार के व्याकरण, मुहावरों तथा प्रयोगों सबधी ज्ञान की जाच के लिए भी प्रश्न शामिल किए जाएंगे। प्रश्न-पत्र मे सारांश या सार लेखन के लिए भी गद्याश सामान्यत रखा जाएगा।

गणित

प्रश्न-पत्र 1

अक्षगणित

सख्त्य पड़तियो—घन पूर्ण सख्त्याए, परिमेय और वास्तविक सख्त्याए, कम विनिमय सहचारी और वितरण नियम।

मूल संक्रियाएं, जोड़, घटाना, गुणन और विभाजन। वर्ग और घन मूल, दण्डमलव भिन्न।

ऐक्रिक विधि—साधारण तथा मिश्र व्याज, समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात, दौड़ से संबंधित प्रश्नों का अनुप्रयोग।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त—विभाजन कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्याएं। गुणन और गुणन खण्ड। गुणन खण्डन प्रमेय। महतम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य यूक्लिड कलन विधि।

लघुगणक और उनके प्रयोग।

बीज गणित

आधारभूत संक्रियाएं: साधारण गुणन खण्ड। शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महतम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। द्विघात समीकरणों का हल, उनके मूलों और गुणांकों के बीच संबंध।

दो अंगात राशियों में युगपत् समीकरण, तीन अंगात राशियों में रैखिक युगपत् समीकरण, समीकरणों का अनुप्रयोग। असमताएं, ग्राफ।

समुच्चय भाषा, अंकन पद्धति, वैन आरेख, समुच्चय संक्रियाएं, तीन अंगात राशियों के रैखिक समीकरणों के हल समुच्चय अनुप्रयोग परिमेय गुणांकों वाले बहुपद। विभाजन कलन विधि घाताक विधि। १०-पी० तथा जी० पी०, गुणोत्तर श्रेणी। आवर्त दण्डमलव भिन्न। क्रम चय और संचय। घनात्मक समाकल घाताक हेतु द्विपद प्रमेय। द्विपद प्रमेय का अनुप्रयोग।

त्रिकोणमिति

त्रिकोण मित्रीय तथा तत्समक। 30°, 45° और 60° के त्रिकोण मित्रीय अनुपात तथा कंचाई और दूरी के प्रारंभिक प्रश्नों में उनका प्रयोग।

प्रश्न-पत्र II

ज्यामिति

आपतन संबंध। एक रेखा में अम संबंध। क्षेत्र एक समतल में दिखलन। रेखा और बिन्दु में पाश का अभिगृहीत परावर्तन। स्थानान्तरण। घूर्णन। परावर्तन, स्थानान्तरण और घूर्णन का संयोजन। सर्पि परावर्तन। रेखा के प्रति सममिति। सममित आकृतियां। समद्वारिकी। निश्चर। सर्वांग-समता-प्रत्यक्ष और विषम।

निम्नलिखित पर प्रमेय:—

- (i) किसी बिन्दु पर कोण के गुण धर्म।
- (ii) समांतर रेखाएं।
- (iii) विभुज की भूजाएं और कोण।

(iv) विभुजों की सर्वांगसमता।

(v) समरूप विभुज।

(vi) विभुज की मध्यिकाओं, शीर्षलम्बों, भूजाओं के लम्ब, द्विभाजकों और कोणों के द्विभाजकों का संगमन।

(vii) समांतर चतुर्भुज, समचतुर्भुज, आयत, वर्ग तथा समलम्ब के कोणों, भूजाओं व विकरणों के गुण धर्म।

(viii) वृत्त और उसके गुण धर्म। इनमें स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल है।

(ix) चक्रीय चतुर्भुज।

(x) बिन्दुपथ।

ज्यामिति यत्तों के प्रयोग की आवश्यकता वाले व्यावहारिक प्रश्न तथा रचनाएं जैसे, कोण तथा सीधी रेखा का द्विभाजन, लम्ब, समांतर रेखाएं, विभुज। वृत्तों की स्पर्श रेखाएं। विभुजों के अन्तवृत्तों और परिवृत्तों की रचना।

फलन:—

फलन। ग्राफ। सीमा और सांतत्व। फलनों के अवकल गुणाक। बहुपदी परिमेय। त्रिकोणमितीय—प्रारम्भिक फलनों का अवकलन। कलन के फलन का अवकलन। अवकलन वर, त्रुटियां, द्वितीय कोटि अवकलन।

अवकलन के व्युत्क्रम के रूप में समाकलन। समाकलन। समाकलन के मानक सूत्र। खण्डण: और प्रतिस्थापन द्वारा समाकलन।

विस्तारकलन (मन्सुरेशन)

समतल आकृतियों का क्षेत्रफल। घन पिरेमिड, लम्बवृत्तीय बेलन, शंकु और गोले का आयतन और पृष्ठ। (इनसे संबंधित व्यावहारिक प्रश्न दिए जाएंगे और यदि आवश्यकता होगी तो प्रश्न-पत्र में सूत्र भी दे दिए जाएंगे।)

समतल निर्देशांक ज्यामिति

दूरी सूत्र। खण्ड सूत्र। सीधी रेखा के समीकरण के मानक रूप दो रेखाओं के बीच कोण। समांतरता और लम्बता के प्रतिबंध। किसी बिन्दु से किसी रेखा तक के लम्ब की दूरी। वृत्त का समीकरण।

सामान्य ज्ञान

दो प्रश्न पत्र होंगे।

प्रश्न पत्र (i):—इसमें भौतिकी, रसायन और सामान्य विज्ञान होगा; और

प्रश्न-पत्र (ii):—इसमें सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले होंगे।

इन प्रश्न-पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य-विवरण पर आधारित होगा। उल्लिखित

विषयांगों को सर्वांग नहीं मान लेना नाहिए तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयांगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगम्य ढंग से समझने की मेंदा और ज्ञान का पता चलना चाहिए।

प्रश्न-पत्र I

विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र I में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होगा—(क) द्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियां, संहति, भार, आयतन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण। आर्कमिडीज का नियम, दाव, वायुदाव मापी।

विव की गति। वेग और त्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल और संवेग। बल समान्तरघस्तर्भुज। पिंड का स्थायित्व और संतुलन। गुरुत्वाकर्षण कार्य शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

ऊर्जा का प्रभाव, तापमान का नाप और ऊर्जा। स्थिति परिवर्तन और गुप्त ऊर्जा। ऊर्जा अभिगमन विधियां।

ध्वनि तरंगें और उनके गुणधर्म। सरल वाय यंत्र।

प्रकाश का ऋजुरेखीय संचरण। परावर्तन और अपवर्तन। गोलीय दर्पण और लेन्सेज मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृतिम चुम्बक। चुम्बक के गुणधर्म। पृथ्वी चुम्बक के रूप में।

स्थैतिक तथा धारा विद्युत। चालक तथा अचालक। ओम नियम। साधारण विद्युत परिपथ। धारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव। विद्युत की शक्ति का भाष। प्राथमिक और गौण सेल। एक्स-रे के उपयोग।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धांतः

सरल सॉलक। सरल धिरणी, साहफन, उत्तोलक, गुब्बारा, पम्प। हाइट्रोमीटर, प्रेशर कुकर, थर्मस फ्लास्क, ग्रामोफोन, टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टेलिस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाविक दिक्सूचक, तड़ित चालक, सुरक्षा, फ्यूज़।

(ख) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तनः तत्व। मिश्रण तथा योगिक। प्रतीत सूत्र और सरल रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोड़कर) वायु और जल के रासायनिक गुण-धर्म।

हाइड्रोजन, ग्राक्सीजन नाइट्रोजन कार्बन डाइआक्साइड की रक्कान और गुण धर्म। ग्राक्सीकर और अपचयन।

ग्रम्स, क्षारक और लवण।

कार्बन—भिन्न रूप।

उर्वरक—प्राकृतिक और कृतिम।

साबुन, कांच, स्याही, कागज, सीमेट, पेट, दियासलाई और गन्धाऊडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिए प्रयुक्त सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान और परमाणु अनुभाग, संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

(ग) जड़ और चेतन में अन्तर।

जीव कोशिकाओं, जीव द्रव्य और ऊतकों का आधार। बनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव शरीर और इसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारंभिक ज्ञान।

सामान्य भारतीय संस्कृत वैज्ञानिकों के उपाय खाद्य—मनुष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत। खाद्य का संधारन।

संतुलित आहार। और परिवार; उल्का और धूमकेतु। प्रहण प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियां।

टिप्पणी:—इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम अंकों से सामान्य-तया भाग (क), (ख) और (ग) के लिए क्रमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

प्रश्न-पत्र II

(सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले) सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होगा:—

(क) भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सम्भ्यता की विशेष जानकारी।

भारत का स्वतन्त्रता आनंदोलन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान, सर्वोदय, भावात्मक एकता और कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

आधुनिक विश्व को प्रभावित करने वाली शक्तियां, पुनर्जीवन। अन्वेषण और खोज। अमरीका का स्वाधीनता संश्राम। फांसीसी आन्ति, औद्योगिक आन्ति, खसी आन्ति। समाज पर विज्ञान और शिल्प विज्ञान का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र। पंचशील, लोक-तन्त्र, समाजवाद, साम्यवाद, वर्तमान विश्व में भारत का योगदान।

(ख) पृथ्वी, इसकी आकृति और आकार, अक्षांस और रेखांश। समय की संकल्पना। अन्तर्राष्ट्रीय तारीख रेखा। पृथ्वी की गतियां और उसके प्रभाव।

पृथ्वी का उद्भव, नद्यों और उनका वर्गीकरण:—

अभियान—रासायनिक और भौतिक। भूचाल तथा ज्वालामुखी।

महासागर धाराएँ और ज्वार भाटे।

वायुमण्डल और इसका संघटन। तामान और वायुमण्डलीय दाव, भूमण्डलीय पवन, चक्रवात और प्रतिचक्रवात, आदेता। द्रवण और वर्षण। जलवायु के प्रकार।

विश्व के पमुख प्राकृतिक थेव।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, खनिज और शक्ति साधन, कृषि और ग्रौषोगिक कार्यकलापों के स्थान और विवरण।

महत्वपूर्ण समुद्री पन्न, भारत के मुख्य समुद्री, भू और वायु मार्ग। भारत के आवास और निर्यात की मुख्य मदें।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। सामयिक महत्वपूर्ण विश्व घटनाएँ।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय, इनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों और खेल-कूद से सम्बन्धित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं।

टिप्पणी:—इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम श्रंकों में से सामान्यतया भाग (क), (ख) और (ग) के लिए अपेक्षित 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत श्रंक होंगे।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि यी आच करने के लिए माध्यमिकार के अतिरिक्त भौतिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके गुम परीक्षण भी किए जाएंगे जैसे श्रूप परिचर्चा, शुग योजना, बहिरंग गुप कार्य-कलाप तथा उन्हे निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेघाशक्ति की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपरितु इनसे उम्मीदवारों के विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिणिष्ठ II

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए शारीरिक मानक संबंधी मुख्य बातें

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को निर्धारित स्वस्थता मानक के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे बताए गए हैं।

बहुत से अहेतुग्राप्त उम्मीदवार वाद में अस्वस्थता के ग्राधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं अतः उम्मीदवारों के

अपने हित के लिए सलाह दी जाती है कि अन्त में निराशा से वचनों के लिए उन्हें अपना आवेदन पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जो उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसको अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिए जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार अन्तिम रूप से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुपयुक्त या अस्थायी रूप में अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हे स्वस्थता प्रमाण-पत्र तथा प्रपील प्रस्तुत करने की कार्यविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

थल सेना के लिए उम्मीदवारों के अपने हित में परामर्श है कि यदि उनकी दृष्टि अपेक्षित स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार/स्वास्थ्य परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें अपने साथ संशाधक एनक लानी चाहिए।

1. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. किन्तु निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तसल्ली कर ली जाएगी:—

(क) कमजोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या स्थूलता तो नहीं है।

(ख) हड्डियों और संदियों का कुविकास तो नहीं हुआ है और उनमें किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी:—अल्पवर्धित ग्रेव पर्शुका वाले उम्मीदवार को भी स्वास्थ्य माना जा सकता है, यदि उसमें उच्च रोग के लक्षण न हों। तथापि निकित्सा बोर्ड की कार्यवाही में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी अशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।

(ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।

(घ) सिर की रचना में तो दोष नहीं है या खोपड़ी की हड्डी टूटने या दबने से विरुद्धता तो नहीं प्रा गई है।

(ज) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोग-ग्रस्त तो नहीं है। टिम्पेनिक मस्त्रेन में कच्चा जब्दम तो नहीं है या उग्र या पुराना मध्य कर्ण शोध के चिक्के तो नहीं है या अमूल या संशोधित आमूल कर्ण मूल आपरेशन तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी:—यदि कान के पदों का छेद पूरी तरह से भर गया हो, डमको और क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस अवस्था को थल मेना के लिए उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।

(च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज़ पालिपस तो नहीं है अथवा नासाप्रसन्नी या सहायक कोटरो का कोई रोग तो नहीं है।

टिप्पणी:—(i) नासा पट के छोटे अलक्षणी अवघातज छेद के कारण उम्मीदवार को एक दम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा वरन् ऐसे मामलों को कर्णविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

(ii) जधिका विवरण संबंधी पुष्टि के लिए निदानार्थ गह्वर सवेचन केवल अपील किए गए मामलों में ही किया जाए न कि किसी प्रारंभिक परीक्षण के दौरान नेमी कार्य के रूप में। प्रारंभिक परीक्षण के दौरान तो चिकित्रण विज्ञान सम्बन्धी परीक्षण, यदि निर्दिष्ट किया गया हो, करना ही पर्याप्त होगा।

(छ) तपेदिक या अन्य रोगों के कारण गर्दन या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथियां बड़ी हुई हों तो नहीं हैं और थाइराइड ग्रंथि सामान्य है।

टिप्पणी:—तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग न हुआ हो तथा छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्स्ट्रे करने पर रोग मुक्त पाई जाए।

(ज) गले, ताल, टौसिल या मसूडों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी चिवुकीय संधियों की सामान्य क्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी:—यदि बार-बार टौसिल शोध होने का कोई वृत्त न हो तो टौसिलों की अनिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

(झ) हृदय तथा रक्त वाहिकाओं का क्रिया सम्बन्धी या अंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।

(ञ) फेफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पूर्ववत् या फेफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

(ट) जिगर और तिल्ली की किसी विलक्षणता सहित पाचक तन्त्र के किसी रोग का चिक्के तो नहीं है और स्पर्श परीक्षण में उदरीय कोमलता न हो।

(ठ) वंकण हर्निया (जिसकी शल्य-चिकित्सा न की गई हो), या उसकी श्रांशकों हो अस्वीकृति का कारण होगा।

टिप्पणी:—जिनका हर्निया का आपरेशन हो चुका है उन्हे शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बशर्ते कि :

(i) आपरेशन हुए एक वर्ष अतीत हो गया हो। इसके लिए उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

(ii) पेट की पेशीसमूह सामान्यतया ठीक हैं; और

(iii) हर्निया की पुनरावृत्ति नहीं हुई है, या इसकी शल्य चिकित्सा से संबंधित कोई उलझन पैदा नहीं हुई।

(ड) हाइड्रोसिल या निश्चित बेरिकोसील या जननेन्द्रियों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।

टिप्पणी:—(i) यदि हाइड्रोसील के आपरेशन के बाद कोई रज्जु और अण्डग्रंथियों की विलक्षणताएं न हों और फाइलेशियासिस का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ii) यदि एक और की अन्तः उदरीय अण्डग्रंथि आरोही हो तो इस आधार पर उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जाता बशर्ते कि दूसरी अण्डग्रंथि सामान्य हो तथा इस आरोही अण्डग्रंथि के कारण कोई शारीरिक या मनोवैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोही अण्डग्रंथि वंकण नलिका में अथवा उदरीय वलय में सकी हो और आपरेशन से ठीक न हो सकती हो तो इस स्थिति में उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(३) फिस्टुला और या गुदा का विदर या बवासीर के मस्से तो नहीं है।

(ए) गुदीं की कोई बीमारी तो नहीं। ग्लूकोजमेह या एल्यूमिन मेह के सभी रोगी अस्वीकृत कर दिए जाएंगे।

(त) अस्थायी अथवा मासूली क्षत-चिह्नों को छोड़कर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रसार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अशक्तता या बहुत अधिक कुम्हपता आ गई हो या आने की संभावना हो। उस उम्मीदवार को इसी आधार पर अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(थ) कोई मक्किय गुप्त या जन्मजात रतिज रोग तो नहीं है।

(द) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई पूर्व वृत्त का प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिर्गी आती हो, जिनका पेशाब वैसे ही या नीद में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ध) भौंगापन या आंख या पलकों की कोई ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।

(न) संक्रिय रोहे (ट्रोमा) या इसकी जटिलताएं तथा अनुप्रभाव तो नहीं हैं।

टिप्पणी:—इलाज के लिए आपरेशन प्रवेश से पूर्व करवाए जाएं। अन्तिम रूप से स्वीकार किए जाने की गारंटी नहीं दी जाती है। तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन बांधनीय है या आवश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम अथवा किसी ओर खबरें का दायित्व सरकार अपने ऊपर नहीं लेगी।

3. कद, वजन तथा आती के मापों के लिए मानक:—

(क) कद:—

(i) उम्मीदवार के कद की नाप उसे मापदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी। उस समय वजन एडियों पर होना चाहिए पंजे पर या पांव के बाहरी पाष्ठों पर नहीं। वह बिना अकड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी एडियां, पिंडियां, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे, उसकी ठोड़ी नीचे की ओर रखी जाएंगी ताकि सिर का स्तर आड़ी छड़ के गीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकॉर्ड किया जाएगा। 0.5 सें. मी. की उपेक्षा की जाएगी, 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप से रिकॉर्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे

अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकॉर्ड किया जाएगा।

(ii) उम्मीदवार के लिए न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौ-सेना के लिए 157 सेंटीमीटर) है किन्तु, गोरखा, नेपाली, आमामी, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिए 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, अस्सियाल और लिपुरा के नौ-सेना वे उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर और लक्ष्मीप के उम्मीदवारों के मामले में वह 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

टिप्पणी—कद में 2.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिए 5 सेंटीमीटर तक की छूट उन मामलों में दी जा सकती है जहां चिकित्सा बोर्ड इस बात वा प्रमाण-पत्र दे कि उम्मीदवार के बढ़ने की संभावना है तथा प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा इसके अलावा भारतीय नौसेना के केडिटों के लिए जिनकी आयु 18 वर्ष से कम न हो आनुपातिक छूट दी जा सकती है।

(iii) केवल बायु सेना पाइलट के रूप में प्रशिक्षण हेतु विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए न्यूनतम कद 162.5 सें. मी. होगा। टांग की लम्बाई, जांघ की लम्बाई और बैठने पर कद का माप निम्न प्रकार होगा—

टांग की लम्बाई	न्यूनतम	99.0 सें. मी.
	अधिकतम	120.0 सें. मी.
जांघ की लम्बाई	अधिकतम	64.0 सें. मी.
बैठने पर कद	न्यूनतम	81.50 सें. मी.
	अधिकतम	96.00 सें. मी.

टिप्पणी—किसी उम्मीदवार की कम आयु के कारण कद में 5 सें. मी. तक, टांग की लम्बाई में 2.5 सें. मी. (न्यूनतम) तक और बैठने पर कद में 1 सें. मी. (न्यूनतम) तक की छूट दी जा सकती है बशर्ते कि चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण-पत्र दे कि उम्मीदवार के बढ़ने की संभावना है तथा वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा।

(ख) वजन —

(i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतार कर या केवल जांघिए के साथ लिया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलो ग्राम के भिन्न को रिकॉर्ड नहीं किया जाएगा। आयु, देकद और आसत वजन

विषयक परस्पर संबंधी सारणी में निर्देश के लिए दी जा रही है —

ग्राम प्रधिक	15-16	16-17	17-18
कद (सेटीमीटर)	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम
1	2	3	4
157.00	43.5	45.0	47.0
160.00	45.0	46.5	48.0
162.00	48.5	48.0	50.0
165.00	48.0	50.0	52.0
167.50	49.0	51.0	53.0
170.00	51.0	52.5	55.0
173.00	52.5	54.5	57.0
175.00	54.0	56.0	59.0
178.00	56.0	58.0	61.0
180.00	58.5	60.0	63.0
183.00	61.0	62.5	65.0

(ii) कद तथा ग्राम के सम्बन्ध में वजन का ठीक ठीक मानक निश्चय करना संभव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मात्र है तथा सभी मामलों में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। सारणी में दिए गए औसत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के लिए 6 किलोग्राम कम-ज्यादा) होने पर उसे वजन की सामान्य सीमाएँ ग्रन्तिगत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है, कि कुछ अधिकतयों का वजन उपर्युक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे हूर प्रकार से योग्य हों। ऐसे अधिकतयों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पेशियों का विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिनका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी के मानकों का पूरी तरह से पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनुपातिक विकास ही कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती —छाती पूरी तरह आनुपातिक तथा भली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेटीमीटर होना चाहिए। उम्मीदवार की छाती का माप लेने समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी बाहें सिर से ऊपर उठी हों फौते को छाती के गिर्द इस प्रकार लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी छिनारा असफलकों (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगिल्स) के साथ लगा रहे और इसका

निचला किनारा सामने चूचकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बाहों को नीचे किया जाएगा और इन्हे शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊचे उठे या पीछे की ओर कुछ भुके न हों ताकि फीता अपने स्थान से हटने न पाए। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा मांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिकतम और न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेटीमीटर से कम के दशमलव भिन्न को छोड़ दिया जाएगा। लेकिन 0.5 सेटीमीटर को 0.5 सेटीमीटर रिकार्ड किया जाएगा और 0.6 सेटीमीटर में अधिक को एक सेटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

बायु सेना हेतु —किसी तरह का स्कोलियोमिरा तो नहीं है यह पता लगाने के लिए रीढ़ का एक्स-रेखी विया जाएगा। 5° से अधिक स्कोलियोमिरा (काद विधि) उड़ान कार्य के लिए अस्वीकृति का कारण होगा।

नोट —बायु सेना तथा नौसेना के लिए छाती का एक्स-रेखी अनिवार्य है।

4. दांतों की द्वालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चबाने का काम अच्छी तरह करने के लिए प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में है।

(क) स्वीकृत होने के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार ने दांतों के लिए कम से कम 14 प्लाइट ग्रास्ट्रिक्ट किए हों। किसी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरे जबड़े के अनुरूप दांतों के लिए निम्न प्रकार के प्लाइट दिए जाएंगे —

(i) बीच के काटने वाले दात, बगल के काटने वाले दात, रदनक प्रथम तथा द्वितीय, छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिए एक-एक प्लाइट।

(ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिए दो प्लाइट। पूरे 32 दात होने पर कुल 22 प्लाइट दिए जाएंगे।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके :

(i) आगे के 6 में से कोई 4 दांत।

(ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांत।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवारों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दांत

अधिकारी की राय में बिना दांत निकाले अच्छा किया जा सकता हो उसे स्वीकार किया जा सकता है।

5. दृष्टिमानक :

(क) दृष्टि-तीक्ष्णता

मानक—I

अच्छी आंख	खराब आंख
दूर-दृष्टि (चम्मा लगाकर)	बी०-६/६

बी०-६/९
६/६ तक

मानक—I

अच्छी आंख	खराब आंख
दूर-दृष्टिता (चम्मा लगाकर)	६/६

६/९

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्त अविन्दुकर्ता (एस्टिग-मेटिज) सम्मिलित है—२.५ डी० से अधिक नहीं। (नी सेना के मामले में ५ डी) दीर्घ दृष्टि (हाइपर मैट्रोपिया) जिसमें अविन्दुकर्ता (एस्टिगमेटिज व्हेनीफेस्ट) सम्मिलित है—३.५ डी० से अधिक नहीं।

टिप्पणी:—१. फंडस तथा मीडिया स्वस्थ तथा सामान्य सीमा में होने चाहिए।

२. वर्धमान मायो रेटिया के सूचक विट्रियस या कोरियारेटिना के अनावश्यक अव्यपजनन चिन्ह न हों।

३. व्हेनेकी (बाइनोकुलर) दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। (बोनों आंखों में संयोजन शक्ति और पूर्ण दृष्टि थेल)।

४. कोई ऐसा आंगिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन तथा खराब होने की संभावना है।

(ख) रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

प्राथमिक रंगों को पहचानने की असमर्थता के कारण उम्मीदवार को अस्वीकृत नहीं किया जाएगा किन्तु इस तथ्य को कार्यवाही में रिकार्ड कर लिया जाएगा तथा उम्मीदवार को उसकी सूचना देंगी जाएगी।

(ग) सेनाओं के लिए अपेक्षाएं

थल सेना दृष्टि मानक-II (न्यूनतम मानक)

नौसेना (1) दृष्टि मानक I—कार्यपालक शाखा के उम्मीदवार चम्मा नहीं पहन सकते हैं परन्तु यदि नौसेना मुख्यालय अनुभवि

दे तो कुछ सीमित संस्था तक अन्यथा उम्मीदवारों के संबंध में इन मामलों में छूट दी जा सकती है। इंजीनियरी, विद्युत और पूर्ति तथा सचिवालय शाखाओं के लिए दृष्टि मानक ६/१८, ६/३६ चम्मा लगाकर दोनों आंखों के लिए ६/६ है।

(ii) विशेष अपेक्षाएं :—

“रात में नज़र का मानक:—जिन उम्मीदवारों में गृहकाथिपाक (जीरोफ्थेलिमिया) पिगमेंट्री अपविकसित कोरियारेटिना में विचलन, अपसामान्य परितारिका और उसके लक्षण होने का संदेह हो लेकिन जो अन्यथा हर प्रकार से स्वस्थ हों, नौ-सेना में भर्ती करने से पहले उनकी विस्तृत एन० बी० ए० जाच होगी। जो ग्रेड-II (दो) तक न पहुंचेंगे (लेखाकासा-अच्छी बहुत अच्छी) उन्हें अस्वीकार कर दिया जाएगा। जिस उम्मीदवार की लेखाकासा जाच न की जाएगी उससे निम्नलिखित प्रमाण-पत्र लिया जाएगा।

“मैं प्रमाणित करता हूँ कि मुझे रत्नधी नहीं है और जहां तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रत्नधी नहीं है।

हस्तांत्र- उम्मीदवार

चिकित्सा अधिकारी के प्रति हस्ताक्षर

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

नेत्र विचलन प्रवृत्ति

मानक I—एम० एल० टी० (मार्टिन लालटेन परीक्षण) नेत्र विचलन मेडोक्स राड विगटेस्ट के साथ (बशर्ते कि अभिसरण दोष तथा अन्य रोग लक्षण न हो) निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(क) ६ मीटर की दूरी से

एक्सोफोरिया	८ प्रिज्म डायोप्टर
इंसोफोरिया	८ प्रिज्म डायोप्टर
हाइपरफोरिया	१ प्रिज्म डायोप्टर

(ख) ३० सें. मी० की दूरी से

इसोफोरिया	६ प्रिज्म डायोप्टर
एक्सोफोरिया	१६ प्रिज्म डायोप्टर
हाईपरफोरिया	१ प्रिज्म डायोप्टर

दूर दृष्टि की सीमा

(होमाइोपिना के अन्तर्गत)

सही आंख

१.५ डायोप्टर

०.७५

दीर्घ दृष्टिता मैरिडियन का दोष

१.५ डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए इसमें से ०.७५ डायोप्टर से अधिक

दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए।

वैषम्य

दूर दृष्टिता	सबम खराब आंख 2.5
साधारण दूर दृष्टिता वैषम्य	डायोप्टर्स
समुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य	1.5 डायोप्टर्स
	दूर दृष्टिता वैषम्य दोष 2.5 डायोप्टर्स से अधिक नहीं होना चाहिए, इसमें से 1.00 डायोप्टर्स से अधिक वूष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए।

निकट दृष्टि (मायोपिया)

किसी भी एक मेरेडियम में 0.5 डायोप्टर्स अधिक नहीं होना चाहिए।

द्विनेत्री दृष्टि:—उम्मीदवार की द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए।

(बोनों आंखों में प्रूजन फैकल्टी और पूर्ण वूष्टि थेव होना चाहिए)।

वायु सेना (i) दृष्टि 1

चम्पा नहीं लगाना है।

(ii) विशेष अपेक्षाएं

व्यक्ति दूर दृष्टिता 2.25
डी० से अधिक नहीं होनी
चाहिए।

नेत्र पेशी संतुलन :—

मण्डल का राड परीक्षण से नेत्र विचलन प्रवृत्ति निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(क) 6 मीटर की दूरी से :

एसोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्टर
इंसोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म डायोप्टर

(ख) 33 सें० मी० की दूरी से :

एसोफोरिया	1.6 प्रिज्म डायोप्टर
इंसोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म डायोप्टर
निकट दृष्टि	शून्य
अविन्दुकता	+ 0.75 दिन

द्विनेत्री दृष्टि:—द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (आयाम और गहराई के साथयोजन और स्टीरियोपसिस)।

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान—मानक । एम० एल० टी०

व्यवण मानक

व्यवण परीक्षा वाक् परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहां आवश्यक होगा अवधार मापी (आडियोमैट्रिक) रिकार्ड भी ले लिए जाएंगे। 416G/77

(क) वाक् परीक्षा.—उम्मीदवार को भी एक उचित दूंग से शान्त करने में परीक्षक की ओर पीठ करके 610 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुसफुसाहट की आवाज मुनाहर पड़नी चाहिए। परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुसफुसाना चाहिए। अर्थात् वह साधारण निःश्वास अन्त में लेगा।

(ख) अव्यता मितिक परीक्षण:—250 एच जैड और 4000 एच जैड के द्वितीय श्रावर्तियों में श्रव्याता-मितिक कमी + 10 डेसिबल से अधिक नहीं होनी चाहिए। श्रव्यता आलेख का मूल्यांकन करते समय श्रव्यतामापी की आधार रेखा के शून्य को और जिन वातावरणीय र व अवस्थाओं में श्रव्यता आलेख प्राप्त किया गया है उनको ध्यान में रखा जाना चाहिए और किसी वायुसेना कर्ण-नासिका-कंठ विषेषज्ञ की अनु-शंसाओं पर विनिर्दिष्ट मानक से थोड़ा-बहुत विचलन नजर अन्दाज किया जा सकता है।

7. नेमी आधारिक ई० ई० जी०:—वायुसेना हेतु सभी उम्मीदवारों की ई० ई० जी० परीक्षा की जाएगी। विशिष्ट अप्सामान्यता रखने वालों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

परिशिष्ट III

(सेवा आदि का संक्षिप्त विवरण)

1. अकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता-पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने होंगे:—

(क) इस प्राशय का प्रमाण-पत्र कि वह यह समझता है कि किसी परीक्षण के दौरान या उसके परीणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाए या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सर्जिकल आप-रेशन या संवेदनाहरूक दबा के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके बैंध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) इस प्राशय का बंध पत्र कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्य-क्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा गृहक, भोजन वस्त्र पर किए जए व्यय तथा दिए गए वेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे, उसे वापस करनी होगी।

2. आवास, पुस्तकें, वर्दी, बोर्डिंग और चिकित्सा महित, प्रणिशा के खर्च की सरकार बहन करेंगी। उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक से यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार का जेब द्वर्चे वे खुद बदलिए करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 40.00 रुपये से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या प्रांशिक रूप में बदलिए करने में असमर्थ हों तो पहले और दूसरे वर्ष के लिए रु. 40.00 रुपये

और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिये ₹ 45.00 और थल सेना/नौसेना/वायुसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आगे प्रशिक्षण के लिये ₹ 55.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय ₹ 450.00 रु. या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पास नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पावता निर्धारित करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक सरकार से किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षित के राष्ट्रीय रक्षा अकादमियों में प्रशिक्षण के लिये प्रतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा सहित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला पुणे (411023) के कमांडेट को अप्रेशित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमांडेट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी :—

(क) प्रति मास ₹ 40.00 रु. के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च।	रु 200.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए	रु 650.00
जोड़	रु 850.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी :—

(क) ₹ 40.00 रु. प्रति मास के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	रु 200.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए	लगभग रु 475.00

4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं।

(1) परशु राम भाउ पटवर्णन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी साधनों से ₹ 350.00 तथा ₹ 500.00 के बीच हो। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बाराबर होगी। जब तक कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिये वह प्राप्त होगी किन्तु शर्त यह है कि कैडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह सन्तोषजनक प्रगति करता रहे और उसके माता-पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी।

(2) कर्नल केंडिलकें मैमोरियल छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति ₹ 360.00 रुपये प्रति वर्ष की है और इस मराठा

कैडेट को दी जाती है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के प्रतिरक्षित होगी।

(3) कुंवर मैमोरियल छात्रवृत्ति :—दो छात्रवृत्तियां उन दो कैडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति ₹ 37.00 रुपये प्रतिमास की है तथा अधिकतम आर वर्ष के लिये राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी, देहरादून तथा वायु सेना फ्लांग कालिज तथा नौसेना अकादमी, कोचिन में जहां कैडेट को प्रशिक्षण के लिये राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दी जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जब कि कैडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहेगा।

(4) असम सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां असम के कैडेटों को प्रदान की जायेंगी। प्रत्यक्ष छात्रवृत्ति ₹ 30.00 रुपये प्रतिमास की होगी तथा अब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान किए बिना प्रदान की जाएगी। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां 30.00 रुपये प्रतिमास की तथा ₹ 400.00 रुपये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में सन्तोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिये दी जाएगी। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्तियां मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेंगी।

(6) केरल सरकार छात्रवृत्ति :—पूरे वर्ष के लिये ₹ 480.00 की एक योग्यता छात्रवृत्ति ₹ 40.00 रु. अकादमी में प्रशिक्षण की पूरी अवधि के लिये केरल राज्य सरकार द्वारा उस कैडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का अधिवासी निवासी हो और ₹ 40.00 रु. अकादमी हेतु अधिल भारतीय ₹ 30. लो. से० आ० प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है भले ही उसने यह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो ऐसा करने समय कैडेट के पिता/संरक्षक की आर्थिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

(7) बिहारी लाल मंवाकिनी पुरस्कार—यह ₹ 500.00 रुपये का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को अकादमी से प्रत्येक कोसे के लिए मिलता है। आवेदन-पत्र कमांडेट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।

(8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां—तीन छात्रवृत्तियां एक थल सेना, एक नौसेना तथा एक वायु सेना के कैडेट के लिये प्रत्येक ₹ 80.00 रु. प्रतिमास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं इनमें से दो छात्रवृत्तियां कैडेटों की योग्यता तथा आय साधन आदा परदी जाएगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय ₹ 500.00 प्रतिवर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता-

पिता या अभिभावकों को आय को छ्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैडेट को दी जाएगी ।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियां —निम्नलिखित वर्गों की छात्रवृत्तियां पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जायेगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थानीय निवासी हों ।

(क) वर्ग 1:—तीन छात्रवृत्तियां (थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के लिए एक-एक) 360.00 रुपये प्रतिवर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिये और अकादमी तीसरे वर्ष के लिये तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में चौथे वर्ष के लिये 480.00 रुपये तथा उसके अतिरिक्त 400.00 रुपये परिधान वृत्ति । यह उन कैडेटों को दी जायेगी जो अकादमी में कोई अन्य छात्रवृत्ति पाने के पास नहीं हैं ।

(ख) वर्ग 2 —तीन छात्रवृत्तियां 100 रुपये प्रतिवर्ष एक मुश्त सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त दी जायेगी ।

(10) पायलट अफसर गुरमीत सिंह बेदी भेमोर्टियल छात्रवृत्ति —रु 420/- प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति ऐसे कैडेट को दी जाती है जो वायु सेना कैडेटों के चौथे सत्र के अंत में योग्यता में सर्वोत्तम होगा । यह एक वर्ष की अवधि के लिये होगी । पांचवें और छठे सत्र के बौरान यह छात्रवृत्ति बंद कर दी जाएगी यदि प्राप्त कर्ता रेलीगेंट कर दिया गया हो या उसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़ कर चला गया हो । जो कैडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता से रहा है, उसे यह छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी ।

(11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां —हिमाचल प्रदेश के कैडेटों को चार छात्रवृत्तियां प्रधान की जायेगी । प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिये छात्रवृत्तियां 30.00 रु ० प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिये 40.00 रुपये प्रतिमास मिलेगी । यह छात्रवृत्ति उन कैडेटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपये प्रतिमास से कम होगी । जो कैडेट सरकार से वित्तीय सहायता से रहा हो उसे यह छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी ।

(12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति —तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30/- रु ० प्र० मा० की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400/- रु० सज्जा भत्ता (कैडेट प्रशिक्षण की पूरी अवधि के बौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जायेगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक/संरक्षक की मासिक आय 500/- रु० से अधिक न हो । पाव कैडेट अपना आवेदन, अपना कमांडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी को वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं ।

(13) राजस्थान सरकार छात्रवृत्ति —राजस्थान सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 50/- रु० प्र० मा० की तीन छात्रवृत्तियां (थल सेना, नौसेना और वायु सेना प्रत्येक को एक-एक) तथा साथ में 400/- रु० सज्जा भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के बौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो राजस्थान राज्य के भूतपूर्व जे० सी० प्र००/ग्रन्थ रैंक या नौसेना तथा वायु सेना के समक्ष आहवाधारियों

के पुढ़/प्राप्ति हों । पात्र कैडेट अपना आवेदन कमांडेट, नेशनल डिफेन्स एकेडमी को वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं ।

इन छात्रवृत्तियों की शर्तें राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवाससा पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती हैं ।

5. चुने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में आने के बाद तत्काल उनके लिये निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी ।

(क) अंग्रेजी

(ख) गणित

(ग) विज्ञान

(घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिये परीक्षा का स्तर भारतीय विश्व विद्यालय या हायर सैकेंडरी शिक्षा बोर्ड की हायर सैकेंडरी परीक्षा के स्तर से ऊंचा नहीं होगा । (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा जाएगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है ।

अतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के प्रति उत्साहीन न हो जाएं ।

प्रशिक्षण

6. तीनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिये चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए शैक्षिक तथा भारतीय रिक्षाओं प्रकार का आरम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्वसेना संस्था है । पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिये समान है । दिया गया शैक्षिक प्रशिक्षण यथा स्थिति विज्ञान या मानविकी के स्नातक स्तर का होगा ।

7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थल सेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी, बेहराड़न में, नौसेना कैडेट के प्राप्तिक्षण पोत में और वायु सेना कैडेट ई० एफ० [एस० बिदार जायेगे ।

8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों को 'जेन्टिल मैन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक घर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इक्कन्द्री के उप-यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें । प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाद जेन्टलमैन कैडेटों को उनके जोप (shape) भारीरिक ड्रिट से योग्य होने पर सैकेन्ड लेफ्टिनेन्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है ।

9. नौसेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौसेना की कार्यपालक इंजीनियरी, बिजली और पूर्ति और सचिवालय भाखाओं के लिए चुना चाहा है । उन्हें छह महीने के कैडेट प्रशिक्षण पोत पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है जिसे सफलता पूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडशिपमैन रैंक में घोषित किया जाता है । संसद भाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी सभ लैफ्टिनेन्ट के रैंक में पदोन्नति किया जाता है ।

10. वायु सेना कैडेटों को हवाई उड़ान का छेड़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है । सभी कैडेटों को लड़ाकू पायलटों का प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव है । प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूरा हो जाने पर उन्हें पायलट अफसरों के रूप में कमीशन तथा उड़ान बिल्से दिए जाते हैं ।

है। यदि किसी कैडेट का उड़ान की ओर पर्याप्त रक्षान नहीं होता तो उसे भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में सेना कैडेट के रूप में नौसेना अकादमी, कोचीन में नौसेना कैडेट के रूप में, जैसी भी स्थिति हो, और ई० एफ० एस० बिदार में उसके द्वारा पसंद की गई सेवा में वापस जाने की अनुमति दी जा सकती है।

सेवा की शर्तें

11. थल सेना अधिकारी

(i) वेतन —

रैंक	वेतनमान	रूपये
सेकिण्ड लेफिटनेंट	750-790	
लेफिटनेट	830-950	
कैप्टन	1250-1550	
मेजर	1650-1800	
लेफिटनेट-कर्नल (चयन द्वारा)	1800-1950	
लेफिटनेट-कर्नल (समय वेतनमान)	1800 नियत	
कर्नल	1950-2175	
ब्रिगेडियर	2200-2400	
मेजर-जनरल	2500-125/2- 2750	
लेफिटनेट-जनरल	3000प्रतिमास	

(ii) योग्यता, वेतन और अनुदान

लेफिटनेट कर्नल और नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यताएं रखने वाले अधिकारियों को निम्नलिखित दर पर देय :—

योग्यता वेतन	निम्न दर	उच्च दर
	₹०	₹०
70	—	
7600	2400	
4500	6000	

(iii) भत्ते :—

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं।

(क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शतांकों के अनुसार ही इन्हे भी नगर प्रतिकर तथा महगाई भत्ते दिए जाते हैं।

(ख) ₹० 50/- प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) प्रवास भत्ता : जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैक के अनुसार 50 रु० से 250 रु० तक प्रति मास प्रवास भत्ता।

(घ) वियुक्ति भत्ता, जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब वे अफसर 70 रु० प्रति मास की दर से वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं :—

(iv) तैनाती :

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कही भी तैनात किए जा सकते हैं।

(v) पदाधति :

(क) स्थायी पदोन्नति :—

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमायें हैं :—

समय वेतनमान से

लेफिटनेट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

मेजर से लेफिटनेट कर्नल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो।

25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

चयन द्वारा

लेफिटनेट कर्नल

20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

कर्नल

23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

मेजर जनरल

25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

लेफिटनेट जनरल

28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा,

जनरल कोई प्रतिबंध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति —

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमायें पूरी करने पर, अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों :—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	5 वर्ष
लेफिटनेट-कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफिटनेट-जनरल	25 वर्ष

12. नौ-सेना अफसर

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान	
	सामान्य सेवा	नौ-सेना विमानन और पनडुब्बी
	मासिक रु०	मासिक रु०
मिड शिपमैन	560	560
कार्यकारी सब-लेफिटनेंट	750	825
सब-लेफिटनेंट	830-870	910-950
लेफिटनेंट	1100-1450	1200-1550
लेफिटनेंट कमांडर	1550-1800	1650-1800
कमांडर	1800-1950	1800-1950
कैप्टन	1950-2400 कोमोडोर को वही वेतन मिलता है जिसके लिए वह कैप्टन के रूप में अपनी वरिष्ठता के प्रतुसार हकदार है।	1950-2400
रियर एडमिरल	2500-125/2- -2750	
वाइस एडमिरल	3000 प्रतिमास	

कुछ सिधारित योग्यताये रखने वाले कमांडर और उसके नीचे के रैंक के अफसरों को अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रु या 2400 रु, या 4500 रु, या 6000 रु के एकमुश्त प्रतुदान के हकदार हैं।

(ii) भत्ते

नौ-सेना विमानन अफसर उड़ान भत्ता के लिए उन्हीं दरों तथा शर्तों के अधीन होंगे जो वायु सेना अफसरों के अनुसूची रैंकों के लिए लागू हैं।

नौ-सेना अफसर समकक्ष रैंक में थल सेना अफसरों को मिलने वाले इस भत्ते के लिए भी हकदार हैं। इनके अतिरिक्त उन्हें हाउलाईंग मनी, पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन और गोता वेतन जैसी विशेष रियायतें भी दी जाती हैं।

(iii) पदोन्नतियां

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नतियां देने के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं—

समय वेतन मान द्वारा

सब लेफिट० 1 वर्ष

लेफिट० 3 वर्ष (वरिष्ठता लाभ
जबूती के अधीन)

लेफिटनेंट कमांडर

कमांडर

चयन शारा

कमांडर कार्यपालक शाखा

कमांडर इंजीनियरी शाखा

कमांडर पूर्ति और सचिवालय

कैप्टन

रियर एडमिरल

वाइस एडमिरल

लेफिट० के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता।

24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा (यदि चयन द्वारा पदोन्नति नहीं हुई है)।

लेफिटनेंट कमांडर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता।

लेफिटनेंट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।

लेफिट० कमांडर के रूप में 4-10 वर्ष की वरिष्ठता।

वामांडर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।

कोई प्रतिबंध नहीं।

कोई प्रतिबंध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

लेफिटनेंट कमांडर के रैंक की छोड़कर जिसके लिए किसी अफसर को लैफिटनेंट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए, नौ-सेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिए कोई सेवा सीमा नहीं है।

13. वायु सेना अफसर

(i) वेतन

रैंक

रैंक	वेतनमान	रु०
पाइलट अफसर	825-865	
फ्लाइंग अफसर	910-1030	
फ्लाइंग लेफिटनेंट	1300-1550	
स्कवाइन लीडर	1650-1800	
विग कमांडर (चयन)	1750-1950	
विग कमांडर (सभ्य वेतनमान)	1800 नियत	
गुप्त कैप्टन	1950-2175	
एयर कमांडर	2200-2400	
एयर वाइस मार्शल	3000	
एयर चीफ मार्शल		
(सी० ए० ए० ए०)	4000	

(ii) भत्ते

उड़ान भत्ता:— उड़ान शाखा (पायलट और नेवीगेटर) शाखाओं के अफसर निम्नलिखित दर पर उड़ान भत्ता लेने के पात्र हैं:—

पायलट अफसर से सेकर विग कमांडर

तक रु० 375 प्रतिमास

ग्रुप कैप्टन और उससे ऊपर	रु० 333.33 प्रतिमास	स्क्वार्डन लीडर	5 वर्ष
एयर वाइस मार्शल और उससे ऊपर	रु० 300 प्रतिमास	विंग कमांडर	6 वर्ष (स्क्वार्डन लीडर के रक्क में एक वर्ष की सेवा के बाद)।
(iii) योग्यता वेतन/अनुदान:——निम्नलिखित वर्षों पर उन उड़ान शाखा अफसरों को प्राप्त जिनके पास निर्धारित योग्यताएँ हैं:—			
योग्यता वेतन	रु० 100 प्र० मा० या रु० 70 प्र० मा०	एयर कमोडोर	11-1/2 वर्ष (विंग कमांडर और ग्रुप कैप्टन के लिए 3 वर्ष की सेवा के बाद)।
योग्यता अनुदान	रु० 6000 या रु० 4500 या रु० 2400 या रु० 1600	एयर वाइस मार्शल	15 वर्ष (विंग कमांडर, ग्रुप कैप्टन और एयर कमोडोर के रैंकों में 5* वर्ष की सेवा के बाद)।
(iv) पदोन्नतियां		एयर मार्शल	23 वर्ष
(क) मूल पदोन्नति			*खंडित अवधियों को शामिल करके।
उच्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं:—		14. सेवा निवृत्ति लाभ:—	
समय वेतन मान द्वारा		पेशन, उपदान और केजुएल्टी पेंशनी अवार्ड समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होगी।	
फ्लाइंग अफसर	1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा	15. छुट्टी	
फ्लाइंग लेपिट०	5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा	समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार्य होगी।	
स्क्वार्डन लीडर	11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा	परिशिष्ट IV	
विंग कमांडर	यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो।	भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।	
चयन द्वारा		प्रमाणित किया जाता है कि श्री	
विंग कमांडर	स्थायी स्क्वार्डन लीडर के रूप में 3 वर्ष की सेवा	संपुत्र श्री	
ग्रुप कैप्टन	स्थायी विंग कमांडर के रूप में 4 वर्ष की सेवा	जी गांधी/*कस्ता	
एयर कमोडोर	स्थायी ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा	जिला/*मंडल	
एयर वाइस मार्शल	स्थायी एयर कमोडोर के रूप में 3 वर्ष की सेवा	राज्य/*संघ राज्य क्षेत्र	
एयर मार्शल	स्थायी एयरवाइस मार्शल के रूप में 2 वर्ष की सेवा	के निवासी हैं	
(ख) कार्यकारी पदोन्नति		जाति/*जन जाति के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/*अनुसूचित जन-जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—	
अफसरों की कार्यकारी पदोन्नति के लिये अपेक्षित न्यूनतम् सेवा सीमा इस प्रकार है:—		संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950.*	
फ्लाइंग लेपिट०	2 वर्ष	संविधान (अनुसूचित जन-जातियां) आदेश 1950/*	
		संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951.*	
		संविधान (अनुसूचित जन-जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951.*	
		(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन-जातियां सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुर्नगंठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुर्नगंठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुर्नगंठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन-जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित*)।	

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956.*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1959, अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आदेश, (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962.*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1962.*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964.*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967.*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968.*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1968.*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन-जातियां आदेश, 1970.*

2. श्री और/*या
उनका परिवार आम तौर से गांव/*कस्बा
जिला/मंडल*
राज्य/*संघ राज्य क्षेत्र
में रहता है।

*राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

हस्ताक्षर

**पदनाम

(कार्यालय की मोहर के साथ)

स्थान

तारीख

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृप्या काट दें।

नोट:— यहां 'आम तौर से रहता है' का अर्थ वही होगा जो 'रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950' की धारा 20 में है।

**जाति/जनजाति का प्रमाण-ग्रन्थ जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/प्रतिरक्षित जिला मैजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/डिप्टी कमीशनर/एडीएनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर,
† (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं।)

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीएनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यु अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लक्ष्मीपुर)

परिशिष्ट V

उम्मीदवारों के लिए सूचना पुस्तिका

इस पुस्तिका का उद्देश्य इस परीक्षा के संबंध में आपको अधिक से अधिक सूचना देना है जिससे परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

विषय, स्तर और प्रकरण

अंग्रेजी, गणित (प्रश्न पत्र I और प्रश्न पत्र II) और सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र I (विज्ञान) तथा प्रश्न-पत्र II (सामाजिक अध्ययन, भूगोल और वर्तमान घटनाक्रम) विषयों में से प्रत्येक की परीक्षा के लिए सभी 2 घंटे का होगा। स्तर इस प्रकार का होगा कि किसी राज्य शिक्षा बोर्ड या मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के उम्मीदवार अधिकांश प्रश्नों का उत्तर दे सकें। प्रत्येक विषय के अंतर्गत आने वाले प्रकरण परिशिष्ट I के भाग "ख" में दिए गए हैं। उक्त परीक्षा में ऐसे प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं जिनका परिशिष्ट I में स्पष्ट रूप से उल्लेख न हो पर सामान्यतया उच्चतर माध्यमिक या समकक्ष परीक्षा के स्तर के हों।

परीक्षा का स्वरूप

परीक्षा "बस्तुपर ह" या "बहु विकल्प उत्तर" प्रकार की होगी। प्रश्न पुस्तिका में कई अंश (प्रश्न) छापे होंगे। प्रत्येक प्रश्न के सामने दाहिनी तरफ 3, 4, या 5 संभाव्य विकल्प (उत्तर) होंगे। आपको प्रत्येक अंश के लिये सही उत्तर चुन लेना होगा। अगर आप समझते हैं कि एक से अधिक उत्तर सही हैं तो आपको सबसे अधिक सही उत्तर चुन लेना होगा। प्रत्येक अंश के लिये आपको उ० एक और केवल एक उत्तर का चयन करना होगा।

उत्तर देने की विधि

अंशों के क्रमांक 1, 2, 3 आदि होंगे। प्रत्येक अंश (प्रश्न) के विकल्प 1, 2, 3, 4 आदि अंकित होंगे। आपको आपने उत्तर अंकित करने के लिए एक अलग उत्तर-पत्रक दिया जाएगा। (इस पुस्तिका के अंत में प्रस्तुत नमूना उत्तर पत्रक देखिए) उत्तर पत्रक पर अंशों के क्रमांक दिए जायेंगे और उनके सामने दाहिनी तरफ प्रत्येक का उत्तर देने के लिए जगह छोड़ी जाएगी। पहले तथा कीजिए कि प्रत्येक अंश के सामने जो विभिन्न उत्तर दिए गए हैं, उनमें कौन सा सही या सबसे अधिक उपयुक्त है। उसके बाद आपने जिस उत्तर को सही समझ लिया है उसकी संख्या उत्तर देने के लिये छोड़ी हुई जगह पर लिख दीजिए। (नमूना उत्तर पत्रक पर दिया गया उदाहरण देखिए)।

कृप्या ध्यान दीजिए कि आपको प्रत्येक श्रण का केवल एक ही उत्तर देना है। अगर एक से अधिक उत्तर दिए जाएं, तो आपको उसके लिये कोई नम्बर नहीं मिलेगा। चाहे आपके दिए हुए उत्तरों में कोई सही भी क्यों न हो। अगर आपने कोई गलती की है और उम गलत उत्तर को बदलना चाहते हैं तो गलत उत्तर को पूरा काट दीजिए, और सही उत्तर साफ-साफ लिख दीजिए।

कुछ महत्वपूर्ण नियम

- (i) आपको परीक्षा के आरम्भ होने के निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंच कर पुरन्त अपनी सीट पर बैठना होगा। परीक्षा शुरू होने से पहले पर्यवेक्षक द्वारा परीक्षा के संबंध में कुछ अत्यन्त विशिष्ट अनुदेश दिए जायेंगे।
- (ii) परीक्षा के आरम्भ होने के 30 मिनट बाद किसी को भी परीक्षा भवन में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- (iii) परीक्षा के आरम्भ होने के बाद 45 मिनट के पहले किसी को भी परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (iv) परीक्षा समाप्त होने के बाद प्रश्न-पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। प्रश्न-पुस्तिका को परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।
- (v) उत्तर-पत्रक पर दिए गये उपयुक्त स्थान पर आपना रोल नम्बर, परीक्षण केन्द्र, प्रश्न-पुस्तिका का कोड नम्बर और अनुक्रमांक साफ-साफ लिखिये। उत्तर-पत्रक पर कहीं भी अपना नाम लिखना नहीं चाहिए।
- (vi) प्रश्न-पुस्तिका और उत्तर-पत्रक पर जो अनुदेश दिये गये हैं, उन सबको आप सावधानी से पढ़ लें। चूंकि मूल्यांकन मर्शीन से किया जाता है, इसलिये अगर आप अनुदेशों का सावधानी से पालन नहीं करेंगे तो आपके नम्बर कम हो सकते हैं। उत्तर-पत्रक पर किसी श्रण के सामने आपकी प्रविष्टी संदिग्ध हो तो उसके लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा।
- (vii) आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ ले आयें। आपको एक पेसिल और एक नीली या काली स्याही बाली कलम भी साथ लानी होगी। आपको कागज का कोई टुकड़ा या रही कागज, पैमाना या छाइंग की सामग्री परीक्षा भवन में लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि उनकी प्रावश्यकता नहीं पड़े गी। कच्चा काम करने के लिए उत्तर-पत्रक पर ही जगह दी गई है। उत्तर स्याही में लिखना चाहिए पेसिल से नहीं। उत्तर पत्रक पर लाल स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

कुछ उपयोगी संकेत

यद्यपि इस परीक्षण में गति की अपेक्षा शुद्धता पर अधिक बल दिया जाता है, फिर भी आपके लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप, जहाँ

तक सभव हो, कुग से कम समय ले। गतुनां के माथ जल्द से जल्द प्रागै बढ़े। यदि आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे सकते हैं तो परेशान न हो। जो प्रश्न आप को बहुत कठिन लगे, उन पर ज्यादा समय न लगाये। बाकी प्रश्नों को पहले करे और कठिन प्रश्नों को बाद में।

प्रत्येक प्रश्न के लिए संभाव्य उत्तर दिए गए हैं। इस लिए हो सकता है कि जिन प्रश्नों के उत्तर आप को ठीक-ठीक मालूम नहीं हैं, उनका अनुमान लगाने के लिए आप सीधे लग जायें। पहले उन प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करे जिनके बारे में आप निश्चित हों। किर ऐसे प्रश्न लीजिए जिनके बारे में आप निश्चित नहीं हैं। यदि आप किसी प्रश्न के बारे में कुछ नहीं जानते हैं तो उसे खाली छोड़ देना ठीक रहेगा। ऐसे प्रश्नों को छोड़ने से, हो सकता है, आपको ज्यादा नम्बर मिलें, बनिस्पत इसके कि आप शूल्य में अनुमान लगाने लगे। किन्तु जहाँ आप विवेकपूर्ण अनुमान लगाने भर की जानकारी रखते हो, वहाँ आप ऐसा कर सकते हैं।

ये प्रश्न आपकी जानकारी, सूक्ष्म-बूज्ज और विश्लेषणशीलता का अनुमान लगाने के लिए बनाये गए हैं, न कि यादाश्त का पता लगाने के लिए। यदि आप संगत विषयों को सरसरी निगाह से देख लें तो लाभदायक होगा जिससे आप अपेक्षित हो जाएं कि आप राम्बद्ध विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

कर्मचारी चयन आयोग

लिपिक अधिकारी परीक्षा, 1978

सं. 12/10/77-प०—भारत के राजपत्र के भाग I खण्ड 1 दिनांक 14 जनवरी, 1978 में कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग (गृह मंत्रालय) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार निम्नलिखित सेवाओं/पदों/कार्यालयों में 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 रु० वाले वेतन मान के लिपिकों की भर्ती करने हेतु रविवार, दिनांक 2 जुलाई, 1978 को अग्रतात्ता, अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, वर्मवार्ड, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, दिस्पुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिमला, श्रीनगर, लिंबिट्रम तथा विदेशों में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में कर्मचारी चयन अयोग द्वारा एक मासूमिक प्रतियोगितामुक परीक्षा ली जाएगी।

गम्भीर

1. भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-VI
2. रेतवे बोर्ड मन्त्रिवालय लिपिकीय सेवा—ग्रेड-II
3. केन्द्रीय मन्त्रिवालय लिपिकीय सेवा—श्रवर श्रेणी ग्रेड
4. पश्चिम भेंटा मुख्यमालय निपांसीय सेवा—श्रवर श्रेणी ग्रेड
5. निर्वाचित आयोग
6. संसदीय कार्य विभाग
7. भारत-तिथ्वत सीमा पुलिस, दिल्ली के महानिरीक्षक का कार्यालय
8. केन्द्रीय सतर्कता आयोग

समूह—व

9. समूह-क में अक्षयित भारत सरकार के अन्य विभागों और संलग्न कार्यालयों में समकक्ष/समानान्तर पद

10. भारतीय छापि अनुसंधान परिषद्

11. समस्त भारत में स्थित भारत सरकार के अधीनस्थ कार्यालयों में समकक्ष/समानान्तर पद

12. थल सेमा/वायु सेना नी सेना के तथा रक्षा मंत्रालय के अधीन अन्तर-सेवा संगठनों के लोयर कार्मशान

13. ऊपर न बताए गए संगठनों में समकक्ष/समानान्तर पद

समूह—ग

14. विल्ली प्रशासन

15. विल्ली नगर निगम

16. दिल्ली विद्युत शावृति निगम में 185—300 रु० के बेतन मान में कनिष्ठ लिपिक, टेलीकोन आप्रेटर तथा महिला कनिष्ठ स्वागती और समकक्ष/समानान्तर पद।

2. रिक्तियों की संख्या —इस परीक्षा के परिणाम पर सब सेवाओं/पदों/कार्यालयों में भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या सारभग 1500 होगी। अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों, भूतपूर्व सैनिकों तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए लाग आवेदों के अनुसार आरक्षण किया जाएगा।

3. आयु सीमाएं 1-1-1978 को 18—25 वर्ष (उम्मीदवार का जन्म 2 जनवरी, 1953 से पहले और 1 जनवरी, 1960 के बाद न हुआ हो)। अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए 5 वर्ष की तथा विस्थापित व्यक्तियों/रक्षा सेना कार्मिकों/सीमा सुरक्षा दल के कार्मिकों/प्रत्यावर्तियों तथा प्रवासियों/भूतपूर्व सैनिकों के

लिए लाग आवेदों के अनुसार उपरी आयु सीमा में सूच होगी।

4. शैक्षणिक योग्यताएं—चमेट्रिक अथवा समकक्ष। समूह ग के पदों के लिए, उम्मीदवार ने मैट्रिक अथवा समकक्ष अथवा उच्चतर परीक्षा में हिन्दी विषय अवश्य लिया हो या प्रश्न पत्र II में हिन्दी में निबन्ध लिखने का विकल्प अवश्य विद्या हो।

5. शुल्क — 12/- रु० (अनुसूचित जातियों/जन जातियों के लिए 3/-रु०) भूतपूर्व सैनिकों के लिए कोई शुल्क नहीं।

श्री लंका/बर्मा से ऐसे प्रत्यावर्तियों के सम्बंध में, जो किस देने की स्थिति में नहीं हैं, शुल्क से सूट दी जा सकती है। शुल्क का भुगतान भारतीय डाक आवेदन द्वारा किया जाना चाहिए जो “प्राप्त कर्ता लेखा” शब्दों द्वारा काटे गए हों या बैक ड्राफ्ट द्वारा, जो नीचे के पैरा 7 की तात्सकिका में बताए अनुसार कर्मचारी चयन आयोग के पक्ष में, बैकल स्टेट बैक आफ इंडिया द्वारा देय हों तथा कम से कम छः मास के लिए बैध हों।

6. अवसरों की सीमा — ऊपर के पैरा 1 में उल्लिखित सब सेवाओं/पदों के लिये उम्मीदवार को सन् 1961 के बाद लिये गये अवसरों को मिलाकर, परीक्षा में बैठने के लिये केवल दो अवसर दिये जायेंगे। परन्तु अवसरों की यह सीमा अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों पर लाग नहीं होगी।

7 केन्द्रों का चयन तथा वह पता जहां आवेदन भेजना चाहिए — उम्मीदवार को उक्त पैरा 1 में उल्लिखित परीक्षा—केन्द्रों में से केवल एक केन्द्र चुनना चाहिए। साधारणतया केन्द्रों में किसी परिवर्तन की प्राप्ति नहीं दी जाएगी। उम्मीदवार जिस केन्द्र को चुनेगा, उसे अपना आवेदन उसी केन्द्र के सामने कालम 2 में उल्लिखित पते पर ही देना चाहिए।

केन्द्र

वह पता जहां आवेदन भेजने चाहिए	वह डाक घर जहां डाक आवेदन देय होने चाहिए	स्टेट इंडिया की बहाला जहां बैक ड्राफ्ट देय होने चाहिए
-------------------------------	---	---

1

2

3

4

1. दिल्ली, जयपुर, पटियाला, श्रीनगर और बिहार में कोई भारतीय मिशन

परीक्षा-नियंत्रक (मुख्यालय) कर्मचारी चयन आयोग, पश्चिम खंड 1, पोस्ट-बैग 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली।

पार्लियमेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली

1	2	3	4
2. इलाहाबाद, भोपाल और पटना	परीक्षा-नियंत्रक (के० क्षे०) कर्मचारी चयन आयोग, 71/3-क्षे० स्टानले रोड, कमला नगर, इलाहाबाद।	जी० पी० ओ० इलाहाबाद	स्थानीय मुख्यालय, इलाहाबाद
3. श्रावणला, कलकत्ता, कटक और विस्पुर (गोहाटी)	परीक्षा-नियंत्रक (प० क्षे०), कर्मचारी चयन आयोग, प्रीमीसिस नं० 15/1 पांचवी मंजिल, चौरंगी स्क्वेयर कलकत्ता।	जी० पी० ओ० कलकत्ता	स्थानीय मुख्यालय कलकत्ता
4. अहमदाबाद, बम्बई और नागपुर	परीक्षा-नियंत्रक (प० क्षे०) कर्मचारी चयन आयोग कारमीलोस बिल्डिंग, (चौथी मंजिल) जी० टी० हस्तपाल के सामने (मेट्रो रिनेमा के निकट) बम्बई	जी० पी० ओ० बम्बई	स्थानीय बम्बई मुख्यालय
5. बंगलौर, हैदराबाद, मद्रास और त्रिवेन्द्रम	परीक्षा-नियंत्रक (द० क्षे०), कर्मचारी चयन आयोग, 150-ए० एल० एल० ए० बिल्डिंग (दूसरी मंजिल) अप्पा सलाहू, मद्रास	जी० पी० ओ० मद्रास	स्थानीय मद्रास मुख्यालय

8. परीक्षा की योजना —परीक्षा के दो भाग होंगे :—

भाग-I—लिखित परीक्षा

पद सं०	विषय	अधिकतम अंक	दिया गया समय
1	2	3	4
1.	अंग्रेजी भाषा तथा सामान्य ज्ञान		
(क)	अंग्रेजी भाषा	50	
(ख)	सामान्य ज्ञान	100	2 घंटे
		150	

II. निबंध, सारलेखन तथा बंध रचना (कम्पोजीशन)

(क) निबंध

(ख) सारलेखन तथा बंध रचना

(कम्पोजीशन)

100
50

150

2 1/2 अंडे

पाठ्य क्रम—प्रश्न-पत्र 1: अंग्रेजी भाषा के प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे यह पता लगाया जा सके कि उम्मीदवार को अंग्रेजी व्याकरण, शब्द-भंडार तथा वर्ण-विन्यास का कितना ज्ञान है तथा अंग्रेजी भाषा के सही और गलत प्रयोग को समझने की शक्ति तथा उनमें विवेक करने की योग्यता कितनी है। सामान्य ज्ञान के प्रश्न ऐसे होंगे जिनसे सामान्य घटनाओं और प्रतिदिन वृष्टिगोचर होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पक्षों के अनुभव का बौध हो जिनकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से, जिसने कि किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो, भाषा की जा सकती है। इस पत्र में भारत के भूगोल से सम्बन्धित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे। प्रश्न पत्र I के प्रश्न आवजेक्टिव टाईप के होंगे। प्रश्न पत्र-II-(क) निबंध (ख) सारलेखन तथा प्रारूपण।

प्रश्न-पत्र-II की उत्तर-पुस्तिकाएं केवल उन्हीं उम्मीदवारों की देखी जाएंगी जो प्रश्न-पत्र I में एक न्यूनतम मानक प्राप्त करेंगे जो आयोग के विवेकानुसार निश्चित किया जाएगा।

उम्मीदवार प्रश्न पत्र-II की मद (क) अर्थात् निबंध का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) या अंग्रेजी में लिखने के लिए स्पष्टना विकल्प दे सकते हैं। प्रश्न-पत्र II की मद (ख) के प्रश्नों के उत्तर सब उम्मीदवारों को केवल अंग्रेजी में ही देने होंगे।

जो उम्मीदवार भाग I (लिखित परीक्षा जिसमें पेपर I तथा II शामिल हैं) में आयोग के विवेकानुसार यथा निर्धारित एक न्यूनतम मानक प्राप्त करेंगे, केवल वही नीचे के भाग II में उल्लिखित टंकण परीक्षा देने के पात्र होंगे।

भाग-II टंकण परीक्षा: इस में दो प्रश्न-पत्र होंगे (1) रनिंग मटर (2) टेबूलर स्टेटमैट—सेतों 10-10 मिनट के होंगे। उम्मीदवारों को टंकण परीक्षा हिन्दी (देवनागरी लिपि) या अंग्रेजी में देने को छूट दी जाती है।

9. उम्मीदवारों का चयन: नियुक्ति के लिए सिफारिश के पात्र केवल वही उम्मीदवार होंगे जो अंग्रेजी में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में कम से कम 26 शब्द प्रति मिनट की गति से टंकण परीक्षा पास करेंगे। जो उम्मीदवार टंकण परीक्षा में पास होंगे, अथवा जिनको उपरिलिखित अधिसूचना के अनुसार इससे छूट दी जाएगी, उन्हें परीक्षा के भाग I में अन्तिम रूप से यिए गए कुल अंकों के आधार पर उनके योग्यताक्रम में रखा जाएगा।

तथा उस क्रम में उतने उम्मीदवारों के लिए आवश्यक रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति की सिफारिश की जाएगी, जितने परीक्षा में पास होंगे। परन्तु यदि अनुसूचित आवश्यक जाति के उम्मीदवारों के लिए आवश्यक रिक्तियां सामान्य मानक के अनुसार पूरी न भरी जा सकी तो उन्हीं रिक्तियों को रियायती मानक के आधार पर भरने की सिफारिशों की जाएगी ताकि आवश्यक कोटे की कमी को पूरा किया जा सके। परन्तु ऐसे उम्मीदवारों को, उनके श्रेष्ठताक्रम में स्थान का ध्यान किए बर्गर चयन के लिए उपयुक्त होना चाहिए।

10. सेवाओं/पदों के लिए अधिमान: उम्मीदवार (क) (ख) और (ग) तीनों समूहों या विसी एक समूह के लिए प्रतियोगिता कर सकते हैं। किसी एक समूह में शामिल की गई सेवाओं/पदों के बारे में अधिमान आयोग द्वारा केवल उन्हीं उम्मीदवारों से प्राप्तिक्रिया किए जाएंगे जो टंकण परीक्षा में प्रविष्ट होने के लिए लिखित परीक्षाओं में पास होंगे।

11. आवेदनों का प्रस्तुतिकरण तथा प्रस्तुति तारीख: निर्धारित शुल्क तथा उम्मीदवार की हाल ही की पासपोर्ट आकार की फोटो की 3 प्रतियों सहित, निम्नलिखित सूचना देते हुए, साथे कागज (फूल स्केप साईज) पर एक और तथा डबल स्पेस में टाईप किए हुए तथा यथाहस्ताक्षरित आवेदन-पत्र उम्मीदवार द्वारा चुने गए केन्द्र के अनुसार उक्त पैरा 7 के नीचे तालिका में उल्लिखित आयोग के किसी कार्यालय में अन्तिम 13 फरवरी, 1978 (विदेशों में या अंडेमान तथा निकोबार द्वीप या लक्ष्मीनारायण द्वीप में रह रहे उम्मीदवारों से 27 फरवरी, 1978) तक प्रवर्षण पहुंच जाने चाहिए।

जो आवेदन अन्तिम तारीख के बाद प्राप्त होंगे अथवा जिनके साथ शुल्क या फोटो नहीं होंगी उनको तुरन्त अस्वीकार कर दिया जाएगा। एक बार दिया हुआ शुल्क किसी भी हालत में वापिस नहीं किया जाएगा। जो उम्मीदवार पहले से सरकारी सेवा में हो, वे भी अपने आवेदन-पत्र सीधे भेज सकते हैं परन्तु यदि वे टंकण परीक्षा में प्रविष्ट किए गए तो उन्हें आयोग के पास एक अनापत्ति प्रमाण पत्र भेजा होगा।

12. आवेदन-पत्र की प्राप्ति-सूचना: आयोग प्रत्येक आवेदन पत्र की प्राप्ति सूचित करेगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि यदि वे कोई आगे पत्र अवश्यकर करें तो इस

पावती पत्र की प्राप्ति के बाद करें तथा पावती पत्र पर उल्लिखित संदर्भ संख्या का भी बर्णन करें।

13. परीक्षा के लिए प्रवेश-पत्र परीक्षा में प्रविष्ट किए गए प्रत्येक उम्मीदवार को आयोग यथा समय प्रवेश पत्र जारी करेगा। यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा की वास्तविक तारीख से कम से कम एक मास पूर्व तक प्रवेश पत्र प्राप्त नहीं करता तो उसे प्रवेश पत्र प्राप्त करने के लिए सुख्त आयोग के सम्बद्ध कार्यालय से सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। इस प्रमाण पत्र के बिना किसी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रविष्ट नहीं किया जाएगा।

परीक्षा में बैठने के लिए आयोग द्वारा कोई यात्रा भस्ता नहीं दिया जाएगा।

आयोग समूह (ख) में शामिल पदों के लिए इस बात का यथा सम्भव प्रयत्न करेगा कि विभिन्न प्रदेशों के उम्मीदवार अपने निवास के प्रदेशों में उपलब्ध होने वाली रिक्तियों में ही रखे जायें। फिर भी आयोग को यह अधिकार है कि वह उक्त समूह के पदों के लिए किसी उम्मीदवार की नियुक्ति के लिए किसी ऐसे प्रदेश में सिफारिश कर सकता है जहां वह साधारणतया न रहता है।

पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग के उस सम्बद्ध कार्यालय को जिसको आवेदन पत्र भेजा गया हो उसकी सूचना साफ अक्षरों में रोल नं० नाम और पते की छः पर्चियों सहित तत्काल भेजनी चाहिए।

लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1978 के लिए आवेदन-पत्र

उम्मीदवार को यहां पर आपनी फोटो की एक प्रति चिपकानी चाहिए।

1. उम्मीदवार का नाम (मोटे अक्षरों में)

2. जन्म तिथि

3. दिए दुए केन्द्रों में से उस केन्द्र का नाम बताएं जिसमें आप परीक्षा देना चाहते हैं

4. क्या आप:—

(क) ग्रन्तमूल्य जाति/आदिम जाति के सदस्य हैं
(ख) भूतपूर्व सैनिक हैं

(ग) श्री लंका/बर्मा से प्रत्यावर्तित हैं यदि हैं तो व्यीरा हैं

5. वह माध्यम (हिन्दी अथवा अंग्रेजी) बताएं जिसमें आप (क) निबंध के पर्चे का उत्तर और (ख) टंकण परीक्षा देना चाहते हैं।

6. साथ भेजे गए पोस्टल आडरों/बैंक ड्राफ्टों की क्रम संख्या तथा संख्या और उन का मूल्यांक

7. पास की छुई परीक्षाएं (बोर्ड/विश्वविद्यालय)

8. अपना धर्म बताएं

9. पिता का नाम

10. (क) वह समूह बताएं जिसके लिए आप प्रतियोगी बनाना चाहते हैं

(ख) यदि आप समूह (ख) के पदों के लिए प्रतियोगी हैं तो वह राज्य/संघ राज्य के बताएं जिसमें आप नौकरी लगना चाहते हैं।

(ग) यदि आप समूह (ग) के पदों के लिए प्रतियोगी हैं तो कृपया बताएं कि क्या आपने अपनी मैट्रिक या समकक्ष या उच्चतर परीक्षा में हिन्दी विषय लिया था।

11. वर्तमान डाक पता

(कृपया अपने नाम और पते की छः टाइप की हुई पर्चियां भी साथ भेजें)

मैं एतद्वारा घोषित करता/करती हूं कि:—

(i) मैंने विभागित पावता की शर्तें भलीभांति पढ़ ली हैं और मैं परीक्षा में प्रवेश के लिए इन शर्तों को पूरा करता/करती हूं तथा जहां तक मेरी अधिकतम जनाकरी तथां विश्वास है, आवेदन-पत्र में दिए गए सभी कथन सत्य, पूरे तथा ठीक हैं।

(ख) मूल वस्तावेज़/प्रमाण-पत्र मांगे जाने पर प्रस्तुत किए जाएंगे।

स्थान :

तिथि :

ज्ञा० विवेक भट्टाचार्य,
परीक्षा नियंत्रक

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 22nd December 1977

No. A.12019/4/77-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission's notification of even number dated 19th August, 1977, Smt. Sudha Bhargava, a permanent Research Assistant (Hindi) of the Union Public Service Commission has been allowed to continue to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) in the Commission's office for a further period of three months w.e.f. 1-12-1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Secy., Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 9th December 1977

N. A. 12025(ii)/1/76-Admn.III.—Consequent on his having been nominated on the basis of the Combined Limited Departmental Competitive Examination 1976 and in pursuance of the Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 5/53/77-CS(I) dated 16-11-1977, the President is pleased to appoint Shri Hakam Singh, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from 1st December 1977, until further orders.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
Incharge of Administration,
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 20th December 1977

CORRIGENDUM

No. A-11/28/77.—Reference this office Notification No. A-11/28/77 dated 11-11-1977. Please read 24-10-77 instead of 27-10-77 in 4th line of the notification.

J. N. ARORA, Deputy Dir. (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th December 1977

No. A-19014/1/76-Ad.V.—Shri P. S. Nigam, relinquished the charge of the office of the Administrative Officer (E), Central Bureau of Investigation on the forenoon of 21st November, 1977 and his services were placed at the disposal of Deptt. of Official Language, Ministry of Home Affairs with effect from 21-11-77 (F.N.).

R. P. GUPTA, Administrative Officer (E),
C.B.I.

New Delhi, the 24th December 1977

No. A-19035/2/77-Ad.V.—Shri Puran Chand, Crime Assistant Zone-III, Central Bureau of Investigation is promoted and appointed as Office Superintendent in C.B.I. with effect from the forenoon of 1-12-1977 until further orders.

The 26th December 1977

F. No. A-19036/11/76-Ad.V.—On reaching the age of superannuation, Shri B. P. Roy Chaudhury has relinquished the charge of the office of Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, EOW, Calcutta Branch with effect from the forenoon of 1-11-77. Shri B. P. Roy Chaudhury has now proceeded on refused L.P.R. for 120 days with effect from 1-11-77 (F.N.).

F. No. A-19036/11/77-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police Special Police Establishment hereby appoints Shri D. P. Singh, Inspector of Police, C.B.I., CIU(II), Branch and an officer of Uttar Pradesh Police Deptt. to officiate as Dy. Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police

Establishment with effect from the forenoon of 24-11-77 in a temporary capacity until further orders.

F. No. A-19036/13/77-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police Special Police Establishment hereby appoints Shri V. T. Sawant, Inspector of Police, C.B.I., Bombay Branch and an officer of Maharashtra State Police to officiate as Deputy Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 23-11-77 in a temporary capacity until further orders.

V. P. PANDEY, Administrative Officer (E),
Central Bureau of Investigation

LAI. BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY
OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 7th September 1977

No. 2/46/75-EST.—In continuation of this Office Notification No. 2/46/75-EST dated 23-4-1977, the Director is pleased to appoint Shri K. C. Saxena as Librarian on *ad hoc* basis for a further period of 3 months with effect from 15-7-1977 against the post fallen vacant due to the death of J. P. Gupta.

The 24th December 1977

No. 2/46/75-EST.—In continuation of this Office Notification No. 2/46/75-EST dated 7-9-1977, the Director is pleased to appoint Shri K. C. Saxena as Librarian on *ad hoc* basis for a further period of 3 months with effect from 15-10-77 against the post fallen vacant due to the death of Shri J. P. Gupta.

S. P. SINGH, Dy. Administrative Officer

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 17th December 1977

No. E-16013(2)/4/77-Pers.—On transfer on deputation Shri V. K. Agnihotri, IPS(MP-72), assumed the charge of the post of Commandant CISF Trg. Reserve with HQs at HAL Pimpri with effect from the afternoon of 2nd November, 1977.

No. E-38013(3)/17/77-Pers.—On transfer from Nagaland, Shri H. C. Panwar assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit IPCL Baroda with effect from the forenoon of 25th November 1977.

The 20th December 1977

No. E-38013(3)/17/77-Pers.—On transfer from Patna, Shri S. K. Rishi assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit Pulp & Paper Company Mokokchung (Nagaland) with effect from the afternoon of 26th November, 1977.

L. S. BISHT, Inspector General/CISF

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 22nd December 1977

No. 7FC-2(22)-A/77.—On transfer from the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), Shri S. K. Das Gupta, a permanent officer of the Selection Grade of the C.S.S., has been appointed as Director in the scale of Rs. 20007125/2-2250 in the Seventh Finance Commission with effect from the forenoon of the 15th December, 1977 until further orders.

The 23rd December 1977

No. 7FC-2(19)-A/77.—Shri R. D. Gupta, a permanent Grade IV officer of the Indian Economic Service has been appointed as Senior Research Officer in the Seventh Finance Commission on deputation basis with effect from the forenoon of 26th September, 1977 until further orders.

P. L. SAKARWAL, Under Secy.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE
COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA
New Delhi, the 27th December 1977

No. 1188-CA.1/15-71.—On his attaining the age of superannuation Shri C. Lakshminarayana, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad, retired from service with effect from 30th November 1977 (Afternoon).

S. D. BHATTACHARYA, Jt. Dir. (Com.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA
Trivandrum, the 20th December 1977

No. Estt. A-VII/9-86/Vol.II/158.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers in the same office with effect from the dates shown against each, until further orders.

1. Shri P. Balasubramonia Iyer, 7-12-77 FN.

2. Shri P. P. Kuttappan, 7-12-77 (FN).

S. JAYARAMAN, Dy. Acctt. Genl. (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE
CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS,
New Delhi-110022, the 26th December 1977

No. 18279/AN-II.—The President regrets to announce the death of Shri A. K. Mithal, Assistant Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut on 4th December, 1977. His name is accordingly struck off the strength of the Defence Accounts Department from 4-12-1977 (AN).

V. S. BHIR
Additional Controller General
of Defence Accounts

MINISTRY OF LABOUR
DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY
Dhanbad, the 19th December 1977

No. 2A(2)77-Adm.I/17267.—The resignation of Shri Dhirendra Kumar Srivastava, Assistant Director of Mines Safety in the Directorate-General of Mines Safety has been accepted with effect from the afternoon of the 14th October, 1977.

S. D. PRASAD
Director-General of Mines Safety

LABOUR BUREAU
Simla-171004, the 11th January 1978

No. 23/3/77-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base : 1960=100 for November, 77 remained stationary at its October, 1977 level of 330 (three hundred and thirty). Converted to base : 1949=100 the index for the month of November, 1977 works out to 401 (Four hundred and one).

A. S. BHARADWAJ
Joint Director

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS
New Delhi, the 12th December 1977

Import and Export Trade Control Establishment

No. 67482/37-Admn(G)/8602.—Shri D. L. Sinha, an officer permanent in Section Officer's Grade of CSS, working as Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta expired on 31-10-1977.

K. V. SESHA DRI, Chief Controller of
Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
Bombay-20, the 20th December 1977

No. 5(2)/77-CLB II.—In exercise of the powers conferred on me by sub-clause (3) of Clause 3 of the Artsilk Textiles

(Production & Distribution) Control Order, 1962, I hereby permit every producer having a spinning plant to produce from the spindles in his undertaking yarn from indigenous polyester fibre and from indigenous acrylic fibre.

Explanation :—The expression "producer" in this notification shall have the same meaning as attributed to it in the Cotton Textiles (Control) Order, 1948.

No. CER/2/77.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/2/77, dated the 15th April, 1977 namely :—

In the said Notification, Note below paragraph 6 shall be renumbered as Note (1) and the following shall be added, as Note (2), namely :—

"**NOTE (2)** : The restriction for the use of any artificial silk yarn in the warp of any cloth shall not apply in respect of yarn produced by the manufacturer in accordance with the Textile Commissioner's Notification No. 5(2)/77-CLB II, dated the 20th December 1977."

The 23rd December 1977

No. CER/3/77.—In exercise of the powers conferred on me by clause 22 of Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69 dated 19th September, 1969, namely :—

In the said Notification :—

1. In paragraph VII after item (5) the following shall be added namely :—

(6) The words "BLENDED YARN" in respect of yarn manufactured partly from cotton and partly from artsilk or partly from cotton and partly from wool.

Further that the manufacturers shall stamp the exact percentage of each of the different type of fibres used in the yarn, after the words "BLENDED YARN" as illustrated below :

"BLENDED YARN—60% cotton 40% polyester"

Provided that when the percentage of any fibre is less than two percent of the total fibre content in the yarn the percentage of such fibre need not be stamped.

NOTE : The example given above is only for the purpose of illustration. Manufacturer shall stamp the actual percentage of cotton content or artsilk or wool content as the case may be in the blended yarn, expressed as percentage to the total fibre content, by weight, of the blended yarn. In case where artsilk fibre is used as one of the components its generic name, for example, Nylon, polyester, acrylic, viscose, etc., as the case may be, shall be stamped as indicated in the illustration above.

G. S. BHARGAVA, Jt. Textile Commissioner

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 20th December 1977

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE, add the following, namely :

1. Add "PE-1-AE for carrying out trial manufacture and field trials at specified locations upto 31st March, 1979" after the entry "NOBELITE".

I. N. MURTY, Chief Controller of Explosives

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 12th December 1977

No. A-1/1(1109).—The Director General, Supplies and Disposals hereby appoints Shri R. P. Bhattacharyya, Supdt.

in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta to officiate as Asstt. Director (Adm) (Gr. II) in the office of the Director of Inspection, Calcutta with effect from the forenoon of 6th December, 1977 and until further orders.

The 16th December 1977

No. A-17011/133/77-A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri A. K. Mitra, permanent Examiner of Stores (Met.) and officiating Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta, to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Met.) in the Jamshedpur Inspectorate under this Directorate General w.e.f. 14-11-77 (F.N.) until further orders.

Shri Mitra is placed on probation for a period of 2 years from 14-11-77.

The 20th December 1977

No. A-1/1(1106).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Sudhir Ranjan Das, JFO in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate on *ad hoc* basis as Asstt. Director of Supplies (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textile) Bombay with effect from the forenoon of 28th November, 1977 and until further orders.

2. The appointment of Shri Sudhir Ranjan Das as Asstt. Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 22nd December 1977

No. A-1/1(1108).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. K. Mukherjee, Superintendent in the office of the Director of Inspection (Met.), Jamshedpur to officiate on local *ad hoc* basis as Assistant Director (Administration) (Gr. II) in the same office with effect from the forenoon of 12th December, 1977 and until further orders.

The appointment of Shri Mukherjee as Asstt. Director (Administration) (Grade II) is on purely *ad hoc* basis and will not confer on him any right of regular appointment to that post.

The 24th December 1977

No. A-1/1(1101).—The Director General of Supplies and Disposals, hereby appoints Shri Jadu Prasad, Supdt. in the office of the Director of Inspection (Met.), Jamshedpur to officiate as Asstt. Director (Adm.) (Grade II) in the office of the D.I. NI Circle, New Delhi with effect from the forenoon of 30th July, 1977 and until further orders.

No. A-1/1(1104).—The Director General, Supplies and Disposals hereby appoints Shri Bipra Das, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta to officiate on *ad hoc* basis as Asstt. Director (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Tex) Bombay with effect from the forenoon of the 28th October, 1977 and until further orders.

2. The appointment of Shri Bipra Das as Asstt. Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

SURYA PRAKASH, Dy. Dir. (Admn.)
for Director General, Supplies & Disposals

(Admn. Section A-6)

New Delhi, the 9th December 1977

No. A-6/247(323)/61-III.—The President has been pleased to appoint Shri R. C. Bhattacharya, AIO (Met) to officiate on purely temporary *ad hoc* basis as Asstt. Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade III of IIS (Class I) w.e.f. the forenoon of the 16th November, 1977.

Shri Bhattacharya relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Met.) in the Burnpur Inspectorate on 15-11-77 (A.N.) and assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met) in the office of the Director of Inspection (Met.) Tatanagar on the forenoon of the 16th November, 1977.

The 15th December 1977

No. A/17011(127)/77-A.6.—The President has been pleased to appoint Shri D. K. Gupta, a candidate, nominated by UPSC to officiate in the Metallurgical Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 16-11-77 until further orders.

Shri Gupta, assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the office of the Director of Inspection (Met.) Tatanagar on the forenoon of 16-11-1977.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 22nd December 1977

No. A-19011(222)/77-Estt.A.—Shri V. Vikraman, a grade III Officer of I.S.S. on promotion to Grade II of the service has joined as Mineral Economist (S) in the Indian Bureau of Mines, Nagpur, with effect from the forenoon of 14th November 1977, until further order.

L. C. RANDHIR,
Head of Office
for Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 23rd December 1977

No. 40/59/C/19A.—Shri B. K. Chatterjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 10-10-1977, until further orders *vice* Shri A. R. Biswas, Assistant Administrative Officer, Central Region, Geological Survey of India on leave.

V. K. S. VARADAN,
Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 20th December 1977

No. E1-5316/724-SOS.—Shri Vijay Prakash Mital is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900 with effect from the forenoon of 13th October, 1977.

The 24th December 1977

No. C-5320/718-A.—Shri U. S. Sivasava, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on *ad hoc* basis in Map Publication Directorate, Survey of India, Dehra Dun on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 14th November 1977 (F.N.) *vice* Shri M. P. Jain, Establishment and Accounts Officer proceeded on leave.

K. L. KHOSLA,
Major-General,
Surveyor-General of India

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 8th December 1977

No. 2/43/60-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint on promotion Shri B. K. Mitter, Administrative Officer, External Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer, News Services Division, All India Radio, New Delhi with effect from afternoon of 5-8-77 until further orders.

(This cancels the Notification issued *vide* this Directorate's No 2/43/60-SII, dated 21-9-77).

The 19th December 1977

No. 19/6/77-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint the following Senior Grade Stenographers working in News Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Reporter (Monitoring), News Services Division, All India Radio, New Delhi on a purely *ad hoc* basis with effect from the dates mentioned against each and until further orders:—

1. Shri D. P. Kashyap—3-11-77.
2. Shri R. V. Neelakanthan—7-12-77.

The 22nd December 1977

No. 2/1/62-SII.—Shri P. K. Dutta Gupta, Administrative Officer, All India Radio, Kohima retired from service with effect from 30-11-1977 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

S. V. SESHADRI, Dy. Dir. of Admn.
for Gir. Genl.

New Delhi-1, the 19th December 1977

No. 4(57)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Prahalad Kumar Patel, as Programme Executive, All India Radio, Ranchi in a temporary capacity with effect from 9th November, 1977 and until further orders.

The 22nd December 1977

No. 4(32)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Shyam Vidvarthi as Programme Executive, All India Radio, Allahabad in a temporary capacity with effect from 29th November, 1977 and until further orders.

The 23rd December 1977

No. 4(42)/75-SI-Vol.II.—On his selection as a Probationer in the Indian Customs and Central Excise Service Shri Rakesh Kumar Jain, resigned from the post of Programme Executive, All India Radio, Ahmedabad which he held in a temporary capacity in the afternoon of 9th November, 1976.

No. 4(16)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Jash Karan Goswami as Programme Executive, All India Radio, Jairur in a temporary capacity with effect from 26th November, 1977 and until further orders.

No. 4(41)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Alka Upadhyaya as Programme Executive, All India Radio, Rohtak in a temporary capacity with effect from 1st December, 1977 and until further orders.

The 24th December 1977

No. 4(69)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Naima Rizvi as Programme Executive, External Services Division, All India Radio, Delhi in a temporary capacity with effect from 18th August, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ, Dy. Dir. of Admn.
for Dir. Genl.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th December 1977

No. A.19019/31/77-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) J. D. Pushpa to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government

Health Scheme at Hyderabad on temporary basis with effect from the forenoon of 10th August, 1977.

N. S. BHATIA, Dy. Dir. Admn.
CGHS

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 26th December 1977

No. F.4-6(59)/77-A.III.—Shri B. S. Bhardwaj, Assistant Marketing Officer in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi died on the 2nd November, 1977.

V. P. CHAWLA, Dir. of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 6th December 1977

No. DPS/23(6)/77-Adm./36055.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri B. S. Sharma, Storekeeper, Stores Unit(DPS), NAPP, Narora to officiate as Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 21-11-1977 (FN) to 18-1-1978 (AN) vice Shri B. D. Kandpal, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/23/4/77-Est./36073.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. Krishna Iyer, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 28-10-1977 to 30-11-1977 vice Shri S. G. Kadulkar, Assistant Purchase Officer granted leave.

The 12th December 1977

No. DPS/23/2/77-Est./36644.—In continuation of this Directorate notification of even number dated October 26, 1977, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. A. Shaikh, Storekeeper, Central Stores unit of this Directorate to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the same Directorate for a further period upto November 10, 1977 (AN).

The 14th December 1977

No. DPS/23/3/77-Est./36650.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. P. Singh, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as a temporary Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from November 7, 1977 (FN) to December 9, 1977 (AN) vice Shri K. Chandrasekharan, Assistant Stores Officer, (S-3), Trombay Village Stores, granted leave.

No. DPS/23/4/77-Est./36656.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. T. Parameswaran, Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 5-12-1977 to 7-1-1978 vice Shri P. V. Ramanathan, Assistant Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI, Asstt. Personnel Officer

Bombay-400001, the 8th December 1977

No. DPS/2/1(25)/77-Adm.36106.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Dilip Kumar Roy, Section Officer in the Office of the Accountant General, Posts & Telegraphs (Audit Office, Calcutta) as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960, on deputation terms, in this Directorate.

rate with effect from the forenoon of October 26, 1977 until further orders.

K. P. JOSEPH,
for Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 17th December 1977

No. 05052/77/6646.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Prabhakar Suryabhan Shelke, a temporary Supervisor (Civil) of Heavy Water Project (Kota) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977, until further orders.

No. 05052/77/6647.—Officer-on-Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri Baldev Krishan Kapil, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977, until further orders.

No. 05052/77/6648.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Christudass Arulananda Raj, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977 until further orders.

No. 05052/77/6649.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri P. A. Oommen Vaidhyan, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977, until further orders.

No. 05052/77/6650.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Harshvardhan Anandlal Mankad, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977, until further orders.

No. 05052/77/6651.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Santosh Kumar Jain, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977, until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY, Senior Admn. Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana, the 6th December 1977

No. TAPS/1/18(5)/77-R.—Consequent on assumption of charge of the post of Administrative Officer II by Shri B. C. Pal with effect from 14-11-1977 (F/N), Shri V. K. P. Pillai, who was promoted to officiate as Assistant Personnel Officer with effect from 21-7-1977, *vide* notification No. TAPS/1/18(3)/77-R, dated 1-11-1977 has relinquished the charge of the post of Assistant Personnel Officer with effect from 14-11-1977 (F/N).

The 10th December 1977

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—On his reporting from the Western Railway the Chief Superintendent, TAPS, DAE appoints Shri G. D. Baviskar, Section Officer (Accounts) in the office of Executive Engineer (Construction), Western Railway, Baroda as Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power Station in a temporary capacity for one year on deputation basis with effect from 14-11-1977 (F/N) until further orders.

A. D. DESAI,
Chief Administrative Officer

9-416 GI 77

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th December 1977

No. A.32014/2/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. K. Goswamy, Communication Assistant, ACS, Gauhati to the grade of Assistant Communication officer on regular basis w.e.f. the 29-10-77 (AN) and until further orders and to post him at the same station.

The 19th December 1977

No. A. 32014/4/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on *ad-hoc* basis with effect from the date indicated against each and post them to the station indicated against each :

S. Name No.	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1. Shri Kiran Rai	A. C. S. Calcutta	A. C. S. Calcutta	4-11-77 (FN)
2. Shri B. S. Bakshi	A. C. S. Palam	A. C. S. Safdarjung	6-11-77 (FN)
3. Shri A. K. Saxena	CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	2-11-77 (FN)
4. Shri K. L. Bhasin	RCD&U, New Delhi	RCD&U, New Delhi	28-10-77 (FN)
5. Shri N. S. Sapre	A. C. S. Bombay	A. C. S., Bombay	15-11-77 (FN)

The 23rd December 1977

No. A. 32013/5/77-EC.—The President is pleased to appoint the following two officers to the grade indicated against each on *ad hoc* basis with effect from the 5th December, 1977 (F/N) each and till such date the vacancies are available on *ad hoc* basis :—

S. Name and designation No.	Present Stn. of posting	Designation & station of posting
1. Shri P. S. Dhunta, Sr. Technical Officer .	D.G.C.A. (Hqrs.)	Asst. Dir. Comm. (Planning) Head- quarters.
2. Shri R. P. Sharma, Sr. Commn. Officer .	Do.	A.D.C. (Staff) Hqrs.

No. A. 38012/1/77-EC.—Shri N. C. Nath, Regional Controller of Communication, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his office on the 30-11-77 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA.
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 14th December 1977

No. A.32013/8/77-E.I.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. R. Bhatia, a permanent Accountant in this Department to the post of Accounts Officer, Civil Aviation Department on *ad hoc* basis for a further period of six months beyond 26-11-1977 (A.N.) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A.32013/8/77-E.I., dated the 10th June, 1977.

The 15th December 1977

No. A. 32013/8/76-E.I.—The President is pleased to appoint Shri B. Hajra, to the post of Regional Director,

Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta on *ad hoc* basis, for a period beyond 2nd September, 1977, and upto 31-12-78, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A.32013/8/76-E.I., dated the 6th April, 1977.

No. A.32013/10/77-E.I.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. K. Chakraborty, Officiating Senior Librarian (Permanent Librarian) in this Department to the post of Chief Librarian (Group 'B' Gazetted) in this Department in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, for a period of six months beyond 14-12-1977 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier in continuation of this Department Notification No. A.32013/10/77-E.I., dated 28-6-77.

P. C. JAIN
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 5th August 1977

No. 12/4/75-FST.—The following officiating/temporary Assistant Engineers are appointed as Assistant Engineers in a substantive capacity with effect from the date indicated against each under column No. 3.

S. No.	Name	Date from which appointed in a substantive capacity in the post
(1)	(2)	(3)
1.	Shri R. N. Shukla	5-3-1968
2.	Shri S. C. Padhi	6-3-1968
3.	Shri T. V. Dakshinamurthy	15-6-1968
4.	Shri Rama Subbia Krishnan	16-6-1968
5.	Shri S. L. Bhargava	17-6-1968
6.	Shri K. V. Vasudevan	18-6-1968
7.	Shri M. K. Jain	19-6-1968
8.	Shri T. P. C. Nayar	31-7-1968
9.	Shri S. P. Aggarwal	4-8-1968
10.	Shri B. Devidoss	5-8-1968
11.	Shri N. R. Biswas	2-3-1969
12.	Shri Subhash Jain	27-7-1970
13.	Shri V. G. Paranjpe	28-7-1970
14.	Shri T. S. Srinivasan	29-7-1970
15.	Shri M. L. Chodri	30-7-1970
16.	Shri P. V. Hayagrivan	31-7-1970
17.	Shri N. R. Sondur	1-8-1970
18.	Shri C. P. Subramanian	2-8-1970
19.	Shri B. V. Iyer	3-8-1970
20.	Shri A. K. Rajagopalan	4-8-1970
21.	Shri M. S. Krishnamurthy	1-9-1970
22.	Shri S. N. Chandurkar	5-9-1970
23.	Shri D. Venkataraman	12-3-1971
24.	Shri R. Narasimhan	6-1-1972
25.	Shri K. K. Kheterpaul	17-7-1972
26.	Shri K. R. Kaira	1-3-1973
27.	Shri S. V. Kamath	2-3-1973
28.	Shri M. C. Jain	3-3-1973
29.	Shri P. D. Gupta	4-3-1973
30.	Shri P. K. Rajaraman	5-3-1973
31.	Shri Suresh Batra	6-3-1973

(1)	(2)	(3)
32.	Shri R. N. Garg	7-3-1973
33.	Shri S. S. Bansal	8-3-1973
34.	Shri A. Surendran	6-4-1973
35.	Shri Anil Kumar	1-3-1974
36.	Shri M. M. Ghosh	2-3-1974
37.	Shri S. S. Sekhawat	3-3-1974
38.	Shri K. Sadasivan	4-3-1974
39.	Shri A. Chandramouli	5-3-1974

The 20th December 1977

No. 1/434/77-EST.—The resignation from service of Shri V. N. A. Unnithan, Offg. Assistant Engineer, R&D Unit, Headquarters Office, Bombay, has been accepted with effect from the forenoon of 28th October, 1977.

No. 1/442/77-EST.—Shri T. Suresh Kumar is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in Arya Branch, with effect from the afternoon of the 26th September, 1977, and until further orders.

No. 1/444/77-EST.—Shri Krishan Baldev Gulati is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in Videsh Sanchar Bhavan, New Delhi with effect from the forenoon of the 7th October, 1977, and until further orders.

P. G. DAMLE
Director General

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM
MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 24th December 1977

No. 16/266/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Indra Dev, Research Assistant Grade I as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme on "Development of Economics methods for protection of logs and wood chips from decay and insect attack", under the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 8th July, 1977 until further orders.

The 26th December 1977

No. 16/280/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Vijay Kumar Srivastava, as Research Officer under the Fifth Five Year Plan Scheme on Forest Productivity, Dehra Dun, under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 13-12-77 until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR
Kul Sachiv

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS
CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, ALLAHABAD

Allahabad, the 17th December 1977

No. 28/1977.—Shri P. N. Khanna, Officiating Superintendent of Central Excise, Group 'B' posted as Superintendent Central Excise, in the Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur has retired from Government service in the afternoon of 31-10-1977.

A. L. NANDA
Collector

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, M.P.

Indore, the 26th December 1977

C. No. II(3)7-Con/77/2046.—Consequent upon his promotion as Examiner of Accounts, Central Excise Group 'B' Shri P. V. Thakre has assumed charge as Examiner of Accounts C. Ex. Hqrs. Office, Indore in the forenoon of 13-12-77.

M. S. BINDRA
Collector

DIRECTORATE OF O&M SERVICES
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 27th December 1977

No. 16/77.—Shri S. P. Kundu, lately posted as Section Officer in the Central Board of Excise and Customs, New Delhi, on his appointment as Junior Analyst in the Directorate of O & M Services, Customs and Central Excise, New Delhi on deputation, assumed charge of the post on 30-11-77 (A.N.).

DAYA SAGAR
Director

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400001, the 1977

No. 23-TR(4)/75.—Shri Siva Prasad Panda, Lecturer in Navigation & Seamanship, in the L.B.S. Nautical & Engineering College, Bombay relinquished charge of his post with effect from 1-11-76 (FN) consequent upon acceptance of his resignation.

M. WALA
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 22nd December 1977

No. A-19012/1/77-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri C. Hari Das to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 20-9-76 (FN).

Shri C. Hari Das assumed charge of the post of Assistant Engineer in the Western Gauging Sub Division, Surat w.e.f. 20-9-76 (FN).

No. A-19012/14/77-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri A. K. Valsalan to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and *ad hoc* basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 5-11-77 (F.N.).

Shri A. K. Valsalan assumed charge of the post of Assistant Engineer, Bhopal Gauging Sub Division, Bhopal w.e.f. 5-11-77 (F.N.)

J. K. SAHA
Under Secretary

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 27th December 1977

No. 12/2/76-ECIX.—The President is pleased to confirm the following officers recruited through the U.P.S.C. as Deputy Architect in the General Central Service Group A in the Central P.W.D. in their appointment in the grade of Deputy Architect, with effect from the dates indicated against each:—

1. Shri S. C. Bhatia—18-5-73.
2. Shri S. Seshagiri Rao—9-6-1973.
3. Shri K. P. Satdave (S/C)—1-7-1973.
4. Shri S. F. B. Jessudian—28-2-1974.
5. Shri S. R. Sikka—1-5-1974.

D. P. OHRI
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 26th December 1977

No. 75/EB/1503.—It is hereby notified for general information that the Kantabanji (exclusive)—Raipur (exclusive) section has been transferred back to Waltair Division of the South Eastern Railway with effect from 1st September, 1977. This supersedes notification No. 75/EB/1503, dated 30-3-76 regarding the transfer of this section to Bilaspur Division.

B. MOHANTY
Secretary, Railway Board
& *ex-Officio* Jt. Secretary

N. F. RAJLWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE
(PERSONNEL BRANCH)

Maligaon, the 7th September 1977

No. E/55/III97(0).—(A) The following Officers of the IRAS is confirmed in Senior Scale from the date shown against him:—

Name and Date from which confirmed

Shri A. K. Sanyal—10-3-76.

(B) The following Officers are confirmed in Class II Service as Assistant Accounts Officer with effect from the date shown against each:—

Name and Date from which confirmed

1. Shri B. N. Bhattacharjee—8-7-76.

2. Shri S. N. Prasad—27-4-77.

G. H. KESWANI,
General Manager

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 19th December 1977

No. 22.—Shri J. P. Srivastava, officiating St. Civil Engineer, Railway Electrification, Allahabad of this Railway retired from Railway Service with effect from the afternoon of 30th November, 1977.

G. H. KESWANI
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(Department of Company Affairs)
Company Law Board

Office of the Registrar of Companies

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Agro Craft (Global) Private Limited*

Patna, the 20th December 1977

No. (992)77-78/1/5695.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Agro Craft (Global) Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. BANERJEE
Registrar of Companies, Bihar

*In the Matter of Companies, Act, 1956 and of
Shivanand Gurdevs And Company Private Limited, Jaipur*

Jaipur, the December 1977

No. STAT/1366.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Shivanand Gurdevs And Company Private Limited, Jaipur has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Kapoor Brothers Private Limited*

Chandigarh, the 22nd December 1977

No. GSTAT/560/259.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kapoor Brothers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. and Chandigarh

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Bijoy Press Private Limited*

Cuttack, the 23rd December 1977

No. A.628/77-4575(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bijoy Press Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Diamond Steel Industries Private Limited*

Cuttack, the 23rd December 1977

No. A.623/77-4576(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Diamond Steel Industries (P) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Planters Guide & Supply Co. Private Limited*

Calcutta, the 23rd December 1977

No. 10468/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Planters Guide & Supply Co. Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Maruti Agencies Private Limited*

Calcutta, the 23rd December 1977

No. 25699/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Maruti Agencies Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Jolly Chemi Plastics Private Limited*

Calcutta, the 23rd December 1977

No. 27877/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jolly Chemi Plastics Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Eastman Printers Private Limited*

Calcutta, the 23rd December 1977

No. 28965/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Eastman Printers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Chandra Nagar Tea Co. Limited*

Calcutta, the 26th December 1977

No. 5339/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Chandra Nagar Tea Co. Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
B. Chowdhury Private Limited*

Calcutta, the 26th December 1977

No. 11350/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the B. Chowdhury Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Surya Kumar Singh & Sons Private Limited*

Calcutta, the 26th December 1977

No. 19846/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Surya Kumar Singh & Sons Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Ram Dhamu Pictures Private Limited*

Calcutta, the 26th December 1977

No. 24102/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Ram Dhamu Pictures Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
India Ferro Manganese Mfg. Co. Ltd.*

Calcutta, the 26th December 1977

No. 25557/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of India Ferro Manganese Mfg. Co. Ltd. has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Keystone Engineering Company Private Limited*

Calcutta, the 26th December 1977

No. 29292/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Keystone Engineering Company Private Ltd. has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

Notice Under Section 560(4) of Companies Act, 1956/In the matter of M/s. Universal Commercial Agency Pvt. Ltd. (in Liqn.)

Calcutta-1, December 1977

No. L/21359/D-1498.—Whereas under section 560(4) of the Companies Act, 1956, I have reasonable cause to believe that the affairs of the Company are fully wound up and the returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six (6) consecutive months.

I, therefore, hereby notify that at the expiration of three (3) months from the date of this notice, the name of the Company will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the Company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Asst. Registrar of Companies,
West Bengal

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 23rd December, 1977

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/IV/77-78/32363.—In partial modification of this Office Notification F. No. JUR-DLI/IV/77-78/23051 dated 30-8-71 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax mentioned in Column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such area or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax officers of the Districts/Circles mentioned in column 2 of the said schedule :—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distts./Circles
(1)	(2)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-III-D, New Delhi.	1. Distt. III(3), III(14), III(15), III(28), III(29) and III(35), New Delhi. 2. 3rd Addl. Survey Circle-III, New Delhi. 3. 4th Addl. Survey Circle-III, New Delhi.

This notification shall take effect from 19-12-1977.

No. JUR-DLI/IV/77-78/32261.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax,

Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax District/Circles shall be created in Delhi-IV charge, New Delhi with effect from 19-12-77.

1. 4th Addl. Survey Circle-III, New Delhi.

No. JUR-DLI/IV/77-78/32566.—In exercise of the powers conferred by sub-section 1 & 2 of section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notification issued earlier on the subject CIT-IV New Delhi hereby directs that the ITO 4th Addl. Survey Circle III shall have concurrent jurisdiction with the I.T.Os Survey Circle III, 1st Addl S. Circle III, 2nd Addl. S. Circle III and 3rd Addl Survey Circle III in respect of the person/case assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-IV also authorises the I.A.Cs. Range III-A III-B, III-C and III-D to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of the section 124 of the I.T. Act 1961.

This notification shall take effect from 19-12-1977.

A. J. RANA
Commissioner of Income-tax
Delhi-IV : New Delhi

New Delhi, the 19th December 1977

No. JUR-DLI/V/77-78/31946.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-V New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circles shall be created with effect from 19-12-1977.

Distt. VII(7) New Delhi.

No. JUR-DLI/V/77-78/32067.—In exercise of the powers conferred by sub-section 1& 2 of section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T.V. New Delhi hereby directs that the I.T.O. Distt. VII(7) shall have concurrent jurisdiction with I.T.Os VII(3), VII(4) and VII(5) in respect of the persons/case assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-V also authorises the I.A.C.V-B to pass such orders as contemplated in sub-section of the section 124 of the I.T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 19-12-77.

K. R. RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax
Delhi-V, New Delhi

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Alapat Poly.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 16th December 1977

Ref. No. L.C. No. 159/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Chempukavu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 25-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

201 cents of land with buildings in Sy. No. 205/3 in Chembukavu in Trichur District.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-12-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Habirunnesa
W/o Shri S. I. Mohamed Ibrahim
No. 95, N. H. Road, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 24th December 1977

Ref. No. F. 4273/April/77.—Whereas, I, K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 819/1, 820/1, 820/2, 823/1, 824/1 & 824/2 Vellalur Village, Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur (Doc. No. 134/77) on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri V. Muthusami
S/o Shri Vellingiri Pannadi
Vellalur P.O.
Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.87 $\frac{1}{4}$ acres of land bearing S. F. No. 819/1, 820/1, 820/2, 823/1, 824/1 and 824/2 situated at Vellalur village, Coimbatore Taluk.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-12-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 24th December 1977

Ref. No. F. 4273/April/77.—Whereas, I, K. Poonan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. F. Nos. 819/1, 820/1, 820/2, 823/1, 824/1 and 824/2 Vellalur P.O. Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur (Doc. No. 135/77) on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Habibunneesa
W/o Shri S. I. Mohamed Ibrahim
No. 95 N. H. Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri Kanniappan
S/o Vellingiri Punnadi
Vellalur P.O.
Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3.874 Acres of land bearing S. F. Nos. 819/1, 820/1, 820/2, 823/1, 824/1 and 824/2 situated at Vellaloor P.O., Coimbatore Taluk.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 24-12-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 24th December 1977

No. 200/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Registration No. 673 situated at S. Jose D'Areal, within Village Panchayat of the same name, Sub-District of Salcete (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao, under Document No. 538, on 24-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

10—416 GI/77

(1) Smt. Olinda Quiteria Do Rosaria Da Costa, D/o late Antonio Pedro Da Costa, Cutrim.

(2) Fr. Jose Francisco Leonaldo Do Rosario Costa, Alias Josico Da Costa, Catholic Priest, R/o Ceylon, Power of Attorney holder of Sl. No. 1. (Transferor)

(3) Smt. Maria Fausta Da Piedade Rodrigues Noronha E Costa, Power of Attorney Holder Serial No. 1.

(4) Mis Ana Maria Da Costa, Resident of Quepem (Goa).

(2) M/s. Timblo Engineering Private Limited, Represented by Director Shri Panduranga Timblo, Margao (Goa).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one third or an undivided one third part of southern of the land known as "Poderachem Molla" situated at S. Jose D'Areal, Sub-district of Salcete. Land Registration No. 673.

Bounded :

East : By property of Quexova Sinai Cunde,
West : By remaining part of the same property "Poderachem Molla".

North : By Public Road,

South : By property belonging to Enio Pimenta.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 24-12-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 24th December 1977

No. 198/77-78/Acqn.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Registration No. 673, situated at S. Jose D'Areil, within village Panchayat of the same name, sub-district of Salcete, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao, under Document No. 536, on 21-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. (1) Smt. Olinda Quiteria Do Rosario Da Costa, D/o Late Antonio Pedro Da Costa, Curtorim,
- (2) Fr. Jose Francisco Leonardo Do Rosario Costa, Alias Josico Da Costa, Catholic Priest, R/o Ceylon, Power of Attorney holder of S. No. 1.
- (3) Smt. Maria Fausta Da Piedade Rodrigues Noronha E Costa, Powet of Attorney holder Serial No. 1.
- (4) Miss Ana Maria Da Costa, Resident of Quepem (Goa)

(Transferors)

2. M/s. Timblo Engineering Private Limited, Represented by Director Shri Panduranga Timblo, Margao (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one third of an undivided one third part of southern of the land known as "Poderachem Molla" situated at S. Jose D'Areil, Sub-district of Salcete Land Registration No. 673.

Bounded :

East : By property of Quexova Sinai Cunde,
West : By remaining part of the same property "Poderachem Molla".
North : By Public Road,
South : By property belonging to Enio Pimenta.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 24-12-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. (1) Smt. Olinda Quiteria Do Rosario Da Costa, D/o Late Antonio Pedro Da Costa, Curtorim.
- (2) Fr. Jose Francisco Leonardo Do Rosario Costa, Alias Josico Da Costa, Catholic Priest, R/o. Ceylon, Power of Attorney holder of Sl. No. 1.
- (3) Smt. Maria Fausta Da Piedade Rodrigues Noronha E Costa, Power of Attorney holder Serial No. 1.
- (4) Miss Ana Maria Da Costa, Resident of Quepem (Goa).

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

2. M/s. Timblo Engineering Private Limited, Represented by Director, Shri Panduanga Timblo, Margao (Goa).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 24th December 1977

No. 199/77-78/Acqn.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Registration No. 673, situated at S. Jose D'Arcal, within Village Panchayat of the same name, Sub-district of Salcete, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao, under Document No. 537 on 21-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one third or an undivided one third part of southern of the land known as "Poderachem Molla" situated at S. Jose D'Arcal, Sub-district of Salcete. Land Registration No. 673.

Bounded :

East : By property of Quexova Sinai Cunde.

West : By remaining part of the same property "Poderachem Molla".

North : By Public Road.

South : By property belonging to Enio Pimenta.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 24-12-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 23rd December 1977

Ref. No. AP-65/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on April 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Niranjan Singh, S/o Sh. Karam Singh, B-57, Mann Street, Satnampura, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Dev Raj S/o Sh. Mohabbat Rai Smt. Ida Wati W/o Shri Dev Raj, B-XLVI, Satnampura, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. B-XLVI in Satnampura at Phagwara as mentioned in registration deed No. 5 dated 1-4-1977 registered with the S. R. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date. 23-12-977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sita Devi Wd./o Dr. Jaswant Rai
S/o Sh. Ram Dass, Krishna Gali,
Main Bazar, Moga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

(2) Shmt. Vidya Wanti W/o Sh. Roop Lal
s/o Sh. Bhagat Ram, 48-Saidai Nagar,
Moga.

(Transferee)

"(3) As per S. No. 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Bhatinda, the 23rd December 1977

Ref. No. AP-66/BA/77-78.—Whereas, I P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Moga
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated in Old-Grain-Market, Moga bearing No. 25 as mentioned in registration deed No. 271 dated 20th April 1977, registered with the S. R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-12-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th December 1977

Ref. No. AP-67 BA/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of Section 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per Schedule situated at V. Haripura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Siri Krishan S/o Sh. Khtaaaj s/o Sh. Hardaas, resident of village Haripura, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) (i) S/Sh. Rajinder Singh, Narinder Singh s/o Sh. Baldev Singh, s/o Sh. Hakim Singh,
(ii) S/Sh. Gurmit Singh, Amardeep Singh s/o Sh. Gupti Singh.
(iii) S/Sh. Gurdip Singh s/o Sh. Hakim Singh s/o Sh. Bhole Singh, r/o village Danewala Satkauri, Teh. Fazilka

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.
(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 kanals and 19 marlas in village Haripura, Teh. Fazilka as mentioned in sale deed No. 766 of June, 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 27-12-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Sur Krishan s/o Sh. Khraiij
s/o Sh. Haidar, resident of village Haripura,
Teh. Fazilka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jangir Kaur d/o Sh. Hakim Singh
s/o Sh. Bhola Singh, resident of village Danewala
Satkausi, Teh. Fazilka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per S. No. 2.
(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property).

Bhatinda, the 27th December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No AP-12068/BTD/77-78 —Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at V. Haripura
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Abohar on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 41 Kanals 19 Marlas in village Haripura, Teh. Fazilka as mentioned in sale deed No. 602 of June, 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-12-1977.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th December 1977

Ref. No. AP-No. 69/BTI/77-78.—Whereas, I P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Haripura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Suri Krishan s/o Sh. Kheraj s/o Sh. Hardaas, 1/o village Haripura, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) (i) S/Sh. Rajinder Singh, Narinder Singh ss/o Baldev Singh,
(ii) S/Sh. Gurmeet Singh, Amardeep Singh ss/o Gurpreet Singh,
(iii) Sh. Gurdeep Singh s/o Sh. Hakim Singh, r/o Village Haripura, Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2,
(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38 Kanals and 5 marlas in village Haripura, Teh. Fazilka as mentioned in sale deed No. 540 of June, 1977 registered with the Sub-Registrar, Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 27-12-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th December 1977

Ref. No. AP 70/BPI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Haripura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

11—416GI/77

(1) Shri Siri Krishan s/o Sh. Khraaj s/o Shri Hardaas, r/o village Haripura, Teh. Fazlka.

(Transferor)

(2) (i) S/Sh. Rajinder Singh, Narinder Singh s/o Baldev Singh,

(ii) S/Sh. Amardeep Singh, Gurmit Singh s/o Gurpreet Singh &

(iii) S/Sh. Gurdeep Singh s/o Sh. Hakim Singh, resident of village Danewala Satkausi, Teh. Fazlka.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48 Kanals in village Haripura, Teh. Fazlka as mentioned in registration deed No. 481 of June, 1977 registered with the Sub-Registrar, Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-12-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Siri Krishan s/o Sh. Khraaj
s/o Shri Hardaan, r/o village Hari Pura,
Teh. Fazilka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th December 1977

Ref. No. AP-71/BD/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Haripura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) (i) S/Sh. Rajinder Singh, Narinder Singh ss/o Sh. Baldev Singh,
- (ii) S/Sh. Gurmit Singh, Amardip Singh ss/o Sh. Gurpreet Singh son/o Shri Hakim Singh and
- (iii) S/Sh. Gurdeep Singh s/o Sh. Hakim Singh s/o Sh. Bhola Singh, r/o village Danewala Satkousi, Teh. Fazilka.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2.
(Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48 Kanals in village Haripura, Teh. Fazilka as mentioned in sale deed No. 428 dated 26th May, 1977 registered with the Sub-Registrar, Abohar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 27-12-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harun S/o Hazi Abdul Sattar
C/o Harun tyre Retrading Co. Station Road
Choti Gwal Toli Indore.

(Transferor)

(2) Shrimati Dwarka Bai W/o Shri Chaturbhuj Saras
R/o Gandhi Chowk, Harda (M.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 26th December 1977

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/908/77-78.—Whereas, I, R. K. Bali, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 30 situated at Jaora Compound Main Road, Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 30 situated at Jaora Compound Main Road, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Acquisition Range, Bhopal.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26th December 1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dhananjay, C. Pandya R/o C/o M/s Chandul Pandya, Rangwala, 98, Siyaganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 26th December 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/909.—Whereas, I, R. K. Bali, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 24, Yeshwant Colony, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Retired Major Sridhai G. Khot, R/o 24, Yeshwant Colony, Opp. Yeshwant Club, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24, Yeshwant Colony, Indore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26th December 1977

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

Bhopal, the 26th December 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/910.—Whereas, I, R. K. Bali, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. M. No. 159/4, 159/3, 159/5, 159/6, 159/1, 159/10 etc. situated at Subhash Marg, situated at Mundwara, JBL, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mundwara on 9-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Mulla Saifuddin S/o Shri Tahir Ali,
(2) Shri Fida Hussain,
(3) Shri Fakurddin,
(4) Shri Jubbar Hussain,
(5) Shri Tasduk Hussain S/o Hazi Usuf Ali all
R/o Bhim Ganj Mandi Kota.

(Transferor)

(2) (1) Shri Jodhamal S/o Shri Budharmal Sindhi
R/o Robertline Katni Camp, Katni,
(2) Shri Prasad S/o Shri Jwala Prasad Jaiswal
R/o Guru Nanik Ward, Katni Teh. Mundwara,
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. No. 159/4, 159/3, 159/5, 159/6, 159/1 and 159/10 etc. situated at Subhash Marg, Mundwara, Jabalpur

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 26th December 1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd December 1977

C. R. No. 62/9766/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.C.C. shop building bearing Mun. No. 2338A, on site No. 75 & 76 situated at 2nd Main Road, New Mandipet, Tumkur Town, Tumkur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Head Quarters, Sub Registrar, Tumkur, Doc. No. 425/77-78 on 23-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri T. B. Siddaramaiah,
(2) T. B. Kumarswamy and
(3) T. B. Mahalingaiah
Children of Sri Borappa

All residing at Vinayakanagar, Tumkur Town, Tumkur.

(Transferor)

(2) Sri Chick Gowdappa,
S/o Bomme Gowda, Ganjalagunte,
Kallamhalli Hobli, Tarur Majre, Sira Taluk,
Tumkur District.

(Transferee)

(4) M/s. Sangameshwara Traders.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 425/77-78, dated 23-4-1977]
R.C.C. shop building bearing Mun. No. 2338A, on site Nos. 75 & 76, 2nd Main Road, New Mandi Pet, Tumkur Town, Tumkur.

Boundaries :

East : Property of Sri T. Shivanna
West : Property Smt. Vanijamma
North : Road and
South : Road.

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 23-12-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th December 1977

C.R. No. 62/9548/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

All that piece and parcel of the site bearing No. 17/ (old No. 88) together with all structures put therein, situated at 4th Cross, New Kalasipalyam Layout, B'lore City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, B'lore Doc. No. 74/77-78 on 11-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. M. Khalec Mulla Khan Alias Aftab Ahamed. S/o Sri C. M. Habebulla Khan, Prop. K. K. Agencies, 79/1, New Bamboo Bazaar, B'lore-2.

(Transferor)

(2) Shri Foudevi Kevalchand, W/o Keval Chand, C/o Sri Shahalalchand Madanraj & Co. 7/28, M. P. Lane, Chickpet Cross, B'lore-53.

(Transferee)

"(3) M/s. Patel Roadways Pvt. Ltd.
(Person(s) in occupation of the property).

(4) NIL

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 74/77-78, dated 11-4-1977]

All that piece and parcel of site bearing No. 17 (old No. 88) togetherwith all structures put therein situated at 4th Cross, New Kalsipalyam layout, B'lore city.

Boundaries :

East : Mohan Rao's property

West : Property belonging to Smt. Pramila Bai

North : site belonging to Timber Merchants Association, New Bamboo Bazaar, B'lore-2.

South : Corporation Road which connects to J. C. Road.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 24-12-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sanjay Modi
No 44/11, Race Course Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Ram Saboo and
Children of Sri Ramaniwasji Saboo(2) Vijayakumar Saboo
both residing at 215, Basavaraja Market, Bangalore-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-27, the 24th December 1977

C.R. No. 62/9527/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

No. Vacant site bearing Corporation No. 45/4 situated at Race Course Road, Bangalore-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Bangalore Doc. No. 43/77-78 on 6-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 43/77-78, dated 6-4-1977]

Vacant site bearing Corporation No. 45/4, Race Course Road, Bangalore-1.

Boundaries :

East : Plot No. 45/3, Race Course Road,
South : Plot No. 45, Race Course Road,
West : Plot No. 44/1-F Race Course Road.
North : Newly Formed Road.

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-12-1977

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD

Rohtak, the 20th December 1977

Ref. No. CHD/42/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 185, Sector 21-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sant Ram Shabnam s/o
Shri Phaga Ram,
R/o 2428, The Mall,
Nahan (H. P.).

(Transferor)

(2) Shri Labh Singh s/o
Shri Daya Singh,
R/o House No. 185/ 21-A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House bearing No. 185, Sector 21-A, Chandigarh. The area of the plot is 243.8 sq. Yards.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 465 of July, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

12—416GI/77

Date : 20-12-1977

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION
MAY 1978

New Delhi, the 14th January 1978

No. 7/3/77-E.I(B).—An examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 16th May 1978, for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 61st Course commencing in Jan 1979.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 212 for the Army, 33 for Navy and 55 for the Air Force.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Service Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc. for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

Note :—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. Centres of Examination—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Shillong, Simla, Srinagar, Trivandrum and Varanasi.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :—

(a) Nationality :—A candidate must be either—
 (i) a citizen of India, or
 (ii) a subject of Bhutan, or
 (iii) a subject of Nepal, or
 (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January 1962 with the intention of permanently settling in Ind' or
 (v) a person of India origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii) (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subject of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be admitted to the Academy subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) Age limits, sex and marital status :—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1960 and not latter than 1st January, 1963 are only eligible.

Note :—Date of birth as recorded in Matriculation, Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational Qualification :—Higher Secondary examination of State Education Board or of a recognised University or equivalent. Candidates who have passed the 11th Class examination under the 10+2 pattern of School education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or equivalent examination or the 11th Class examination under the 10+2 pattern of school education can also apply but they will be required to submit proof of passing the above-mentioned examination to reach the Commission's office by 26th December, 1978 failing which their candidature will stand cancelled.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note :—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted their candidature will be cancelled.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION—Rs 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions viz.

(i) they are studying in the Military School (formerly known as King George's Schools)/Sainik Schools run by the Sainik School Society, and
 (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 percent of the aggregate marks of the written papers.

6. HOW TO APPLY—Only printed application on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, May, 1978 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

(i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C at New Delhi G.P.O.
 (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.
 (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

Note :—Requests for supply of application form and full particulars of examination by post must reach the office of the Commission before 20th February, 1978. However, the forms may be had personally from the counter in the office of the Commission upto 27th February, 1978.

All candidates whether already in Government service including those serving in the Armed Forces or in Government-owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service including those serving in the Armed Forces, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees are however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department/Commanding Officer before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department/Commanding Officer with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission New Delhi, as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

Note :—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik School run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE :—

- (i) From candidates in India—27th February, 1978.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep—13th March, 1978.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates) through crossed Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming remission of fee :—

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) An attested/certified copy of certificate from the following authorities in support of his claim to be a *bona fide* displaced person/repatriate—

(a) *Displaced person from erstwhile East Pakistan*

(i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being, be a resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director Rehabilitation) in Calcutta.

(b) *Repatriates from Sri Lanka :—*
High Commission for India in Sri Lanka.

(c) *Repatriates from Burma :—*

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

(i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

(ii) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination December, 1977 and is recommended for admission to any of the Courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination May, 1978 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st August, 1978.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS :—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. RESULT OF APPLICATION :—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION :—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT:—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

May in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

14. ORIGINAL CERTIFICATES SUBMISSION OF—Candidates who qualify for interview on the results of the written examination will be required to submit original certificates in support of their age and educational qualifications etc. soon after the declaration of the results of the written examination. The results of the written examination are likely to be declared in the month of July, 1978. Candidates may also be required at the interview by the Services Selection Board to produce these original certificates.

15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION

- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N. B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.S. BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK, 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates who have to appear for any university examination, should immediately after the announcement of the result of the written examination, intimate the dates of such examination to the Army Headquarters, who may, if possible take this into consideration before fixing the dates of interview.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ AG's Branch, Rtg. 6(SP) (a) (i), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time in case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidates.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) officer potentiality test, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test as fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions, the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks seemed by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Navy Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit list for the Army and the Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B. EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE. THE GRADE SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL, THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their applications for this examination for the Air Force Wing only if they have been qualified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are, however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY.—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund expenditure incurred on him by the Government.

21. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS.—Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examination are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110011, (ii) Sale counters of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, and (ii) the Government of India Book Depot, 8

K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publication, at various mofussil towns.

22. INTELLIGENCE TESTS—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards". The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and can be obtained from the sources mentioned in paragraph 21 above.

R. S. GOELA
Deputy Secretary

APPENDIX I

(The Scheme and syllabus of the examination).

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

Subject	Duration	Max. Marks
1. English	2 hours	250
2. Mathematics—Paper I	2 hours	125
Paper II	2 hours	125
3. General Knowledge—Paper I (Science)	2 hours	200
paper II (Social Studies Geography and Current Events)	2 hours	100
		900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

4. All question papers must be answered in English unless otherwise expressly stated in the question paper.

5. Candidates must write the papers in their own hand in no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for written subjects will be made for illegible handwriting.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper will be designed to test the candidate's understanding of and his power to write English correctly and idiomatically. It will also include questions to test the candidate's knowledge of grammar, idiom and usage.

MATHEMATICS

Paper I

Arithmetic :

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and real Numbers. Commutative, associative and distribu-

tive laws. Fundamental Operations—addition, subtraction, multiplication and division. Square and cube roots. Decimal fractions.

Unitary method—applications to simple and compound interests, time and distance, time and work, profit and loss, ratio and proportion. Races.

Elementary Numbers, Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Multiples and factors. Factorisation theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms and their use.

Algebra :

Basic Operations : Simple factors. Remainder theorem. H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. Simultaneous equations in two unknown. Linear simultaneous equations in three unknown. Application of equations, Inequality.

Graphs :

Set language, notation. Venn diagram, set operations, solution sets of linear equations (three unknowns)—application. Polynomials with rational coefficients. Division algorithm. Laws of indices. AP and GP, Geometric series. Recurring decimal fraction. Permutations and combinations. Binomial theorem for positive integral index. Application of binomial theorem.

Trigonometry :

Trigonometric ratios and identities. Trigonometric ratios of 30° , 45° , 60° and their use in elementary problems on heights and distances.

PAPER II

Geometry :

Incidence Relations. Order relations in a line. Regions. Orientation in a plane. Pasch's axiom. Reflection in a line and in a point. Translation. Rotation. Composition of reflection, translations and rotations. Slide reflections. Symmetry about a line symmetrical figures. Isometries. Invariants. Congruence—direct and skew.

Theorems on : (i) Properties of angles at a point; (ii) parallel lines; (iii) sides and angles of triangles; (iv) congruency of triangles; (v) similar triangles; (vi) concurrence of median, altitudes, perpendicular bisector of sides and bisectors of angles of a triangle; (vii) properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rhombus, rectangle, square and trapezium; (viii) circle and its properties including tangents and normals; (ix) cyclic quadrilaterals; (x) loci.

Practical problems and constructions involving use of geometrical instruments e.g. Bisection of an angle and segment of a straight line, construction of perpendiculars, parallel lines, triangles, tangents of circles. Inscribed and circumscribed circles of triangles.

Calculus :

Functions. Graphs. Limit and Continuity. Differential coefficients of functions. Differentiation of elementary functions—polynomial, rational, trigonometric. Differentiation of a function of a function. Differentials, Rates, Error. Second order derivatives.

Integration as the inverse of differentiation. Standard formulae for integration. Integration by parts and substitution.

Mensuration :

Areas of plane figures. Volumes and surfaces of Cubes, pyramids, right circular cylinders. Cones and spheres (Practical problems involving these will be set and if necessary formulae will be given in the question paper).

Plane Co-ordinate Geometry :

Distance formula, section formula. Standard forms of the equation of a straight line. Angle between two lines. Conditions of a parallelism and perpendicularity. Length of the perpendicular from a point to a line. Equation of a circle.

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers :

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates' answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I SCIENCE

General knowledge Paper I will comprise the following :—

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction. Spherical Mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet. Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors. Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power. Primary and Secondary Cells. Uses of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum. Simple Pulleys. Siphon, Levers. Balloon, Pumps, Hydrometer. Pressure Cooker. Thermos Flask. Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass. Lighting Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements. Mixtures and Compounds. Symbols. Formulae and Simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids; Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic Equivalent and Molecular Weights. Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life Cells, Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their cause and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

NOTE : Out of maximum marks assigned to the paper, question on Part (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

PAPER II

(SOCIAL STUDIES GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS)

General Knowledge Paper II will comprise the following :—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayat Raj. Co-operatives and Community Development.

Bhodan Sarvodaya Emotional Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance. Exploration and Discovery; War of American Independence, French Revolution. Industrial Revolution and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of One World. United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification: Weathering—Mechanical and Chemical; Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity; Condensation and Precipitation; Types of Climate.

Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and Industrial activities.

Important Sea Ports and main sea; land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE : Out of the maximum marks assigned to the paper questions on parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview, the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE, THEREFORE, ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy. The very fact that the Medical Examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to any one. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates for the Army are advised in their own interest, that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called up for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

1. To be declared fit for admission to the National Defence Academy a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

2. It will, however, be ensured that :—

(a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformation or obesity;

(b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE : A candidate with a rudimentary cervical rib in whom there is no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

(c) there is no impediment of speech.

(d) there is no malformation of the head, deformity from fracture or disjunction of the bones of the skull;

(e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis-media or evidence of radical or modified radical mastoid operation.

NOTE : A soundly-healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

(f) there is no disease of the bones or cartilages of the nose of nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;

NOTE (i) A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum will not be a cause for outright rejection and such cases would be referred to the adviser in Otology.

NOTE (ii) Diagnostic antrum puncture to confirm Maxillary Sinusitis should be resorted to only in appraisal cases and not as a routine in the initial examination when

a radiological examination if indicated, should be adequate.

(g) there are no enlarged glands due to tubercular or due to other disease in the neck and other parts of the body and that the thyroid gland is normal.

NOTE : Scars of operations for the removal of tuberculous glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding five years and the chest is clinically and radiologically clear.

(h) there is no disease of the throat palate tonsils or gums or disease or injury affecting the normal function of either mandibular joints;

NOTE : Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.

(i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;

(j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;

(k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen; and there is no abdominal tenderness or palpation;

(l) Inguinal hernia (unoperated) or tendency thereto will be a cause for rejection;

NOTE : In the case of candidates who have been operated for hernia, they may be declared fit provided—

(i) one year has elapsed since the operation (documentary proof is to be furnished by the candidate);

(ii) general tone of the abdominal musculature is good; and

(iii) there has been no recurrence of the hernia or complication connected with the operation.

(m) there is no hydrocele or definite varicocele or any other disease of defect of the genital organs.

NOTE :—(i) A candidate who has been operated for a hydrocele, will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis;

(ii) Undescended intra-abdominal testicle on the one side should not be a bar to acceptance of candidates for commissioning in the Armed Forces provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the anomaly. Undescended testis retained in the inguinal canal or at the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.

(n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;

(o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria and Albuminuria will be rejected.

(p) there is disease of the skin, unless temporary or trivial. Scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection.

(q) there is no active latent or congenital venereal disease;

(r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted.

(s) there is no squint or morbid condition of the eye or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence; and

(t) there is no active trachoma or its complications and sequelae.

NOTE : Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation on any expense incurred.

3. Standards for Height, Weight and chest measurements.

(a) *Height*—(i) The height of candidates will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar; and the height will be recorded in centimetres; decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored, 0.5 centimetre will be recorded as such. 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cms. (157 cms. for the Navy) except in case of Gorkhas, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height may be reduced by 5.0 cms. The minimum height of Naval candidates from MANIPUR, ARUNACHAL PRADESH, MEGHALAYA, MIZORAM and TRIPURA may also be reduced by 5.0 cms. and 2 cms. in the case of candidates from LACCADIVES.

NOTE.—Relaxation of height up to 2.5 cms. (5 cms. for the Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training. Further proportional relaxation will be allowed for cadets for Indian Navy who are below 18 years of age.

(iii) *Air Force only*—To meet the special requirements for training as a Pilot minimum height will be 162.5 cms. Acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under :—

Leg length	minimum	99.0 cms.
	maximum	120.0 cms.
Thigh length	maximum	64.0 cms.
Sitting height	minimum	81.50 cms.
	maximum	96.00 cms.

NOTE.—On account of lower age of candidates a margin of upto 5.0 cms. in height 2.5 cms. in leg length (minimum) and 1.0 cm. in sitting height (minimum) may be given, provided it is certified by the Medical Board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of training at NDA.

(b) *Weight*—(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with under pants only. In recording weight, fraction of half a kg. will not be noted. A correlation table between age height and average weight is given below for guidance.

Age period	15—16	16—17	17—18
Height (C.M.)	Weight Kg.	Weight Kg.	Weight Kg.
157.00	43.5	45.0	47.0
160.00	45.0	46.5	48.0
162.00	46.5	48.0	50.0
165.00	48.0	50.0	52.0
167.50	49.0	51.0	53.0
170.00	51.0	52.5	55.0
173.00	52.5	54.5	57.0
175.00	54.5	56.0	59.0
178.00	56.0	58.0	61.0
180.00	58.5	60.0	63.0
183.00	61.0	62.5	65.0

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is therefore only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (± 6 kg, for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The over-weight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are under-weight the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest*.—The chest should be well proportional and well developed with a minimum range of expansion of 5.0 cms. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind, and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the side. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansions of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cms. decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 cm. will be recorded as such and 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

For Air Force—X Ray spine is also to be taken to rule out any scoliosis. Scoliosis of more than 5° (by Cobb's method) will be a cause for rejection for flying.

NOTE.—For Air Force and Navy, X-ray of chest is compulsory.

4. Dental conditions.

It should be ensured that a sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication;

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw.

- (i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd premolars and underdeveloped third molar—1 point each.
- (ii) 1st and 2nd molar and fully developed third molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

(b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw;

- (i) any four of the six anteriors.
- (ii) any six of the ten posteriors.

(c) candidates suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer, it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standards

(a) Visual acuity

	Standard I		
	Better eye	Worse eye	
Distant Vision	V-6/6	V-6/9	Correctable to 6/6

Standard II

Distant Vision (corrected)	6/6	6/9
----------------------------	-----	-----

Myopia of not more than -2.5 D including astigmatism (.5 D in case of Navy)

Manifest Hypermetropia of not more than +3.5 D including astigmatism.

13—416GT/77

NOTE 1. Fundus and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or chorio-retina to be present suggesting progressive myoretina.
3. Should possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).
4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

(b) Colour Vision

—Inability to distinguishing primary colours will not be regarded as cause for rejection but the fact will be noted in the proceedings and the candidate informed.

(c) Requirements for Services :

ARMY-VS II (Minimum Standard)

NAVY (i)—Visual Standard I.—No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering Electrical and Supply and Secretariat Branches up to 6/18, 6/36, correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements :

Night Vision Standard.—Only candidates with suspected Xerophthalmia Pigmentary degeneration disturbance of the Chorio-Retina, abnormal Iris and pupillary conditions, who are otherwise fit in all respects will be subjected to detailed NVA test prior to accepting for service in the Navy. Those who fail to secure Grade 11 (eleven) (Della Casa—good/very good) will be rejected.

A certificate as under will be obtained from each candidate if he is not subjected to Della Casa test :—

"I hereby certify that to the best of my knowledge, there has not been any case of congenital night blindness in our family and I do not suffer from it."

Signature of candidate

Countersignature of the Medical Officer

Colour Perception Standard I MLT
Heterophoria (Martin Lantern Test)

Limit of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed :—

(a) At 6 metres—

Exophoria	.	.	8 prism	dioptries
Esophoria	.	.	8 prism	dioptries
Hyperphoria	.	.	1 prism	dioptrie

(b) At 30 cms—

Esophoria	.	.	6 prism	dioptries
Exophoria	.	.	16 prism	dioptries
Hyperphoria	.	.	1 prism	dioptrie

Limit of hypermetropia (Under homatropine)

		Better eye
Hypermetropia	.	1.50 dioptries
Simple hypermetropic astigmatism	.	0.75 dioptrre
Compound Hypermetropic astigmatism		The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptries of which not more than 0.75 dioptrre may be due to astigmatism.

Hypermetropia	Worse eye 2.5 dioptres
Simple Hypermetropic astigmatism	1.5 dioptres
Compound	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptres of which not more than 1.0 dioptre may be due to astigmatism.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian.

Binocular Vision.

The candidates must possess good binocular vision (Fusion faculty and full field of vision in both eyes).

AIR FORCE (i) V.S.I. No glasses will be worn

(ii) Special requirements :—

Manifest Hypermetropia must not exceed 2.25 D.

Ocular Muscle Balance :—

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed:—

(a) at 6 metres	Exophoria 6 prism dioptres.
	Esophoria 6 prism dioptres.
	Hyperphoria 1 prism dioptre
(b) at 33 cms	Exophoria 16 prism dioptre. Esophoria 6 prism dioptres. Hyperphoria 1 prism dioptres. Myopia Nil Astigmatism 0.75 D.

Binocular vision.—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

Colour Perception—Standard I MLT.

6. Hearing standard.

Hearing will be tested by speech test. Where required, audiometric records will also be taken.

(a) Speech Test.

The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 610 cms, in a reasonable quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) Audiometric tests.

Audiometric loss should not be greater than +10 db, in frequencies between 250 Hz and 4000Hz. In evaluating the audiograms, the base line zero of the audiometer, the environmental noise conditions under which the audiogram has been obtained should be taken into consideration and on the recommendations of an Air Force ENT Specialist minor will be subjected to EEG examination. Those with specific

7. Routine basal EEG.—All the candidates for Air Force will be subjected to EEG examination. Those with specific abnormalities will be rejected.

APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

I. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign :

(a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death

results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there.

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 650.00
Total	Rs. 850.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 475.00 approximately

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy.

(1) **PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship**—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parent's income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship**—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition, to any financial assistance from the Government.

(3) **KULR SINGH MEMORIAL Scholarships**—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a

maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakvasala and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institutions.

(4) ASSAM GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) KERALA GOVERNMENT Scholarship.—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.

(7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—Three scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadets irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL :—

(a) Category 1.—Three scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during the 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.

(b) Category 2.—Three scholarships of a lump-sum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) Pilot Officer GURMFET SINGH BEDI MEMORIAL Scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 40.00 per month during the third year of training.

These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for the scholarship.

(12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per Course, of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (once only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of Tamil Nadu, whose parent/s/guardian's monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

(13) RAJASTHAN GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Rajasthan has instituted at the NDA three scholarships (one for Army, Navy and Air Force each) per Course of the value of Rs. 50/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/-. (Once only during the entire period of a cadet's training) to be awarded to the cadets who are sons/wards of Ex JCOs/ ORs or equivalent of the Navy and Air Force belonging to the State of Rajasthan. The application can be made to the Commandant, National Defence Academy by the eligible cadets, on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

TRAINING

6. The selected candidates for the three Services *viz*, Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The academic training imparted will be up to degree level in Science or Humanities as the case may be.

7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun Naval Cadets to the Cadet's Trainingship and Air Force cadets to EFS BIDAR.

8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering Electrical and Supply and Secretariat Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months, on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipman. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

10. Air Force cadets receive flying training for a period of 1½ years. It is proposed to train all cadets as Fighter Pilots. After successful completion of training they are Commissioned as Pilot Officers and awarded flying badges, if a cadet shows inadequate aptitude for flying, he may be permitted to

revert to IMA, Dehradun as Army cadets/Naval Academy Cochin as Naval Cadets as the case may be and as per choice of Service opted by him at the EFS, BIDAR.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

11. ARMY OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut.	750—790	Lt. Colonel	1800 fixed (time scale)
Lieut	830—960	Colonel	1950—2175
Captain	1250—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1650—1800	Maj. General	2500—125/2 2750
Lt. Colonel By Selection	1800—1950	Lt. General	3000 p.m.

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Admissible to Officers of the rank of Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualifications at the following rates :—

	Lower rates	Higher rates
Qualification Pay	Rs. 70	Rs. —
Qualification grant	1600	2400
	4500	6000

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances :—

- Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.
- A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- Expatriation allowance. When Officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held is admissible.
- Separation allowance Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.

(iv) POSTING

Army Officers are liable to serve any where in India and abroad.

(v) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Time Scale

Lt.	2 years of commissioned service
Capt	6 years of commissioned service
Major	13 years of commissioned service
Lt. Col. from Major if not promoted by selection	25 years of commissioned service

By selection

Lt. Col.	16 years of commissioned service
Col.	20 years of commissioned service
Brigadier	23 years of commissioned service
Maj. Gen.	25 years of commissioned service
Lt. Gen.	28 years of commissioned service
Gen.	No restriction

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies :—

Captain	3 years
Major	5 years
Lt. Colonel	6-1/2 years
Colonel	8-1/2 years
Brigadier	12 years
Maj. General	20 years
Lt. General	25 years

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scales	
	General service	Naval Aviation Sub-marine
Midshipman	Rs. p.m.	Rs. p.m.
Ag. Sub-Lieut	560/-	560/-
Sub. Lieut.	750/-	825/-
Lieut.	830/870	910-950
Lieut Cdr.	1100-1450	1200-1550
Cdr	1550-1800	1650-1800
Captain	1800-1950	1800-1950
	1950-2400	1950-2400
	Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain.	
Rear Admiral	2500- 125/2-2750.	
Vice Admiral	3000/- p.m.	

Qualifications pay/grant is also admissible to Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them.

(ii) ALLOWANCES

Naval Aviation Officers are entitled to Flying pay at monthly rates/and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent rank. In addition certain special concessions, like hardlying money submarine allowance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher rank :—

By Time Scale

Sub. Lt.	1 year.
Lt.	3 years (subject to gain/forfeiture of seniority).
Lt. Cdr.	8 years seniority as Lt.
Cdr	24 years commissioned service (if not promoted by selection).

By Selection

Cmdr Executive Branch	2-8 years seniority as Lt. Cdr
Cmdr Engineering Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr Electrical Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr Supply Secretariat Branch	4-10 years seniority as Lt. Cdr.
Capt.	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	No restriction
Vice-Admiral	No restriction

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

13. AIR FORCE OFFICER

(i) PAY

Rank	Pay Scale
Plt. Offr	Rs. 825-865
Fg. Offr.	910-1030
Flt. Lt.	1300-1550
Sqn. Ldr	1650-1800
Wg. Cdr (Selection)	1750-1950
Wg. Cdr (Time Scale)	1800 (fixed)
Gp Capt	1950-2175
Air Cdre	2200-2400
Air Vice-Marshall	2500-2750
Air Marshal	3000
Air Chief Marshal (CAS)	4000

(ii) ALLOWANCES

Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates :—

	Rs.
Plt Offr to Wg. Cdre	375.00 p.m.
Gp Capt and Air Cdr	333.33 p.m.
Air Vice Marshal & above	300.00 p.m.

(iii) *Qualification Pay/Grant*—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualifications at the rate given below :—

Qualification Pay	Rs. 100/- p.m. or Rs. 70/- p.m.
Qualification Grants	Rs. 6,000/- or 4500/- or Rs. 2,400/- or Rs 1,600/-

(iv) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Time Scale

Flying Officer	1 year commissioned service.
Flt. Lt.	5 years commissioned service.
Sqn. Ldr.	11 years commissioned service.
Wg. Cdr.	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

By Selection

Wg. Cdr.	3 years service as substantive Sqn. Ldr.
Gp. Capt.	4 years service as substantive Wg. Cdr.
Air Commodore	3 years service as substantive Group Capt.
Air Vice-Marshall	3 years service as substantive Air Commodore.
Air-Marshall	2 years service as substantive Air Vice Marshal

(b) Acting Promotion

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers :

Flt. Lt.	2 years.
Sqn. Ldr.	5 years.
Wg. Cdr.	6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp Captain	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr	11-1/2 years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain).
Air Vice-Marshall	15 years (After service of 5* years in the ranks of Wg. Cdr., Gp Capt. and Air Cdr.)
Air-Marshall	23 years.

*Inclusive of broken period.

14. RETIRING BENEFITS

Pension, gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules, in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri son of of village/town*

in District/Division* of the State/Union Territory" belongs to the Caste/Tribe" which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe" under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes, Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri and/or his family ordinarily reside(s) in Village/Town of District/Division of his State/Union Territory of

State

*

Union Territory

Place

Date

Signature

**Designation
(with seal of office)

Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

***Officers competent to issue Caste/Tribe Certificate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

This manual is intended to give you as much information as we can, about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

SUBJECTS, STANDARD AND TOPICS

The examination in each of the subjects viz., English, Mathematics (Paper I and Paper II) and General Knowledge Paper I (Science) and Paper II (Social Studies, Geography and Current Events) will be of 2 hours' duration each. The standard will be such that candidates of Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised University or equivalent will be able to answer most of the questions. The topics covered under each of the subjects are given in part 'B' of Appendix I.

In the examination, questions may be asked from areas which are not explicitly mentioned in Appendix I but are generally covered at the Higher Secondary level or equivalent examination.

NATURE OF THE TEST

The examination will be of the 'objective' or 'multiple choice answer' type. There will be many items (questions) printed in a test booklet. Each item will have 3, 4 or 5 possible responses (answer) printed right after it. Your task will be to select THE CORRECT RESPONSE to each item. In case you consider more than one response to be correct, then you should choose THE BEST RESPONSE. For each item you should select ONE, AND ONLY ONE response.

METHOD OF ANSWERING

The items will have serial Nos. 1, 2, 3 etc. The response choices for each item (question) will be marked '1', '2', '3', '4' etc. A separate answer sheet will be given to indicate your responses (see specimen answer sheet at the end of this manual). On the answer sheet, the serial numbers of the items will be given and at the right of each number there will be space provided for your response. First decide which is the correct or best response, out of those given for each item. Then indicate your response by writing the number of the response you have selected in the space provided for the response (see example on the specimen answer sheet).

Please note that YOU ARE TO MARK ONLY ONE RESPONSE for each item. If you mark more than one response for any item you will not be given any credit for it even if one of your responses is correct. If you make a mistake and wish to change your response, score out the error completely and clearly write the correct response.

SOME IMPORTANT RULES

- (i) You are required to enter the examination hall 20 minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately. Before the commencement of the test Supervisor will give some very specific instructions for the examination.
- (ii) Nobody will be admitted to the test after the expiry of 30 minutes from the commencement of the test.
- (iii) No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- (iv) After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST-BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.
- (v) Write clearly your Roll No., Centre of the test and code number and serial number of the test booklet at the appropriate space provided in the answer

sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

(vi) You are required to read carefully all instructions given in the test booklet and the answer sheet. Since evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If your entry against any item in the answer sheet is ambiguous you will get no credit for that item.

Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.

(vii) Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a pencil and a pen containing blue or black ink. You will not be permitted to take any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall as they are not needed. Space for rough work is provided on the answer sheet itself. Answer should be marked in ink and not in pencil. Red ink should not be used on the answer sheet.

SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

As the possible answers for each question are given, you may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. First try to answer those questions about which you are sure. If you know nothing about a question, it is better to leave it blank. You will get better marks by omitting such questions than by blind guessing. However, where you know enough to make an intelligent guess you may do so.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

SAMPLE QUESTIONS

1. ENGLISH

GRAMMAR

(a) Detecting Errors—

Directions :—

1. In this section you must spot errors in sentences. Read each sentence to find out whether there is any error in any underlined part. Errors, if any, are only in the underlined parts. No sentence has more than one error. When you find an error in a sentence, write the number of that part of the sentence on the separate Answer Sheet. If there is no error in any underlined part, write '5'. Examples 1 and 2 have been solved for you.

1. He spoke bluntly and angrily to we spectators.

1	2	3	4
No error		5	

2. A stadium and a swimming pool are going to be built

1	2	3
on the new campus	No error	
4		5

Explanation :—

In question No. 1, the word "We" is wrong. The number under this part is '3'. So 3 is the correct answer.

In question No. 2, the sentence is correct. Therefore, 5 is the correct response.

2. You do NOT have to correct the error. You only have to write on the Answer Sheet the number which is under the part that contains error.

Work as fast and as carefully as you can.

(b) Correcting error

Directions :—

Look at the underlined part of each sentence. Below each sentence are given four possible substitutions for the underlined part. If one of them is better than the underlined part, write its number on the Answer Sheet. If none of the substitutions improve the sentence, write number 5 on your Answer Sheet. Examples 3 and 4 have been solved for you.

3. A candle flame glares at the slightest breath of air.

- (1) Sparkles
- (2) Flickers
- (3) Shines
- (4) Glistens
- (5) No change

4. The fruits which he took from the bazaar has made him very sick.

- (1) Could made him
- (2) Caused him
- (3) Could have made him
- (4) Shall cause him
- (5) No change

Explanation

The correct sentence should read "A candle flame flickers at the slightest breath of air". '2' is, therefore, the best improvement for question No. 3. So 2 is the correct response for question No. 3. In question No. 4, alternative 3 is the best improvement. So 3 is the correct response for Question No. 4.

Errors may be in grammar, appropriate word usage or idioms. They may be necessary word missing; or there may be a word which should be removed.

Work as fast and as carefully as you can.

COMPREHENSION

Directions :—

In this part you have short passages. After each passage, you will find some questions based on what is *stated* or *implied* in the passage. First read a passage, and then answer the questions following that passage. Then go on to the next passage. While answering the question, you can look back at the passage as often as you like. Examples 5 and 6 are solved for you.

PASSAGE

At three in the morning the air-field becomes active. The lights are switched on along the runway. The motor-coach arrives with the outgoing passengers, some still dressed for the heat of Africa, some already sweating in their London suits. One or two men who had been lounging about in rather shabby shorts reappear in the hall wearing smart caps and tunics. Thereby the weedy little man who weighs the passenger's luggage reveals that he has had distinguished service in the Army. And thereby the willowy and supercilious young fellow who has been playing dice with Harry the barman turns out to be the Customs Officer.

Adopted from 'The New Statesman'

(5) Who is the weedy little man ?

- 1. Soldier
- 2. Consumptive
- 3. African
- 4. Passenger
- (6) The custom officer is :
 - 1. Harry the barman
 - 2. Supercilious young fellow
 - 3. Weedy little man
 - 4. A man in shabby shorts.

Explanation :—The weedy little man is a soldier which is response 1. So No. 1 is correct response for question No. 5.

The customs officer is a supercilious young fellow which is response 2. So, No. 2 is the correct response for question No. 6.

Work as fast and as carefully as you can.

CLOZE TEST

PASSAGE

Electricity is such a part of (7) everyday lives and so much taken (8) granted nowadays that we rarely think (9) when we switch on the light (10) turn on the radio.

Questions :

Choose the most appropriate from among the following words which could fill the numbered gaps in the above passage.

- (7) (1) his
(2) our
(3) my
- (8) (1) for
(2) at
(3) by
- (9) (1) only
(2) at
(3) twice
- (10) (1) to
(2) or
(3) for

ANSWER KEY

Question	Answer
7.	2
8.	1
9.	3
10.	2

Vocabulary

(a) Similar words :—

Directions :—Each question consists of a word or phrase, followed by four numbered words or phrases. Choose the numbered word or phrase which is most nearly the same, in meaning, as the original word or phrase. For example :

- (11) Boycott
 - (1) to accuse of wrong doing
 - (2) withdraw from
 - (3) refuse to deal with
 - (4) keep silence.
- (12) integrity
 - (1) good judgment
 - (2) benevolence
 - (3) honesty
 - (4) fearlessness.

Explanation :—‘Refuse to deal with’ is the word whose meaning is nearest to ‘boycott’, so number ‘3’ is the correct response for question No. 11. For question No. 12, ‘honesty’ is the word nearest in meaning to ‘integrity’. So ‘3’ is the correct response for question No. 12.

Work as fast and as carefully as you can.

(b) Opposite words

Directions :—In this section you are to choose the word or phrase which is most nearly opposite to the meaning of the first word or phrase.

- (13) Day
 - (1) Year
 - (2) month
 - (3) hour
 - (4) night

Explanation :—The opposite of the day is *night*, so number 4 is the correct response.

Work as fast and as carefully as you can.

2. MATHEMATICS

1. Dividing by $\frac{2}{100}$ is the same as multiplying by

- (1) $\frac{1}{50}$
- (2) $\frac{1}{2}$
- (3) 2
- (4) 50
- (5) 200

2. The highest common factor of 84 and 128 is

- (1) 6
- (2) 8
- (3) 4
- (4) 12

ANSWER KEY

Question	Answer
1.	4
2.	3

3. GENERAL KNOWLEDGE

1. The sun-centered theory of the Universe was developed by

- (1) Galileo
- (2) Ptolemy
- (3) Newton
- (4) Copernicus

2. Which one of the following is not an organ of UNO ?

- (1) Security Council
- (2) Trusteeship Council
- (3) International Monetary Fund
- (4) International Court of Justice.

ANSWER KEY

Question	Answer
1.	4
2.	3

STAFF SELECTION COMMISSION

CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1978

No. 12/10/77-E.A.—Staff Selection Commission will hold on Sunday, 2nd July, 1978 a combined competitive examination, for recruitment of Clerks in scale of pay of Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400 for following services/posts/offices, at AGARTALA, AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DFLHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Department of Personnel & Administrative Reforms (Ministry of Home Affairs) in the Gazette of India in Part I Sec 1 dated 14th January, 1978.

GROUP X :

1. Indian Foreign Service (B) Grade VI.
2. Railway Board Secretariat Clerical Service—Grade II.
3. Central Secretariat Clerical Service—Lower Division Grade.
4. Armed Forces Headquarters Clerical Service—Lower Division Grade.
5. Election Commission.
6. Department of Parliamentary Affairs.
7. Office of Inspector General of Indo-Tibetan Border Police.
8. Central Vigilance Commission.

GROUP Y :

9. Equivalent/comparable posts in other Departments and Attached Offices of Government of India not mentioned in Group X.
10. Indian Council of Agricultural Research.
11. Equivalent/comparable posts in Subordinate offices of Government of India located throughout India.
12. Lower formulations of Army/Air Force/Navy and Inter-Service Organisations under Ministry of Defence.
13. Equivalent/comparable posts in organisations other than the above.

GROUP Z :

14. Delhi Administration.
15. Municipal Corporation of Delhi.
16. Junior Clerk, Telephone Operator and Lady Junior Receptionist in Delhi Electric Supply Undertaking in pay scale of Rs. 185-300 and equivalent/comparable posts.

2. *Number of vacancies* : Number of vacancies likely to be filled on result of this examination for all services/posts/offices may be about 1500. Reservation for SC/ST candidates, Ex-servicemen and physically handicapped persons shall be made according to orders in force.

3. *Age Limits* : 18 to 25 years on 1-1-1978 (born not earlier than 2nd January 1953 and not later than 1st January 1960). Upper age limit relaxable upto 5 years for SCs/STs

and according to orders in force in case of Displaced Persons/Defence Services Personnel/BSI Personnel/Repatriates and Migrants/Ex-Servicemen.

4. *Educational Qualifications* : Matriculation or equivalent. For posts in Group Z, a candidate must have offered Hindi as a subject at Matriculation or equivalent or higher examination OR must opt to write Essay in Hindi in Paper II.

5. *Fee* : Rs. 12/- (Rs. 3/- for SCs and STs). No fee for Ex-servicemen. Remission of fee may be allowed to Repatriates from Sri Lanka/Burma who are not in a position to pay it. Fee must be paid through Indian Postal Orders, crossed "A/C PAYEE ONLY" or by Bank Draft, valid for at least six months, drawn on State Bank of India only, in favour of Staff Selection Commission and payable as indicated in Table in para 7 below.

6. *Limitation of Changes* : For all services/posts mentioned in para 1 above a candidate is permitted only two chances for appearing at the Examination, including chances already availed of from 1961 onwards. However this restriction of chances is not applicable to candidates belonging to SC & ST.

7. *Selection of Centre and the Address to which Application should be sent* :

Candidate must select only one of the Centres mentioned in para 1 above. No change in centre is ordinarily permissible. A candidate must submit his application only to the address mentioned in column 2 against the centre opted for by him.

Centre (1)	Address to which applications should be sent. (2)	Post Office at which postal orders should be payable. (3)	Branch of the S. Bank of India at which Bank Dr. afts should be payable. (4)
1. Delhi, Jaipur Patiala, Simla, Srinagar and any Mission abroad	Controller of Examinations, — (H.Q.) Staff Selection Commission, West Block I, Post Bag 2, R. K. Puram, New Delhi.	Satojini Nagar Post Office, New Delhi.	Parliament Street, New Delhi.
2. Allahabad, Bhopal and Patna.	Controller of Examinations (C.R.) Staff Selection Commission, 71/3-B, Stanley Road, Kamla Nagar, Allahabad.	G.P.O., Allahabad.	Local Head Office, Allahabad.
3. Agartala, Calcutta, Cuttack and Dispur (Gauhati)	Controller of Examinations (E.R.) Staff Selection Commission, Premises No. 15/1 (5th floor), Chowringhee Square, Calcutta.	G.P.O., Calcutta.	Local Head Office, Calcutta.
4. Ahmedabad, Bombay and Nagpur.	Controller of Examinations (W.R.) Staff Selection Commission, Carmilos Building (4th floor), Opposite G. T. Hospital (near Metro Cinema), Bombay.	G.P.O., Bombay.	Head Office, Bombay.
5. Bangalore, Hyderabad, Madras & Trivandrum.	Controller of Examination G.P.O., Head Office, Madras. Local (S.R.) Staff Selection Commission, 150-A, LLA Building (2nd floor), Anna Salai, Madras.	G.P.O., Head Office, Madras.	Head Office, Madras.

8. *SCHEME OF EXAMINATION* : Examination will consist of two parts.

PART I—WRITTEN EXAMINATION.

Paper No.	Subject	Maximum marks	Time allowed
I	English Language & General Knowledge (a) English Language (b) General Knowledge	50 50 150	2 hours
II	Essay, Precis and Composition (a) Essay (b) Precis & Composition	100 50 150	2—1/2 hours

Syllabus—Paper I.—Questions on English language will be designed to test candidate's knowledge of English grammar, vocabulary, spellings and their power to understand and ability to discriminate between correct and incorrect usage of English Language. Questions on General Knowledge will be designed to test knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspect as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. It will also include questions on Geography of India. Questions in Paper I will be of "Objective Type". **Paper II—(a)** Essay (b) Precis-writing and drafting

Only those candidates who attain a minimum standard in Paper I as may be fixed by the Commission in their discretion, will be eligible for evaluation of their answer books in Paper II.

Candidates are allowed the option to answer item (a) of Paper II viz. Essay, either in Hindi (in Devanagiri script) or in English. Questions in item (b) of Paper II must be answered in English only by all candidates.

Only those candidates who attain a minimum standard, as may be fixed by the Commission in their discretion, in Part I (Written Examination comprising Paper I and II) will be eligible to take the typewriting test mentioned in Part II below.

Part II—Typewriting Test: It will consist of two papers (1) Running Matter (2) Tabular Statement, each of 10 minutes' duration. Candidates are allowed option to take the Test in Hindi (Devanagari script) or in English.

Selection of Candidates: Only such candidates as qualify at the Typewriting Test at a speed of not less than 30 words per minute in English or not less than 25 words per minute in Hindi will be eligible for being recommended for appointment. Candidates who qualify at the Typewriting Test, or are exempted from it in terms of Notification referred to above, will be arranged in order of merit as disclosed by aggregate marks finally awarded to each candidate in Part I of the Examination; and in that order as many candidates as are found to be qualified in the Examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies.

Provided that candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for them cannot be filled on the basis of general standard, be recommended at relaxed standard to make up deficiency in reserved quota, subject to fitness of such candidates for selection, irrespective of their ranks in the order of merit.

10. Preferences for Services/Posts: A candidate may compete for any or all the three Groups X, Y and Z. Preferences in respect of services/posts included in a Group will be invited by the Commission from candidates who become eligible to appear at Typewriting Test.

11. Submission of Applications and Closing Date: Applications on plain paper (foolscap size), duly typed on one side and in double space and duly signed, giving following information together with prescribed fee, and 3 copies of candidate's recent photograph (passport size) must reach one of the offices of the Commission mentioned in table under para 7 above, according to the Centre selected by the candidate, latest by 13th February, 1978 (27th February, 1978 from candidates residing abroad or in Andaman & Nicobar islands or in Lakshadweep). Applications received after the closing date or not accompanied by fee or photographs shall be rejected summarily. Fee once paid will not be refunded under any circumstances. Candidates already in Government service may also apply directly but will be required to submit to the Commission a No Objection Certificate if they are admitted to Typewriting Test.

12. Acknowledgement of Application: The Commission will acknowledge receipt of every application. Candidates are advised to send further correspondence, if any, only after they receive this acknowledgement quoting the reference number of the acknowledgement card.

13. Admission Certificate for Examination: The Commission will, in due course, issue Admission Certificate to every

candidate admitted to the examination. If a candidate does not receive the Admission Certificate at least a month before the actual date of examination, he should get in touch with the office of the Commission concerned immediately to secure the Admission Certificate. No candidate will be admitted to the examination without this certificate.

No TA will be paid by the Commission for appearing at the examination.

For posts included in Group Y, the Commission will make efforts, as far as possible, to enable candidates from different regions to be absorbed in vacancies in the regions of their residence. However, the Commission reserve the right to recommend a candidate for appointment in a region other than the one in which he normally resides in respect of the above group of posts.

Any change in address should be immediately communicated to the Commission's office concerned to which application was sent, along with six slips showing the roll number, name and new address in block capitals.

APPLICATION FOR CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1978.

Candidate should paste a copy of his photograph at the top.

1. Name of Candidate (in block capital letters).
2. Date of birth.
3. Indicate the Centre (out of the Centres given) at which you wish to take the examination.
4. State whether :
 - (a) You belong to SC/ST.
 - (b) You are an Ex-serviceman.
 - (c) You are a repatriate from Sri Lanka/Burma; if so, give particulars.
5. State the medium (Hindi or English) in which you wish to answer/take the paper(s) (a) Essay and (b) Typewriting Test.
6. Serial number and number of postal orders/Bank Drafts enclosed and their value.
7. Examinations passed (Board/University).
8. State your religion.
9. Father's name.
10. (a) Mention Group or Groups for which you wish to compete.
 - (b) If competing for Group Y posts, please specify the State/UT in which you wish to be posted.
 - (c) If competing for Group Z posts, please state whether you had offered Hindi as a subject in Matriculation or equivalent or higher examination.
11. Your postal address (Please also enclose 6 typed slips indicating your name and address).
I hereby declare that :—
 - (a) I have carefully read the conditions of eligibility advertised and I satisfy these conditions for admission to the Examination and all statements made in this application are true, complete, and correct to the best of my knowledge and belief.
 - (b) Original documents/certificates will be produced on demand.

PLACE

DATE

VIVEK BHATACHARYA

Controller of Exams (Hqs.)